सेंसेक्स	83,013.96
निफ्टी	25,423.60
सोना	1,11,170
चांदी	1,31,000
डॉलर	88.19

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 19 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 356
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

राहुल गांधी का वोटर्स डिलीट कराने का दावा...

कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6018 लोगों का नाम वोटर लिस्ट से डिलीट करने की हुई कोशिश, कांग्रेस नेता का दावा...

सॉफ्टवेयर से हो रही वोट चोरी

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को वोट चोरी खुलासे में चुनाव आयोग पर कुछ बहुत गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने अपने कथित हाइड्रोजन बम जैसे धमाकेदार खुलासे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर ऐसी गड़बड़ी करने वालों का बचाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यहां किसी ने 6018 लोगों का नाम वोटर लिस्ट से डिलीट करने की कोशिश की और पकड़ा गया। राहुल गांधी ने कहा कि उनके पास 101 प्रतिशत सबूत है कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि ये वोट ऐसे लोगों के थे जो कांग्रेस को वोट देने जा रहे थे। ये वोट आदिवासियों के थे, गरीबों के थे।

राहुल ने कहा कि अलंद में वोटों की चोरी इत्तेफाक से डिलीट किए गए थे। जिसे एक बीएलओ ने पकड़ा। क्योंकि बीएलओ के रिश्तेदार का वोट डिलीट किया गया था। जब इस बीएलओ ने पता किया तो जानकारी सामने आई कि उसके पड़ोसी के कहने पर उसका नाम डिलीट गया। लेकिन जब उसके पड़ोसी से इन बातों को पूछा गया तो उसने इनकार किया। इसके बाद बीएलओ ने जांच शुरू की तो ये मामला सामने आया।

सेट्रलाइज्ड तरीके से किया नामों को डिलीट

राहुल ने कहा कि वोटर लिस्ट से नामों को डिलीट सेट्रलाइज्ड तरीके से किया गया। और नामों को डिलीट करने के लिए व्यक्ति का नहीं बल्कि सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया। राहुल ने उदाहरण देते हुए कहा कि इन सीरियल नंबर को देखिए, हर जगह सीरियल नंबर वन है, सीरियल नंबर वन। सीरियल नंबर वन का मतलब यह है कि ये बूथ का पहला वोटर है। एक सॉफ्टवेयर बूथ के पहले नंबर के वोटर को चुन रहा है। जो भी वोटर लिस्ट में पहले नंबर पर आता है वही डिलीट कर रहा है। ये सॉफ्टवेयर से किया जा रहा है, सॉफ्टवेयर प्रोग्राम कह रहा है कि सीरियल नंबर 1 को निकालो और उसकी ओर से डिलीट करो।

सीईसी ज्ञानेश कुमार पर सीधा हमला

राहुल ने कहा कि कर्नाटक में इस मामले पर लगातार जांच चल रही है। 18 महीने में 18 चिट्ठियॉ राज्य सीआईडी ने चुनाव आयोग को भेजी हैं। और चुनाव आयोग से कुछ सवाल पूछे हैं। जैसे कि जिन डेस्टिनेशन आईपी के जरिये ये फॉर्म्स भरे गए हैं उनकी जानकारी दीजिए। डिवाइस डेस्टिनेशन पोर्ट्स की जानकारी दीजिए जहां से ये आवेदन भरे गए थे। और सबसे जरूरी हमें ओटीपी ट्रेल के बारे में बताइए क्योंकि जब आप फॉर्म्स भरते हैं तो आपको ओटीपी मिलता है।18 महीनों में कर्नाटक सीआईडी ने 18 चिट्ठियॉ चुनाव आयोग को पूछा है लेकिन चुनाव आयोग इसकी जानकारी नहीं दी है। क्योंकि इससे इस पूरे मामले का भांडाफोड़ हो जाएगा। राहुल ने आगे कहा कि उनका हाइड्रोजन बम वाला खुलासा आया नहीं है। बल्कि आने वाला है।

मैं यहां जो कर रहा हूं, वह मेरा काम नहीं

यह पूछे जाने पर कि क्या वह अदालत या किसी उच्चतर एजेंसी का रुख करेंगे तो राहुल गांधी ने कहा कि सच कहूं तो, मैं यहां जो कर रहा हूं, वह मेरा काम नहीं है। मेरा काम लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी करना है। मेरा काम लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करना नहीं है। यह भारत की संस्थाओं का काम है। वे ऐसा नहीं कर रही हैं, इसलिए मुझे यह करना पड़ रहा है। हमारी प्रस्तुति के अंत तक, जिसमें 2-3 महीने लगेंगे, आपके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं रहेगा कि भारत में राज्य दर राज्य, लोकसभा दर लोकसभा चुनाव वोटों की चोरी हुई है।

कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में हो रहा

राहुल गांधी ने कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को बचाना बंद करना चाहिए। हमने आपको यहां 100त्न पुख्ता सबूत दे दिया है। चुनाव आयोग को इन फोन नंबरों, इन ओटीपी का डेटा एक हफ्ते के भीतर जारी करना होगा। महाराष्ट्र के राजुरा में 6815 लक्षित मतदाता जोड़े गए। अलंद में हमने हटाए गए मतदाता पकड़े, राजुरा में भी जोड़े गए, लेकिन मूल विचार वही है। यह वही व्यवस्था है, जो ऐसा कर रहा है। यह कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में हो रहा है, और हमारे पास इसके सबूत हैं।

आलंद में 6018 वोटर्स को डिलीट करने की कोशिश

राहुल ने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा 2023 के चुनाव में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। इसकी संख्या ज्यादा भी हो सकती है। हमें नहीं पता कि कुल कितने वोट डिलीट किए गए। इन्हें डिलीट करते समय गलती से मामला पकड़ में आ गया। उन्होंने कहा- हुआ यूं कि वहां की एक बूथ-लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट डिलीट हो गया है। उसने जांच की तो पाया पड़ोसी ने वोट डिलीट किया था। बीएलओ ने उससे बात की। जब उसने अपने पड़ोसी से पूछा तो उसने कहा कि मैंने कोई वोट डिलीट नहीं किया। यानी न तो जिस व्यक्ति ने वोट डिलीट किया और न ही जिसका वोट डिलीट हुआ- दोनों को इस बारे में कुछ पता था। असल में किसी और ताकत ने सिस्टम को हाईजैक करके ये वोट डिलीट किए थे।

वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं किए जा सकते

उधर, चुनाव आयोग ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही आयोग ने इस बात पर जोर दिया है कि जनता की ओर से ऑनलाइन कोई भी वोट नहीं हटाया जा सकता। हालांकि, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जांच के लिए चुनाव आयोग ने खुद एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

सत्ता के बिना बेचैन हो रही कांग्रेस-नकवी

नकवी ने कांग्रेस को बैसाखी पर सरकार चलाने वाली पार्टी कहा, जो 5 दशकों तक सत्ता में रही, लेकिन अब जनता के जनादेश को स्वीकार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह मानसिकता लोकतंत्र के लिए खतरा है। राहुल गांधी के दावों को खारिज कर बीजेपी नेता नकवी ने कहा कि वोट चोरी नहीं हुई, बल्कि कांग्रेस की बुद्धि चोरी हो गई है।

खास खबर

बांसवाड़ा में लगेगा देश का सबसे बड़ा न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट

नई दिल्ली। हाल में अभी देश की परमाणु ऊर्जा सृजन करने की क्षमता 8,800 मेगावॉट है और देश की योजना 2047 तक 2,00,000 मेगावॉट (200 गीगावॉट) को जोड़ना है। सरकार ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए बीते केंद्रीय बजट में करीब 20,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करने की घोषणा की थी। परमाणु बिजली को कम उत्सर्जन और ग्रिड के लिए बेसलोड स्रोत होने के कारण प्राथमिकता दी जाती है।

आजम खान आएंगे जेल से बाहर

प्रयागराज। सपा सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को इलाहाबाद हाइकोर्ट ने जमानत दे दी है। आजम पर रामपुर में क्वालिटी बार पर कब्जे का आरोप है। आजम खान सीतापुर जेल में 23 महीने से बंद हैं। वकील इमरान उल्ला ने बताया कि बाकी पेंडिंग मामलों में आजम खान को पहले ही जमानत मिल चुकी है। अब वे एक दो दिन में बाहर आ जाएंगे। इस मामले की फाइनल सुनवाई 21 अगस्त को जस्टिस समीर जैन की सिंगल बेंच ने की थी। इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। आजम खान पर आरोप था कि उन्होंने मंत्री रहते हुए पावर का इस्तेमाल किया। हमने दलील दी कि पूरा प्रोसेस फॉलो करने के बाद ही टेंडर दिया गया। इसमें कहीं भी पावर का मिसयूज नहीं है। अब उनके ऊपर कोई भी मामला पेंडिंग नहीं है। कोर्ट के इस आदेश के बाद उन्हें जेल से रिहा किया जाएगा।

102 करोड़ की मेथाम्फेटामिन टैबलेट बरामद

गुवाहाटी। मिजोरम के चंपाई जिले में असम राइफल्स ने करीब 34.218 किलो मेथाम्फेटामिन टैबलेट बरामद की। इसकी कीमत 102.65 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ऑपरेशन ज़ोटे गांव के पास गुप्त सूचना पर चलाया गया था। संदिग्ध व्यक्ति सामान छोड़कर जंगल में भाग निकला। इससे पहले 16 सितंबर को जोखावथार में 2.462 किलो हेरोइन जिसकी कीमत 20.10 करोड़ रुपए और 13 व 12 सितंबर को मेथाम्फेटामिन टैबलेट्स कुल 14.22 करोड़ रुपए की पकड़ी गई थीं।

भगोड़े ललित मोदी का भाई रेप के मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली । भगोड़े ललित मोदी के भाई समीर मोदी को दिल्ली पुलिस ने रेप के एक पुराने मामले में गिरफ्तार किया है। समीर मोदी को उस समय हिरासत में लिया गया, जब वह आज दिल्ली से बाहर जा रहे थे। समीर मोदी को एयरपोर्ट से गिरफ्तार करने के बाद न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने ले जाया गया। पुलिस ने उन्हें बाद में कोर्ट में पेश किया।

कुछ ना कहना

सेबी ने अदाणी समूह को दी क्लीन चिट

-हिंडनबर्ग रिपोर्ट से जुड़े मामले में हेरफेर के आरोप किए गए खारिज

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग मामले में अदाणी समूह को शेयर बाजार नियामक सेबी से बड़ी राहत मिली है। सेबी ने गुरुवार को अरबपति गौतम अदाणी और उनकी समूह कंपनियों, जिनमें अदाणी पोर्ट्स और अदाणी पावर शामिल हैं, के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से लगाए गए स्टॉक हेरफेर के आरोपों को खारिज कर दिया।

यह आदेश अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, एडिकॉर्प एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, गौतम शांतिलाल अडानी और राजेश शांतिलाल अदाणी पर लागू होता है। मामले पर विचार करने के बाद, सेबी ने कहा कि उसने बिना किसी निर्देश के नोटिस प्राप्तकर्ताओं के खिलाफ तत्काल कार्यवाही को समाप्त करने का निर्णय लिया है। अमेरिका स्थित वित्तीय अनुसंधान फर्म और शॉर्टसेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि एडिकॉर्प एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड का उपयोग विभिन्न अदाणी समूह कंपनियों से सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध अदाणी पावर को वित्तपोषित करने के लिए धन भेजने के साधन के रूप में किया गया था।

देश में अबतक 8 प्रतिशत ज्यादा बारिश...उत्तराखंड और हिमाचल में कुदरत का कहर जारी

चमोली में बादल फटा, 14 लोग लापता

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखंड में दो दिन में दूसरी बार बादल फटा है। 17 सितंबर की रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटा। यहां कुंटरी लंगाफली वार्ड में छह घर मलबे में दब गए। 14 लोग लापता हैं और 20 लोग घायल हैं। अब तक 2 लोग रेस्क्यू किए गए। इससे पहले 16 सितंबर को देहरादून में बादल फटा था। देहरादून से मसूरी का 35 किलोमीटर का रास्ता कई जगह क्षतिग्रस्त है। इसके कारण मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स लगातार तीसरे दिन फंसे हुए हैं। हिमाचल में इस सीजन बारिश, बाढ़, लैंडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ से अब तक 419 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने दोनों ही राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को अगले 48 घंटे हाई अलर्ट पर रखा है।

देश में इस साल 24 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल पहुंचा था। देश में अब तक सामान्य से 8 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। 3 राज्यों राजस्थान (पश्चिम), पंजाब और हरियाणा से मानसून की विदाई शुरू भी हो चुकी है, लेकिन इसके जाते-जाते भी देश के 7 राज्यों में तेज बारिश की संभवना है। मौसम विभाग और ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम के मुताबिक, सितंबर के आखिरी कुछ दिन और अक्टूबर की शुरुआत तक एक बड़े कम दबाव के क्षेत्र के साथ जबरदस्त बारिश के आसार हैं। 25-26 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में बड़ा मानसूनी सिस्टम लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इससे पूर्वी-पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छग, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2-3 दिन तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में 3 इंच तक पानी गिर सकता है।

दो महिलाओं और एक बच्चे को मलबे से निकाला

दो महिलाओं और एक बच्चे को पुलिस व डीडीआरएफ की टीमों ने मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। इन घायलों को नंदानगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। करीब 200 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश.....सीबीआई वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों की प्रामाणिकता की जांच करेगा

नई दिल्ली। बिहार के मगध यूनिवर्सिटी द्वारा एक वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों के जाली होने का दावा करने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को उसकी डिग्री की प्रामाणिकता की जांच करने का आदेश दिया है। यह निर्णय तब लिया गया, जब बिहार की मगध यूनिवर्सिटी ने वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों को जाली घोषित किया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्ज्वल भुईयां की पीठ बार काउंसिल ऑफ इंडिया की एक अनुशासनात्मक समिति के फैसले के खिलाफ दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। मगध यूनिवर्सिटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वकील की मार्कशीट और बीकॉम की डिग्री जाली है और मगध यूनिवर्सिटी ने जारी नहीं किया था। वहीं वकील ने मगध यूनिवर्सिटी से 1991 में बीकॉम की डिग्री प्राप्त करने का दावा कर उसकी फोटोकॉपी प्रस्तुत की। वकील ने कहा कि यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड नष्ट हो गए हैं, जिससे डिग्री की प्रामाणिकता की पुष्टि करना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखकर सीबीआई को जांच करने का निर्देश दिया। सीबीआई को पता लगाना है कि वकील द्वारा प्रस्तुत की गई बीकॉम की डिग्री असली है या नकली। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को अधिकारी नियुक्त करने और 3 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

पूरे देश में होगा एसआईआर, एक जुलाई 1987 से पहले जन्म हुआ तो नहीं देना होगा कोई दस्तावेज

नई दिल्ली। पूरे देश में होने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद 50 करोड़ से ज्यादा वोटर्स को किसी भी अतिरिक्त दस्तावेज की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका कारण है कि उनके नाम पहले से ही मतदाता सूची में दर्ज हैं। एक जुलाई 1987 से पहले जन्म होने की अंडरटेकिंग देने वाले मतदाताओं को कोई अन्य दस्तावेज लगाने की जरूरत नहीं होगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक भारत के आधे से ज्यादा वोटर्स इस नए प्रोसेस के दायरे में आएंगे। इन मतदाताओं को कोई भी दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि उनका नाम उनके राज्य में आयोजित पिछली एसआईआर की मतदाता सूची में शामिल होगा। ज्यादातर राज्यों में मतदाता सूची का आखिरी एसआईआर 2002 से 2008 के बीच हुआ था, जिसे इस प्रक्रिया के लिए कट-ऑफ माना जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग जल्द ही अखिल भारतीय एसआईआर को लागू करने की तारीख तय करेगा।

सुप्रीम कोर्ट का यूपी-बिहार समेत 17 राज्यों को आदेश

सिख शादियों का रजिस्ट्रेशन आनंद मैरिज एक्ट के तहत हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 17 राज्यों और 7 केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे 1909 के आनंद मैरिज एक्ट के तहत सिख शादियों (आनंद कारज) की रजिस्ट्रेशन व्यवस्था 4 महीने में लागू करें। कोर्ट ने कहा कि नियम न बनने से सिख नागरिकों के साथ असमान व्यवहार हो रहा है और यह संविधान के समानता के अधिकार का उल्लंघन है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा,

जब तक राज्य अपने नियम नहीं बनाते, तब तक सभी जगह आनंद कारज शादियों को मौजूदा विवाह कानूनों (जैसे स्पेशल मैरिज एक्ट) के तहत रजिस्टर्ड किया जाए। अगर दंपती चाहें तो विवाह प्रमाणपत्र में साफ लिखा जाए कि शादी आनंद कारज रीति से हुई है। यह आदेश उन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों पर लागू होगा जिन्होंने अब तक नियम नहीं बनाए हैं, जिनमें उत्तराखंड, कर्नाटक, तमिलनाडु, झारखंड, यूपी, असम, बंगाल, गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल, गोवा, मणिपुर और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, दमन-दीव, पुडुचेरी और अंडमान-निकोबार शामिल हैं।

शादी प्रमाणपत्र पाने में दिक्कत होती है

याचिका अमनजोत सिंह चड्ढा ने दायर की थी। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में नियम न होने के कारण सिख जोड़ों को शादी का प्रमाणपत्र पाने में बड़ी दिक्कत होती है, जबकि कुछ राज्यों में यह सुविधा मौजूद है। कोर्ट ने कहा कि कानून में आनंद कारज को मान्यता दी गई है, लेकिन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था न होना केवल आधा वादा निभाना है। संविधान की भावना यही है कि हर नागरिक के अधिकार समान रूप से सुरक्षित हों।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रोहतास में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा

राहुल ने घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली

बेगूसराय। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को रोहतास में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। संबोधन की शुरुआत में उन्होंने कार्यकर्ताओं को मालिक कहा। शाह ने कहा, सिर्फ बीजेपी ही ऐसी पार्टी है जहां बूथ अध्यक्ष पार्टी अध्यक्ष बन सकता है। मैं भी कभी बूथ अध्यक्ष ही था। शाह ने कार्यकर्ताओं से पूछा, लालू जी, राबड़ी जी बिहार को समृद्ध कर सकते हैं क्या। उन्होंने कहा, ये लोग सिर्फ अपना और अपने परिवार का सोचते हैं। उन्होंने कहा, हमें आज यहां से तय कर के जाना है कि इस क्षेत्र की 80 फीसदी सीटें हमारे पास हो। ये संकल्प लेकर हमें जाना है।

शाह ने कहा, अभी राहुल बाबा यात्रा कर के गए। क्या आपको इसका विषय पता है। इस यात्रा का विषय शिक्षा, बिजली, सडक़, रोजगार नहीं था। यात्रा का विषय था जो बांग्लादेश से घुसपैठिए आए हैं। शाह ने पूछा- आप बताइए किसी का वोट कटा है क्या। राहुल ने घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली थी। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा, ये चुनाव सरकार बनाने का नहीं है। ये चुनाव 3 तिहाई से ज्यादा बहुमत से सरकार बनाने का चुनाव है। आप संकल्प लेकर जाइए, मोदी की नेतृत्व में बिहार में सरकार बनानी है। थोड़ी देर में गृहमंत्री बेगूसराय पहुंचेंगे। वहां भी वे कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

राहुल की यात्रा घुसपैठिया बचाव यात्रा थी

अमित शाह ने कहा कि, राहुल गांधी बिहार में घुसपैठियों को बचाने आए थे। उनकी यात्रा का बिहार के विकास से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा- बांग्लादेश से आए लोगों को वोट देने का अधिकार और राशन नहीं मिलना चाहिए। लालू एंड कंपनी इन्हें बचाने में लगी है। ऐसे लोग इन लोगों के वोट बैंक हैं। शाह ने कहा- लालू जी पूछते हैं मोदी जी ने बिहार के लिए क्या किया। जब वो रेल मंत्री थे तो बिहार को केंद्र से कितनी मदद मिलती थी। आज मोदी जी ने बजट में बिहार के लिए अपना खजाना खोल रखा है।

फिर से सरकार बनानी है

अमित शाह ने कहा- मैं सभी कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं। हमें इस बार बिहार में 2 तिहाई से ज्यादा बहुमत से सरकार बनानी है। आज से ही इस मिशन में जुट जाइए। उन्होंने कहा- हमने तो अपने काम गिनवा दिए अब मैं इन लोगों के भी काम गिनवा देता हूं। चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब. रेलवे टेंडर घोटाला। ये जेल भी जाते हैं तो हाथी से बाहर आते हैं।

लाल आतंक...नक्सलियों ने फिर दिखाई अपनी मौजूदगी

परसवाड़ा के ग्राम चीनी से कूकड़ा मार्ग पर कथित नक्सलियों ने बांधे बैनर पोस्टर, आदिवासी युवाओ की विशेष भर्ती का किया विरोध, आई जी संजय कुमार ने की पुष्टि, मामले की जांच में जुटी पुलिस

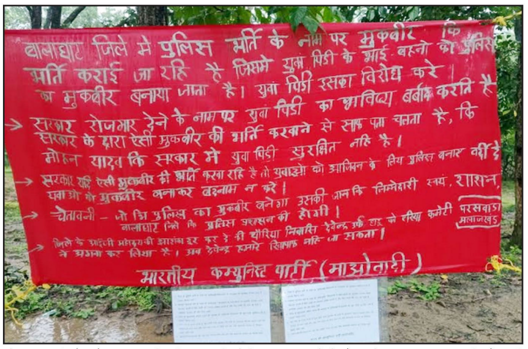

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हाल ही में बालाघाट जिले को सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले की सूची से बाहर किया गया है।लेकिन जिले में नक्सलियों की काली करतूत अब भी जारी है।नक्सली उन्मूलन अभियान के तहत एक ओर पुलिस प्रशासन द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सर्चिंग अभियान चलाकर नक्सलियों को मार गिराया जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सली अपनी पैठ जमाए हुए हैं।जो आए दिन अपनी आमद दर्ज कराकर भय के माहौल को कायम रखने में जी-जान से जुटे हुए हैं।जिसकी एक झलक दो दिन पूर्व ही लांजी थाना के ग्राम चोरियों के जंगल में देखने को मिली थी।जहां मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने बैनर पोस्टर छोड़कर एक युवक देवेंद्र उर्फ धदु यादव का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी है। तो वही इसके दूसरे दिन परसवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चीनी से कूकड़ा मार्ग पर कथित नक्सलियों ने बैनर पोस्टर बांधकर आदिवासी युवाओ की विशेष पुलिस भर्ती का विरोध किया है।जहा कथित नक्सलियों ने जगह जगह बैनर पोस्टर बाधकर जगह जगह पर्चे चिपकाए है।ऐसा कृत्य कर एक बार फिर नक्सलियों ने अपनी आमद दर्ज कराकर,दहशत का माहौल निर्मित कर दिया है।उधर इस पूरे मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने बैनर पोस्टर जप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आदिवासी युवाओ की विशेष पुलिस भर्ती का किया विरोध

कथित नक्सलियों द्वारा बांधे गए इन बैनर पोस्टर में विभिन्न बातों का उल्लेख कर विरोध किए जाने की बात कही गई है। जिसमें जिले में पुलिस भर्ती के नाम पर आदिवासी- पिछडावर्ग के नवयुवक को मुखबीर बनाया जाता है।इसका विरोध करो, सरकार रोजगार देने के नाम पर आदिवासी- पिछड़ावर्ग के भाई-बहनों को मुखबीर बनाकर पहले बदनाम करती है फिर उन्ही को नक्सल घोषित करती हैं और फिर उन्ही की जान भी लेती हैं,इसीलिए सरकार की घोर निंदा करो,प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार में आदिवासी-पिछ?ावर्ग की युवां पीड़ी सुरक्षित नहीं हैं इसका विरोध करो, गांव-गांव से कस्बे कस्बे से युवा पीडी ऐसी मुखबीर की भर्ती से आजीवन रोजगार प्रदान करने कि सरकार से मांग करो और जब तक न्याय ना मिले तब तक ऐसी भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखो,आदिवासी-पिछडावर्ग का जब तक शोषण होगा तब तक ऐसी भ्रष्टाचारी सरकार का विरोध करो! इन बातों का उल्लेख कर अंत में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) लिखा हुआ है।

ग्रामीणों मे अपना भय और दहशत बरकरार रखने के लिए लगाए गए बैनर पोस्टर

आपको बताए कि जंगल क्षेत्र में कथित नक्सलियों ने बैनर पोस्टर लगाकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। हालांकि अब नक्सली गतिविधियों में काफी हद तक अंकुश लग चुका है, इसके अलावा पुलिस और होकफोर्स कि ताबड़तोड़ कार्यवाही ने नक्सलियों की कमर तोड़ कर रख दी है। बावजूद इसके नक्सली ग्रामीणों मे अपना भय और दहशत बरकरार रखने की मंशा से जंगलों में बैनर लगाकर अपनी मौजूदगी का एहसास कराने का प्रयास कर रहे हैं।जिसका एक नजारा परसवाड़ा क्षेत्र के ग्राम चीनी से कूकड़ा मार्ग पर देखने को मिला है जहां कथित नक्सलियों ने बैनर पोस्टर बांधकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।पुलिस ने इस मामले में बैनर पोस्टर जप्त कर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जिसकी आईजी संजय कुमार द्वारा पुष्टि की गई है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

कथित नक्सलियों के द्वारा जंगल में लगाये गए बैनर पोस्टर वाला मामला पूरे जिले में अब चर्चा का विषय बन चुका है कि जिस तरह से पुलिस और होकफोर्स के जवानों की संयुक्त कार्यवाही में भारी संख्या में नक्सलियों की मौत हुई है, उसके बाद हताश और परेशान नक्सलियों ने इस तरह अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के उद्देश्य को लेकर प्रयास किया है। उधर पुलिस द्वारा सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है।वही मामले की जांच जारी है।

वर्षों बाद परसवाड़ा क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी

आपको बताए कि परसवाड़ा के ग्राम चीनी से कूकड़ा मार्ग पर कथित नक्सलियों द्वारा बैनर पोस्टर, बांधे गए है। लाल बैनर में पुलिस की विशेष दस्ता भर्ती का विरोध जताया गया है। बैनर में विशेष दस्ता भर्ती के तहत युवाओं को मुखबिर बनाने का विरोध किया गया है।ज्ञात हो कि परसवाड़ा क्षेत्र में लंबे समय से ऐसी कोई घटना देखने को नही मिल रही थी।लेकिन लम्बे समय बाद परसवाड़ा क्षेत्र में नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।वही लंबे समय से शांत बैठे नक्सली अब लगातार जिले मे नक्सली घटना को अंजाम दे रहे है।

मामले की जांच जारी है- संजय कुमार

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान आईजी संजय कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर संबंधित थाना स्टाफ को भेज कर बैनर पोस्टर जप्त कर लिए गए हैं। वहीं मामले की जांच जारी है। पता लगाया जा रहा है कि यह बैनर पोस्टर किसने लगाए हैं, नक्सलियों ने बैनर लगाए हैं या नहीं इसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

रेलवे दोहरी लाईन निर्माण हेतु जन प्रतिनिधियों को एक जुटता दिखाना जरूरी - कुकासे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।मध्यप्रदेश राज्य का पुराना एवं बड़ा विकसित जिला बालाघाट से दोहरी रेल्वे लाईन निर्माण कार्य होना आवश्यक है जिससे नई दिल्ली से बिलासपुर जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस जो वर्तमान समय पर वाया नागपुर चल रही है, इस ट्रेन को नई दिल्ली से भोपाल जबलपुर, नैनपुर, बालाघाट गोंदिया राजनान्दगांव बिलासपुर रास्ते से परिचालन होने पर यात्रियों को छत्तीगढ राज्य जाने में अत्यधिक सुविधा के साथ-साथ समय की बचत भी होगी। वहीं रेल्वे का 120 से 140 कि.मी. की दूरी सहित 2 से 3 घंटा यात्रियों का बचेगा साथ ही रेलवे को लंगने वाला इंधन की बचत भी होगी जिसके लिये जनप्रतिनिधियों को एक जुटता दिखाते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित रेल मंत्री श्री वैष्णव से आग्रह करना होगा, जिससे आगामी समय में रेल बजट में प्रावधान किया जा सके।जिला बालाघाट को और अधिक विकसित करने के लिये पार्टीहित से हटकर एक जुटता दिखाना होगा।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार मनोज, मनीष, शैलेष, रमा, चित्ररेखा, देवराम्रा, पुष्पलता, सोनम सभी पिता सुकदास व सुलोचना पति सुकदास उके सभी निवासी जाति महार निवासी ग्राम कोसमी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. की ओर से आप प्राप्तकर्ता मंगल मेश्राम पिता चतरू, जाति महार निवासी ग्राम कामठी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट एवं आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे वर्णित पक्षकार के पिता के स्वामित्व एवं मेरे पक्षकारगण के अधिपत्य की भूमि ग्राम कोसमी तह: लालबर्रा जिला बालाघाट में खसरा क्रमांक क्रमश: पुराना खसरा नंबर १६३/१ क, १३६/१, १६३/३ ड़, १६३/१ ड़, नया खसरा नंबर १६३/१/१ ,१६३/१/३,१६३/१/५, १६३/३/१, रकबा क्रमश: १.८४२,०.१७८, ०.०२० ,०.७८५ कुल रकबा २.८२५ हे. कृषि भूमि स्थित है । तथा इस भूमि के संबंध में एक व्यवहार वाद मेरे पक्षकारगण एवं विरूद्ध मंगल व अन्य २ न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिसका व्यवहार वाद क्रमांक आरसीएसए/२१५/२०२५ जिसकी सुनवाई तिथि दिनांक २४/१०/२०२५ है, इस तरह यह वर्णित भूमि न्यायलय में विवादित है। यह कि वर्णित भूमि के संबंध में दिनांक १०/०९/२०२५ को नायब तहसीलदार लालबर्रा के द्वारा एक आदेश पारित करते हुए आप प्राप्तकर्ता मंगल जोडे जाने का और भूमि के १/२ विभाजन का आदेश पारित किया है।इस आदेश के विरूद्ध एक अपील पेश की जा रही है इस कारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि इस वर्णित भूमि के संबंध में कोई विक्रय पत्र या हस्तांतरण प्रलेख निष्पादित ना करे एवं आप मंगल को भी सूचित किया जाता है कि वर्णित भूमि के संबंध में कोई हस्तांतरण प्रलेख निष्पादित ना करें अन्यथा यह हस्तांतरण प्रलेख मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा और यदि कोई प्रलेख निष्पादित किया जाता है तो वह पूर्णत: विधि के विपरित होकर अवैध व शून्य होगा।

प्रेषक

मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0017/ड-154/2025-26

मौजा डोकरबंदी, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधेश्याम शुक्ला पिता स्व. भरतलाल शुक्ला जाति ब्राम्हण, निवासी ग्राम डोकरबंदी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा डोकरबंदी, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता भरतलाल पिता सीताराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12(2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 13.03.1993 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम डोकरबंदी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 25.09.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा

दिनांक - 19.09.2025

आकाश अग्रवाल

तहसीलदार

तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

महाराजा शंकरशाह कुंवर रघुनाथ शाह का मनाया गया बलिदान दिवस

आदिवासी समाज ने विभिन्न कार्यक्रम किये आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के पटेल टोला स्थित आदिवासी सामुदायिक भवन में १८ सितंबर को आदिवासी समाज के द्वारा गोंडवाना साम्राज्य के महान योद्धा राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम विभिन्न गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ किए गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा महाराजा

शंकरशाह ,कुंवर रघुनाथ शाह ,महात्मा ज्योतिबा फुले ,डॉ बीआर आंबेडकर ,वीरांगना रानी दुर्गावती सहित अन्य महापुरुषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान प्रात: सतरंगी झंडा का पूजन कर ध्वजारोहण करने के उपरांत झंडा वंदन कर भूमका संघ के द्वारा आदिवासी रीति रिवाज के साथ बड़ा देव की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात भव्य शोभायात्रा डीजे में बज रहे सामाजिक गीतों के साथ नगर में रैली निकाली गई। जो नगर के रामपायली रोड़ होते हुए दीनदयाल चौक ,बस स्टैंड ,जय स्तंभ चौक ,नेहरू चौक ,आंबेडकर चौक सहित विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पहुंची। जहां शोभायात्रा का समापन किया गया । इसमें जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही तो वहीं जगह.जगह युवाओं के द्वारा सामाजिक गीतों पर नृत्य भी किया गया। इस शोभायात्रा के दौरान एसडीएम कार्यालय के सामने शोभायात्रा रोककर आदिवासी संयुक्त समाज संगठन एवं अखिल गोंडवाना कोया पूनेम भूमका सेवा संस्थान के द्वारा महामहिम राज्यपाल मध्य प्रदेश शासन के नाम का ज्ञापन एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल को सौंपा गया। जिसके मध्यम से मांग की गयी की आदिवासी लड़की या महिला द्वारा गैर आदिवासी की पत्नि बनी है। उनका जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर शून्य किया जाने, आदिवासियों द्वारा पूर्व से शासन तथा फारेस्ट की भूमि पर काबिज है उन्हें पट्टा दिया जायें, आदिवासी बी पी एल छात्र छात्राओं की कक्षा नर्सरी से महाविघालय तक की शिक्षा को नि: शुल्क किया जायें, भूमका संघ के समस्त भूमका को मानदेय राशि घोषित किया जायें, शहर में बलिदानी रानी दुर्गावती चौक हेतु भूमि का आवंटन कर निर्धारण किया जायें, आदिवासियों की जमीन गैर आदिवासियों को बिक्री कर दी जाती है जिस पर रोक लगाई जायें, आदिवासियों पर हो रहे शोषण अत्याचार उत्पीड़न को रोका जायें। तत्पश्चात आदिवासी सामुदायिक भवन में सामाजिक कार्यक्रम के तहत विधायक विवेक विक्की पटेल का समाज के पदाधिकारियों के द्वारा शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। वहीं तीन लाख रूपये की लागत से बनने वाले अतिरिक्त कक्ष का विधायक विवेक पटेल के हस्ते भूमिपूजन किया गया। जिसके बाद कक्षा १० वी और १२ वी में उत्कृष्ट अंक लाने वाले समाज के प्रतिभावान छात्र.छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व सील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज को शिक्षा की ओर प्रेरित करने युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने अपनी संस्कृति की पहचान बनाए रखने समाज को आगे बढ़ाने अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहने की बात कहते हुए समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का संदेश दिया गया। इस दौरान मानसिंह परते ,गणेश कुंभरे ,अनुपसिंह उइके ,डुलीचंद मडावी ,झाड़ूलाल वरकडे ,गुड्डु सोनी, राजा अली ,राजकुमार चौधरी, दौलत परते ,शिवपाल मडावी ,यशवंत पुसाम, फत्तूलाल उइके ,कैलाश पंन्द्रे ,जगदीश उइके ,एमपी टेकाम ,मदन इनवाती, राधिका मर्सकोले ,कमला भलावी ,राजश्री मडावी सहित समाज के पदाधिकारी सदस्य सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भव्य शोभायात्रा निकालकर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का किया गया विसर्जन

2 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन, डीजे की धुन पर झूमते गाते नजर आए बालाघाट कारपेंटर एसोसिएशन के पदाधिकारी

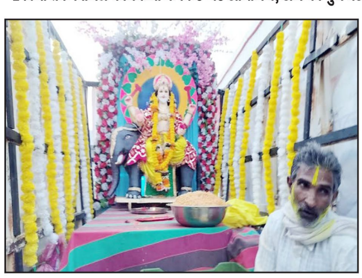

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।हर साल की तरह साल भी सृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर नगर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इसी कड़ी में बालाघाट कारपेंटर एसोसिएशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जिसमे पहले दिन भगवान विश्वकर्मा का पूजन दिवस 17 सितंबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसके तहत प्रतिमा स्थापना से लेकर विभिन्न आयोजन सुबह से लेकर देर रात तक किए गए। जहां प्रतिमा की स्थापना कर गोंदिया रोड स्थित गुजराती मारवाड़ी भवन के समीप से बाइक रैली निकाली गई। यह रैली विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए सीधे आवलाझरी स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर पहुंची। जहां रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया गया। तो वहीं गुरुवार 18 सितंबर को प्रतिमा स्थापना स्थल पर हवन पूजन महाप्रसादी का वितरण कर प्रतिमा विसर्जन किया गया। जहां प्रतिमा विसर्जन को लेकर कारपेंटर एसोसिएशन द्वारा नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें शामिल संगठन के पदाधिकारी सदस्य व उनके परिजन डीजे की धुन पर झूमते गाते नाचते हुए नजर आए। तो वहीं उन्होंने गुलाल उड़ाकर जमकर जश्न मनाया। विभिन्न मार्गों का भ्रमण कर यह शोभायात्रा सीधे वैनगंगा नदी घाट पहुंची। जहां पर भगवान विश्वकर्मा जी की विशेष पूजा अर्चना कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान बालाघाट कारपेंटर एसोसिएशन अध्यक्ष महेश मेश्राम, उपाध्यक्ष रामचरण लिल्हारे, सचिव प्रमोद शर्मा, कोषाध्यक्ष नारायण विश्वकर्मा, सह कोषाध्यक्ष खगेश्वर शर्मा, सहसचिव तिलक मेश्राम,मीडिया प्रभारी संजीव विश्वकर्मा, रोशन विश्वकर्मा और डोमन महतो सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा वारासिवनी

समितियों की वार्षिक आमसभा की सूचना

दिनांक 18 सितम्बर 2025

आपको सूचित किया जाता हैं कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा वारासिवनी के अंतर्गत आने वाली निम्नांकित बहुउद्देशीय प्रा.कृषि साख सहकारी समितियों की वार्षिक आमसभा निम्नानुसार समितियों के कार्यालय भवन में आयोजित की गई हैं। निर्धारित समय पर गणपूर्ति के अभाव में बैठक स्थगित की जाकर उसी दिनांक एवं उसी जगह पर आधा घंटा पश्चात पुन: प्रारंभ की जावेगी। जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नहीं होगी अत: आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय हैं।

विषय सूची

1. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष के लिए तैयार किया गया हो, अनुमोदन करने के लिए। 2.संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया हैं। 3.संपरीक्षा रिपोर्ट, यदि प्राप्त हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने के लिए। 4.शुद्ध लाभ के व्ययन के लिए। 5.किसी अन्य विषय पर जो कि उपविधियों के अनुसार लाया जाये, विचार करने के लिए। 6.आगामी सहकारी वर्ष के लिए बजट प्रस्तुत करने के लिए। 7.वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए घाटे के कारणों का परीक्षण करना। 8.लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करना।

क्र.	समिति का नाम	संस्था प्रबंधक	प्रशासक	दिनांक	समय
1	बहु. प्रा. कृषि सहकारी साख समिति मर्या.वारासिवनी	दिनेश परिहार	एस के बोम्बर्डे	30.09.2025	दोपहर 1 बजे
2	बहु. प्रा. कृषि सहकारी साख समिति मर्या.कायदी	के एस उइके	एस के बोम्बर्डे	27.09.2025	दोपहर 1 बजे
3	बहु. प्रा. कृषि सहकारी साख समिति मर्या.सावंगी	बी सी पंचेश्वर	एस के बोम्बर्डे	24.09.2025	दोपहर 1 बजे
4	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. झालीवाड़ा	एस एन पटले	एस के बोम्बर्डे	25.09.2025	दोपहर 1 बजे
5	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. रमरमा	एम एल ऐड़े	एस के बोम्बर्डे	22.09.2025	दोपहर 1 बजे
6	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. थानेगॉव	एस एन पटले	एस के बोम्बर्डे	23.09.2025	दोपहर 1 बजे
7	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. जागपुर	एस के बिसेन	एस के बोम्बर्डे	26.09.2025	दोपहर 1 बजे
8	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. कोस्ते	एस एन पटले	एस के बोम्बर्डे	29.09.2025	दोपहर 1 बजे
9	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. बुदबुदा	एम एल ऐड़े	एस के बोम्बर्डे	20.09.2025	दोपहर 1 बजे
10	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. कोचेवाही	एम एल ऐड़े	एस के बोम्बर्डे	19.09.2025	दोपहर 1 बजे

एवं समस्त कर्मचारीगण बहु.प्रा.साख सह.समितियॉ

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं रामूसाव पटले पिता स्व. मोहरलाल पटले जाति तेली वार्ड नंबर 08 ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरी माता स्व. पौराबाई पटले पति स्व. मोहरलाल पटले की मृत्यु दिनांक 12.11.2024 को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पुत्र रामूसाव, मुकेश, सुरेंद्र, सुनील एवं पुत्री मीनाबाई गायधने वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक

रामूसाव पटले

निवासी - वार्ड नंबर 08 ग्राम पंचायत पांढरवानी

तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

गोलीकांड मामले में पीयूष पाठक और चांदनी त्रिवेदी पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध

रेलवे स्टेशन में खड़ी स्कूटी में मिला देसी कट्टा ,कोतवाली थाना प्रभारी ने कहा बयानों में आ रहा विरोधाभास होगी विवेचना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीते दिनों काली पुतली चौक के बाजू में निवासरत त्रिवेदी परिवार में चली गोली के मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा पीयूष पाठक और चांदनी त्रिवेदी पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने बताया कि पुलिस लगातार गोली चलने के मामले पर विवेचना कर रही है, जिसमें 18 सितंबर को पीयूष पाठक को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है ,तो वही चांदनी त्रिवेदी को भी आर्म्स एक्ट में आरोपी बनाया गया है , साथ ही गोली चलने के मामले की चल रही जांच में बयानों में विरोधाभास आ रहा हैं , जिस पर पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही इस मामले में धाराएं बढ़ायी जाएगीं ।

आपको बता दे कि महिला उद्योगपति चांदनी पति स्व. अनीश त्रिवेदी के कंधे में लगी गोली में उपयोग की गई देशी गन को कोतवाली पुलिस ने बरामद कर लिया है। देशी गन को लेकर घायल चांदनी का मुंहबोला भाई पियूष पाठक लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा। जिसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने बालाघाट रेलवे स्टेशन में खड़ी स्कूटी से गन को बरामद किया है। गन को आरोपी ने घटना के बाद स्कूटी की डिक्की में छिपा दिया था। अब पुलिस, बरामद की गई गन और घटना के दौरान मिले गोली के खोके को मिलान कर रही है कि गोली, इसी, देशी गन से चली थी या और कोई गन है। इस मामले में पुलिस ने महिला उद्योगपति चांदनी त्रिवेदी और उनके मुंहबोले भाई पियूष पाठक के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओ के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। जिसमें आरोपित पियूष पाठक को गिरफ्तार कर, पुलिस ने गुरूवार को न्यायालय में पेश किया। कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और विवेचना में महिला और आरोपी के बयानो में आ रहे विरोधाभाष बयानो की भी विवेचना की जाएगी। उन्होंने बताया कि चूंकि महिला अभी अस्वस्थ्य है, जिनके स्वस्थ्य होने पर विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी। विगत 15 सितंबर की देररात, शहर के एक प्रतिष्ठित परिवार से जुड़ी महिला सदस्य चांदनी त्रिवेदी के सोल्डर में गोली लगी थी। घटना की जानकारी के बाद

सीएसपी वैशाली कराहलिया, थाना प्रभारी विजय राजपूत और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटनास्थल से पुलिस ने गोली का खाली खोका, रक्त से सने कपड़े, डीवीआर और अन्य साक्ष्य एकत्रित जब्त किए थे। डीवीआर में रिकॉर्ड सीसीटीव्ही फुटेज में साफ नजर आ रहा था कि पियूष पाठक देशी गन को लेकर घर के अंदर जा रहा है। जबकि इस मामले में पुलिस ने महिला के बयान के हवाले से बताया था कि पति की लायसेंसी गन को चेक करते समय फायर हो गया और उसे उन्हें गोली लगी है। डीवीआर में मिले डिजीटल साक्ष्य और महिला के बयानो में आ रहे विरोध के बाद जब पुलिस ने इसकी गहन जांच की तो पता चला कि स्व. अनीश त्रिवेदी की लायसेंसी गन तो थाने के मालखाने में जमा है। जिसके बाद पुलिस ने पियूष को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि मुंहबोली बहन चांदनी ने उसे ही देशी गन दी थी। जिसका लायसेंस नहीं था। जिसके बाद पुलिस ने दोनो के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला कायम कर विवेचना में लिया है।

चांदनी को भी बनाया गया आरोपी

कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा चर्चा में बताया गया कि देसी गन चांदनी के द्वारा ही पीयूष पाठक को दी गई थी और बाद में पीयूष पाठक द्वारा गन लाकर चांदनी को दी गई, जिसमें यह साबित हुआ कि देसी गन का लाइसेंस नहीं था और इस देसी गन को चांदनी और पीयूष दोनों के द्वारा अपने पास रखा गया, जिसको देखते हुए पुलिस ने दोनों मुंह बोले भाई पीयूष पाठक और चांदनी त्रिवेदी पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी बनाया है।

बढ़ाई जा सकती है धाराएं

कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने यह भी बताया कि गन को लेकर की जा रही पूछताछ में चांदनी और पीयूष के बयानों में विरोधाभाष आ रहा है । जबकि पहले चांदनी द्वारा बताया गया था कि यह गन उनके पति की लाइसेंसी गन है ,किंतु जांच की गई तो पता चला कि चांदनी के पति स्व. अनीश की लाइसेंसी गन थाने में जमा है और इस प्रकार से आ रहे बयानों में विरोधाभास को देखते हुए पुलिस फिर इस मामले में और जांच पड़ताल करेगी और कुछ और घटनाक्रम सामने आता है तो दोनों पर पुन: धाराएं बढ़ायी जाएगी।

परिजनों ने नहीं दिया है अभी तक कोई बयान

चर्चा के दौरान कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने यह भी बताया कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद चांदनी के परिजनों ने किसी प्रकार से कोतवाली थाने में शिकायत नहीं की है, जबकि उनके द्वारा जांच के दौरान यह पाया गया कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य आलग जा रहे हैं और चांदनी और पीयूष के द्वारा दिए जा रहे बयान में विरोधाभाष आ रहा है इसको लेकर पुलिस अभी भी जांच कर रही है, लेकिन परिजनों द्वारा अभी तक इस मामले में कोई शिकायत नहीं की गई है ।

जमीन का उचित मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर परसवाड़ा क्षेत्र के किसानों ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विधानसभा के लगभग आधा सैकड़ा किसानों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन दिया है ।जिसमें किसानों ने बताया कि उनके ग्राम में लगभग 72 एकड़ की भूमि पर बांध बनाया जा रहा है, जिसमें लगभग 26 किसानों की भूमि पर बांध का निर्माण किया जा रहा है और किसान हुए किसान, विरोध में खड़े हो गए है। किसान, मांग कर रहे है कि उन्हें 10 लाख रूपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए या फिर जमीन के बदले जमीन दी जाए। पर्याप्त मुआवजा नहीं मिलने से नाराज, क्षेत्रीय किसान, जमीन के कागज और परिवार की महिलाओं और बच्चों के साथ गुरूवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। किसान मेहतापसिंह पंद्रे का कहना है कि जब बांध के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा था। उस दौरान हमें बताया गया था कि 6 लाख रूपए प्रति एकड़ मुआवजा मिलेगा। अब शासकीय दर से 3 से साढ़े तीन हजार रूपए मुआवजा देने की बात कही जा रही है। जो हमें मंजूर नहीं है। हम चाहते है कि हमें जमीन के बदले जमीन या फिर प्रति एकड़ 10 लाख रूपए मुआवजा प्रदान किया जाए। किसानो की समस्या को लेकर साथ पहुंचे आदिवासी विकास परिषद के युवा अध्यक्ष शुभम उईके ने बताया कि जो शासकीय दर से मुआवजा प्रदान किया जा रहा है, वह काफी कम है, सबसे ज्यादा समस्या, छोटे किसानो की है, जिन्हें दिए जा रहे शासकीय मुआवजे में अन्यत्र जमीन लेने में काफी मुश्किल होगी। प्रशासन, या तो किसानों को जमीन के बदले जमीन दी जाए या फिर उन्हें पर्याप्त मुआवजा प्रदान किया जाए।

की भूमि को अधिग्रहित कर उन्हें शासन से मुआवजा दिया जाना है, किंतु किसानों का आरोप है कि उन्हें पहले बताए गए मुआवजा के अनुसार राशि नहीं दी जा रही है और जमीन का कम मुआवजा दिया जा रहा है , वह चाहते हैं कि उन्हें नियम अनुसार मुआवजा दिया जाए या फिर जमीन के बदले कहीं अन्य स्थान पर उन्हें जमीन दी जाए ।आपको बता दे कि जमीन के बदले जमीन चाहिए, यह आवाज लगाते हुए जिले के परसवाड़ा क्षेत्र के किसानों ने आदिवासी विकास परिषद की अगुवाही में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। परसवाड़ा क्षेत्र के कटेगांव कछुरना में बनाए जा रहे बड़े बांध में यहां निवासरत दो दर्जन से ज्यादा किसानो की तकरीबन 72 एकड़ जमीन बांध निर्माण क्षेत्र में आ रही है। जिसके, मिलने वाले शासकीय मुआवजे को अपर्याप्त बताते

मुखबिर बताकर नक्सलियों ने की देवेन्द्र की निर्मम हत्या - दहशत फैलाने की साजिश

लांजी, बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर अपने क्रूर और कायरतापूर्ण चेहरे को उजागर किया है। 17 सितंबर 2025 को थाना लांजी में सूचना प्राप्त हुई कि मलाजखंड दलम के नक्सलियों ने पौसेरा गांव के निवासी देवेंद्र उर्फ दहू यादव पिता चवन यादव का उसके दहियान से अपहरण कर लिया। नक्सलियों ने देवेंद्र पर पुलिस मुखबिरी का शक जताते हुए एक पर्चा भी दहियान में छोड़ा था। इस घटना के बाद बालाघाट पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और चौरिया जंगल क्षेत्र में 34 पुलिस टीमों के लगभग 1000 जवानों द्वारा सघन सर्चिंग अभियान चलाया गया। 18 सितंबर 2025 को चौरिया जंगल से देवेंद्र का शव बरामद हुआ। वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करने के बाद मृतक का अंतिम संस्कार उसके गृहग्राम पौसेरा में किया गया। इस घटना ने न केवल स्थानीय समुदाय को झकझोर दिया है, बल्कि नक्सलियों के विकास विरोधी और क्रूर चरित्र को फिर से उजागर किया है।

कौन था देवेंद्र?

देवेंद्र उर्फ दहू यादव एक साधारण ग्रामीण नागरिक था, जो गांव में दूध और दही बेचने के साथ-साथ अपने दहियान में खेती का काम करता था। उसके माता-पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी, और वह अपनी तीन बहनों का इकलौता भाई था। देवेंद्र की दो बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि वह अपनी छोटी बहन के भरण-पोषण का एकमात्र सहारा था। वह मेहनती और शांत स्वभाव का व्यक्ति था, जिसका नक्सलियों से कोई सीधा संबंध नहीं था। इसके बावजूद, केवल शक के आधार पर नक्सलियों ने उसकी निर्मम हत्या कर दी।

नक्सलियों की कायरतापूर्ण हरकत

पुलिस के अनुसार, नक्सलियों ने बौखलाहट में यह कदम उठाया है, जिसका उद्देश्य ग्रामीणों में दहशत फैलाना और क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना था। देवेंद्र जैसे निहत्थे और निर्दोष नागरिक को निशाना बनाकर नक्सलियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे विकास और शांति के विरोधी हैं। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश और भय का माहौल पैदा कर दिया है।

पुलिस की कार्रवाई और प्रतिबद्धता

बालाघाट पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और नक्सलियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की प्रतिबद्धता जताई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान जारी है, और नक्सलियों के उन्मूलन के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन से उम्मीद

देवेंद्र की हत्या के बाद पौसेरा गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि नक्सली अपनी हताशा में निर्दोष लोगों को निशाना बना रहे हैं। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि नक्सलियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए।

नक्सलवाद- एक गंभीर चुनौती

यह घटना नक्सलवाद की उस पुरानी रणनीति को दर्शाती है, जिसमें वे निर्दोष ग्रामीणों को डराने-धमकाने और मुखबिरी का इल्जाम लगाकर उनकी हत्या कर देते हैं। बालाघाट जैसे क्षेत्र, जो नक्सल प्रभावित रहे हैं, वहां ऐसी घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। यह न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि क्षेत्र के विकास और शांति के लिए भी एक बड़ा खतरा है।

बालाघाट पुलिस ने नागरिकों की सुरक्षा और नक्सलियों के खिलाफ अभियान को और तेज करने का संकल्प लिया है। साथ ही, ग्रामीणों को नक्सलियों के दुष्प्रचार से बचने और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की गई है। देवेंद्र की हत्या ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि नक्सलवाद जैसी समस्या से निपटने के लिए केवल सशस्त्र कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, शिक्षा, और जागरूकता को बढ़ावा देना भी उतना ही आवश्यक है। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। देवेंद्र के परिवार, विशेष रूप से उसकी छोटी बहन, जिसके लिए वह एकमात्र सहारा था, अब अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहा है। समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि इस परिवार को न्याय और सहायता मिले, ताकि नक्सलियों के इस कायरतापूर्ण कृत्य का जवाब दिया जा सके।

ग्राम पंचायत पायली में हो रही अवैध शराब की खेती

ग्रामीण महिलाओं ने भीम आर्मी के बैनर तले कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन, अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की करी मांग, मांग पूरी ना होने पर भरवेली में उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश शासन के निर्देशन पर जिले में अवैध शराब निर्माण और उसकी बिक्री रोकने के लिए जिम्मेदारो द्वारा बड़ी संख्या में रोजाना ही कार्यवाही की जा रही है। बावजूद इसके भी पुलिस, अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है।शायद यही वजह है कि संपूर्ण जिले में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है।अवैध शराब की बिक्री का ताजा मामला भरवेली थाना क्षेत्र के अंर्तगत आने वाले ग्राम पायली से सामने आया है।जहां की करीब एक दर्जन महिलाओं ने भीम आर्मी एकता मिशन के बैनर तले ज्ञापन सौपकर गांव में शराबबंदी किए जाने की मांग की।गुरूवार को कलेक्ट्रेट में सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने गांव में महज 10- 20 घरों को छोड़कर, बाकी पूरे गांव के सभी घरों में अवैध शराब का निर्माण कर उसकी बिक्री करने की शिकायत की है।वही मांग पूरी ना होने पर भीम आर्मी एकता मिशन के बैनर तले भरवेली में महिलाओं द्वारा उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

करीब 20 घरों को छोड़कर बाकी पूरे गांव में बन रही अवैध शराब

ग्रामीण महिलाओ ने बताया कि गांव में कुछ लोग खुलेआम अवैध तरीके से शराब, धडल्ले से बनाकर बेच रहे है।जिससे गांव का माहौल ख़राब हो रहा है।आये दिन गावं में, लड़ाई झगड़ा, मारपीट गंदी-गंदी गाली गलौच होती रहती है।करीब 20 घरों को छोड़कर पूरे गांव में अवैध शराब घर घर बनाई जा रही है।गांव का माहौल गंदा हो रहा है। जिससे स्कूली बच्चे लडकियाँ एवं माताएं बहनों पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है। जिसकी सूचना ग्राम पंचायत को लिखित में दी जा चुकी है। उसके बाद भी शराब बंदी नही हुई। शिकायत थाने में भी दी गई है। ग्रामीणों के द्वारा नशा मुक्ति समिति बनाई गई।इसके बाद भी गांव में शराबबंदी नहीं हो पा रही है इसीलिए हम पुलिस सहयोग की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय आए हैं।

सुबह 4 बजे शराब पीने के लिए लगी रहती है लाइन

महिलाओ ने बताया में पूरे गांव में अवैध शराब बिक्री होने से बच्चों और युवाओं में नशे की लत बढ़ गई है।सुबहा 4 बजे से ही गांव के युवा और पुरूष शराब पीने के लिए लाइन लगा लेते है। गांव में कई जगह शराब बेची जा रही है। यहां तक की स्कूल और मंदिर के पास भी शराब बिक रही है।रोजाना शाम को शराबियों का जमघट गांव के चौक, चौराहो पर लग जाता हैं जिसके चलते गाँव मे लड़ाई झगडे होते रहते है और ग्राम की शांति व्यवस्था भंग होती है।शराब पीने के बाद पुरुष वर्ग द्वारा महिलाओ को प्रताडित भी किया जाता है। महिलाओ ने गांव का माहौल खराब होने की बात कहते हुए इस मामले में कोई कार्रवाई न होने पर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

औरते काम पर जाती है, पुरुष रात दिन शराब पीते है- सरिता

ग्रामीण महिला सरिता कुसरे ने बताया कि हमारे ग्राम पायली में घर-घर में अवैध रूप से शराब बनाई जा रही है। सुबह शाम उसकी बिक्री होती है। पति शराब पीकर घर आते हैं। हम महिलाएं रात दिन काम पर जाती है जबकि पति शराब पीकर उन्हें प्रताड़ित करते हैं। हमारे पति शराब के नशे में घर की जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे हैं, बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। सुबह 4 बजे से शराब पीने के लिए चले जाते हैं करीब 20 घरों को छोड़कर बाकी पूरे गांव में घर-घर शराब बनाकर उसकी बिक्री हो रही है। बाहर के लोग भी शराब पीने के लिए आते हैं और शराब बाहर बिक्री के लिए भी जाती है। हमारी मांग है की संपूर्ण गांव में शराबबंदी की जाए।

तो भरवेली में महिलाओं के साथ किया जाएगा उग्र आंदोलन- गेडाम

भीम आर्मी नगर अध्यक्ष अधिवक्ता संतोष गेढ़ाम ने बताया कि सरकार नशा मुक्ति के नाम पर छलावा कर रही है। क्योंकि भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम पायली में प्रत्येक घर में अवैध रूप से कच्ची शराब का निर्माण कर उसकी बिक्री की जा रही है। जिसकी शिकायत कई बार थाने में की जा चुकी है।सरपंच को भी अवगत कराया जा चुका है। लेकिन सम्बंधितों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इसीलिए मजबूरन हमें कलेक्टर कार्यालय आना पड़ा।हमारी मांग है कि जल्द से जल्द ग्राम पंचायत पायली को नशा मुक्त बनाया जाए। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो भीम आर्मी एकता मिशन के बैनर तले पायली की समस्त महिलाओं को लेकर भरवेली में उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

कलेक्टर के निर्देशन पर राजस्व और नगरपालिका ने की अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

नवरात्र के पहले चलाया अतिक्रमण अभियान, मेनरोड़ से हटाए गए बोर्ड ,बैनर,पोस्टर, तहसीलदार बोले सतत रूप से जारी रही कार्यवाही

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय में मेनरोड पर हुए अतिक्रमण पर लंबे समय बाद बुधवार की शाम अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। हालांकि पहले दिन,चले इस अतिक्रमण अभियान में नपा ने सड़क किनारे लगे दुकानदारों के बोर्ड और पोस्टरों को जब्त करने की कार्यवाही की गई और अस्थायी अतिक्रमणकारियो को समय देकर जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।ज्ञात हो कि आगामी समय में नवरात्र प्रारंभ होने वाला है, बालाघाट शहर में तीन दर्जन से ज्यादा स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाओ को विराजित किया जाना है, नवरात्र के नौ दिनो तक विराजित प्रतिमाओं को देखने, भक्तगण निकलते है, जिससे सड़को पर भारी भीड़ जमा होती है।इस बात को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर के निर्देशन पर अतिक्रमण हटाने की यह कार्यवाही की गई है।

अस्थाई अतिक्रमण को हटाने दिया गया है समय- सुनील वर्मा

तहसीलदार सुनील वर्मा के बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर, आगामी नवरात्र पर्व को देखते हुए अस्थायी अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान लोगो ने समय मांगा है, हमने समय भी दिया है लेकिन समय का दुरूपयोग कर वह अतिक्रमण ना हटाए, ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। नवरात्र पर्व को देखते हुए अस्थायी अतिक्रमण को सख्ती से हटाने की

फटाखा लायसेंस नवीनीकरण एवं नए लायसेंस के लिए 30 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री जीएस धुर्वे ने विस्फोटक नियम 2008 के नियम 84 के तहत त्याहारों के दौरान आतिशबाजी के कब्जे और विक्रय के लिए आदेश जारी कर दिए है। जिसके तहत जिले के समस्त अस्थायी फटाखा लायसेंसधारी अपने लायसेंस का नवीनीकरण तथा नए लाइसेंस के लिए अप्लाई करने वाले आवेदक अंतिम रूप से 30 सितंबर तक आवदेन कर सकते है। आवेदन के लिए आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन, संबंधित थाने से प्राप्त चरित्र सत्यापन, भुगतान की प्रति, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली बिल एवं मोबाईल नंबर सहित ऑनलाइन http://services.mp.gov.in/eservice/ पोर्टल के माध्यम से दर्ज करवाकर आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन पत्र कलेक्ट्रेड कार्यालय के कक्ष क्रमांक 129 दफ्तरी शाखा में कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनो पर विचार नही किया जाएगा।

वनरक्षक मत्तम नगपुरे 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

विस्थापन की मुआवजा राशि दिलवाने के एवज में की गई थी साढ़े 3 लाख रूपये की मांग, शिकायतकर्ता की शिकायत पर ईओडब्ल्यू की टीम ने की कार्यवाही

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। विस्थापन की मुआवजा राशि दिलवाने के एवज में साढे 3 लाख रूपये की रिश्वत मांगने वाले दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के वनरक्षक मत्तम नगपुरे को गुरूवार को लालबर्रा एसबीआई बैंक के सामने ईओडब्ल्यू की टीम के द्वारा 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। वनरक्षक मत्तम नगपुरे के द्वारा ली गई रिश्वत की राशि को बरामद कर ईओडब्ल्यू जबलपुर के अधिकारियों ने उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम धारा 7 के तहत कार्यवाही कर मामला पंजीबध्द किया है। वहीं एसबीआई बैंक के सामने अचानक ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम के पहुंचने एवं वनरक्षक मत्तम नगपुरे को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार करने की जानकारी लगने के बाद उक्त स्थान पर हड़कंप सा मच गया और बैंक में किसी अन्य कार्य से आये लोगों की भीड़ भी लग गई। जिसके बाद ईओडब्लयू की टीम के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने आरोपी को विश्राम गृह में लेकर पहुंचे और शाम 6 बजे तक कार्यवाही की है। वहीं शिकायतकर्ता राजेन्द्र धुर्वे के परिवार को विस्थापन प्रक्रिया के तहत 75 लाख रूपये मिलना है और उक्त मुआवजा राशि दिलवाने के लिए वनरक्षक मत्तम नगपुरे ने 3.50 लाख रूपये की रिश्वत की मांग किया था। वनरक्षक मत्तम नगपुरे के द्वारा 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार होने से वन विभाग में हड़कप सा मच गया है और यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि वनरक्षक के द्वारा अन्य वनग्रामों के ग्रामीणजनों से भी मुआवजा दिलवाने के लिए रूपये की मांग की गई होगी। शिकायतकर्ता सहित अन्य वन ग्राम के ग्रामीणजनों ने वनरक्षक मत्तम नगपुरे पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता राजेन्द्र धुर्वे के परिवार को मिलना है 75 लाख रूपये का मुआवजा

आपकों बता दे कि दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट अंतर्गत वन परिक्षेत्र लालबर्रा के ग्राम नवेगांव, चिखलाबड्डी, सोनेवानी में बहुतायत संख्या में बाघ सहित अन्य वन्यजीव व वन्यप्राणी है और सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व घोषित हो चुका है। इसलिए तीनों वनग्राम के निवासरत लोगों को अन्य स्थान पर विस्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। इस विस्थापन प्रक्रिया के तहत वनग्राम चिखलाबड्डी, सोनेवानी और नवेगांव के दो सैकड़ा से भी अधिक लोगों को प्रति यूनिट के आधार पर 15-15 लाख रूपये का मुआवजा राशि मिलना है। जिसमें बीते माह विस्थापन प्रक्रिया के तहत प्रथम किस्त के तौर पर 5-5 लाख रूपये की राशि उनके बैंक खाते में डाल दी गई है। वहीं नवेगांव निवासी राजेन्द्र धुर्वे के परिवार में 5 यूनिट बना है जिनके परिवार को 75 लाख रूपये की राशि मिलना है। जिसमें उन्हे 4 यूनिट पर 20 लाख रूपये मिल चुके है एवं एक यूनिट के सदस्य के दस्तावेज में कमी होने की बात कहकर उनके खाते में प्रथम किस्त की 5 लाख रूपये अब तक नही डाली गई है। जिसका लाभ दिलवाने के लिए वनरक्षक (बीट गार्ड) मत्तम नगपुरे ने राजेन्द्र धुर्वे से 3.50 लाख रूपये की मांग किया था और कहा था कि दस्तावेज में जो भी कमी है उसे दुरूस्त कर 15 लाख रूपये मुआवजा राशि दिलवायेगें। जिसके बाद राजेन्द्र धुर्वे वनरक्षक श्री नगपुरे को 3.50 लाख रूपये देने के लिए तैयार हो चुका था। इसी बीच राजेन्द्र धुर्वे ने 16 सितंबर को वनरक्षक मत्तम नगपुरे की ईओडब्ल्यू जबलपुर के अधिकारियों को शिकायत की थी कि विस्थापन के तहत मिलने वाली 15 लाख रूपये की मुआवजा राशि दिलवाने के लिए 3.50 लाख रूपये की मांग की जा रही है, 18 सितंबर को देना तय हुआ है। राजेन्द्र धुर्वे 18 सितंबर को सुबह 11.30 बजे एसबीआई बैंक लालबर्रा पहुंचकर श्री नगपुरे के समक्ष 3 लाख रूपये का विड्राल भरा और बैंक से राशि निकालकर लाता हूं कहकर अंदर चले गया एवं बैंक से 50 हजार रूपये लेकर निकला और बैंक के सामने वनरक्षक मत्तम नगपुरे को 50 हजार रूपये दिया। इसी दौरान ईओडब्ल्यू जबलपुर के अधिकारियों ने वनरक्षक को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया और उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ कर आवश्यक कार्यवाही की गई। अचानक एसबीआई बैंक के सामने ईओडब्ल्यू जबलपुर टीम के अधिकारियों के पहुंचने एवं वनरक्षम मत्तम नगपुरे को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार करने के बाद वन विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप सा मच गया। इस कार्यवाही में ईओडब्ल्यू जबलपुर के डीएसपी मंजीत सिंह, टीआई प्रेरणा मेडम, मोमेन्द्र मर्सकोले, आरक्षक शेख नदीम, सुमित पांडे, कयूम खान, समीर खान सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

साढे 3 लाख रूपये की मांग की थी - राजेन्द्र

शिकायतकर्ता राजेन्द्र धुर्वे ने बताया कि वनग्राम नवेगांव, चिखलाबड्डी, सोनेवानी ग्राम की विस्थापन की प्रक्रिया प्रारंभ है और प्रत्येक यूनिट पर 15-15 लाख रूपये शासन से मुआवजा राशि मिलना है। मेरे परिवार में पांच यूनिट है मुझे बीट गार्ड मत्तम नगपुरे के द्वारा 3.50 लाख रूपयों की मांग की जा रही थी कि मैंने आपके दस्तावेज तैयार किया हुं। जबकि सभी दस्तावेज 1 साल पहले ही कम्प्लीट हो गये थे। श्री धुर्वे ने बताया कि रूपये मांगने की शिकायत मैने ईओडब्ल्यू जबलपुर के अधिकारियों से की थी, गुरूवार को एसबीआई बैंक लालबर्रा से 50 हजार रूपये निकालकर वनरक्षक (बीटगार्ड) श्री नगपुरे को दिया तभी ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने उन्हे रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया, प्रशासन से मांग है कि कड़ी कार्यवाही करें और राशि वापस दिलवाये।

मामले की जांच जारी है - मरावी

वन परिक्षेत्राधिकारी टीसी मरावी ने बताया कि दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के नवेगांव बीट प्रभारी वनरक्षक मत्तम नगपुरे को

ईओडब्ल्यू की टीम के द्वारा रिश्वत लेते पकड़ने की जानकारी मिलने पर विश्राम गृह पहुंचा था एवं मामले की जांच ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम कर रही है। साथ ही यह भी बताया कि विस्थापन प्रक्रिया के तहत पहली किस्त की राशि लगभग 200 लोगों के खातों में आ चुकी है एवं कुछ प्रकरण संदेहस्पद है जिसकी जांच के लिए समिति बनाई गई है।

50 हजार रूपये की रिश्वत लेते वनरक्षक को किया गया गिरफ्तार - मंजीत

दूरभाष पर चर्चा में ईओडब्ल्यू जबलपुर के डीएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि नवेगांव (टेकाड़ी ला) निवासी राजेन्द्र धुर्वे के परिवार को विस्थापन प्रक्रिया के तहत 75 लाख रूपये मिलना है, मुआवजा राशि दिलवाने के लिए वनरक्षक मत्तम नगपुरे के द्वारा 3.50 लाख की रिश्वत की मांग की गई थी। जिसकी शिकायत उन्होने 16 सितंबर को ईओडब्ल्यू जबलपुर को भी की गई थी। जिसके बाद 18 सितंबर को एसबीआई बैंक के सामने वनरक्षक मत्तम नगपुरे को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। जिसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम धारा 7 के तहत कार्यवाही की गई है।

महाविद्यालय में सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार बुधवार को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर स्वच्छता गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई किये और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। साथ ही यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित किया जायेगा। वहीं सेवा पखवाड़े के मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता के बारे में अवगत करवाना, जनभागीदारी को बढावा देना एवं सामूहिक सहभागिता के लिए प्रेरित करना है। साथ ही इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा डॉ. संगीता मेश्राम, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे का सराहनीय योगदान रहा।

जाम हायर सेकेण्डरी स्कूल में वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार बुधवार को मेघा वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम ग्राम सरपंच सुरेन्द्र बलोने, जनपद सदस्य जाहिद खान, स्कूल प्रभारी प्राचार्य आरसी बिसेन के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया। इस मेघा वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर स्कूल में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया तत्पश्चात विद्यालय परिसर में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकगण, विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। वहीं उपस्थित अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को अ%छी पढ़ाई कर सफलता प्राप्त करने हेतु उचित मार्गदर्शन दिये। चर्चा में स्कूल प्रभारी प्राचार्य आरसी बिसेन ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार स्कूल में बुधवार को शैक्षिक गुणवत्ता, अनुशासन, पर्यावरण सौंदर्य एवं संरक्षण, विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण, सेवा समर्पण, संस्कार, सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास एवं विकसित भारत थीम पर मेघा वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ ही शासन के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा अभियान प्रारंभ किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन के साथ ही स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया है। इस अवसर पर स्कूल के इको क्लब प्रभारी श्रीमती ममता शरणागत, जनप्रतिनिधि योगेश लिल्हारे, राजेश नगपुरे, शिक्षक श्री आयतेकर सहित अन्य शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं पीटीए सदस्यगण उपस्थित रहे।

आदिवासी सगाजनों ने शहीद शंकरशाह, रघुनाथ शाह को किया नमन

शहीद बिरसा मुण्डा सामुदायिक भवन में मनाया गया 168 वॉ बलिदान दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के जनपद पंचायत कार्यालय के सामने स्थित शहीद बिरसा मुण्डा सामुदायिक भवन में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के तत्वाधान में 18 सितंबर को गोंडवाना साम्राज्य के वीर राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का 168 वॉ बलिदान दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के पदाधिकारियों एवं समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा बड़ादेव की पूजा अर्चना की तत्पश्चात राजा शंकरशाह, पुत्र रघुनाथ शाह मड़ावी एवं अन्य महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित व माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन करते हुए नमन किया और गोंडवाना साम्राज्य के अमर शहीदों के सम्मान में नारे लगाते हुए उनके बताये गये मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। चर्चा में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि गोंडवाना साम्रा%य के राजा शंकरशाह एवं रघुनाथ शाह दोनों बाप-बेटों को बीच चौराहों में दर्दनाक मौत दी गई थी यानि दोनों देश के लिए शहीद हो गये थे। तब से प्रतिवर्ष आदिवासी सगाजनों के द्वारा 18 सितंबर को बलिदान दिवस मनाकर उन्हे याद किया जाता है। इसी कड़ी में लालबर्रा में भी अमर शहीद शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया गया एवं संकल्प लिया गया कि उनके द्वारा बताये गये मार्गों पर चलकर सभी को संगठित कर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करेगें। म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा सचिव अनिल उइके ने बताया कि शहीद राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह का 168 वां बलिदान दिवस मनाकर उन्हे याद किया गया। साथ ही यह भी बताया कि शहीद राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह ने देश की आजादी में अपनी अहम भूमिका निभाई है और देशहित में जो अपना योगदान दिये है उसे भुलाया नही जा सकता है, उनके बलिदान दिवस पर यही संदेश देना चाहते है सभी उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज एवं देशहित में काम करें और उनकी वीरगाथाओं के बारे में अपने बच्चों को अवगत करवाये। इस अवसर पर म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

मांझापुर सरपंच ने अंत्येष्टि सहायता राशि का किया वितरण

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर के 4 लोगों की गत दिवस मृत्यु हो गई थी। गुरूवार को मृतिका के परिजन को ग्राम सरपंच मांझापुर श्रीमती रूखमणी मर्सकोले के द्वारा 5-5 हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत मांझापुर सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले ने बताया कि पंचायत क्षेत्र के 4 लोगों की विगत दिवस मृत्यु होने के उपरांत शासन से मिलने वाली मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल योजना के अंतर्गत) अंत्येष्टि सहायता योजना के तहत मृतिका के परिजन राजेश/ईश्वरदयाल कटरे, अतुल/पन्नालाल डहरवाल, राधेलाल/दुर्गाप्रसाद बारेकर, रतनलाल कटरे को 5-5 हजार रूपये की राशि प्रदान की गई है एवं शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ दिलवाया जायेगा। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले, उपसरपंच घनश्याम चौधरी, सचिव लेखेन्द्रसिंह बिसेन, श्रीमती रंजना तिवारी, रोजगार सहायक नितिन मेहरबान सहित पंचगण व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खैरलांजी क्षेत्र में चोरों का आतंक एक ही रात में 13 ट्यूबवेल उजड़े

किसानों की सिंचाई व्यवस्था पर संकट पुलिस प्रशासन मौन

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी क्षेत्र के किसानों की मेहनत और पसीने पर रातों रात चोरों ने पानी फेर दिया। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम लिलामा और कटोरी में चोरों ने एक ही रात में १३ ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए लगभग २५०० फीट बिजली के केबल चुरा लिए। इस बड़ी वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। किसानों की फसलों पर संकट गहरा गया है और ग्रामीणों में पुलिस के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

योजनाबद्ध तरीके से चोरो ने खेतों को बनाया निशाना

७ सितंबर की देर रात चोर खेतों में घुसे और योजनाबद्ध तरीके से ट्यूबवेलों में लगे मोटरों की केबल उखाड़ ले गए। सुबह जब किसान अपने खेतों में पहुंचे तो उजड़े ट्यूबवेल देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। किसानों ने बताया कि चोरों ने केबल काटकर कॉपर तार निकाल ले जाते हैं और पूरी व्यवस्था चौपट कर देते हैं। जिसकी सूचना पीड़ित किसानो द्वारा थाने में दी गई थी। लेकिन पुलिस पर किसानों का आरोप है कि किसी भी स्टॉफद्वारा आज तक घटनास्थ पर जाकर नहीं देखा गया।

१३ किसानों को लगा झटका

चोरों ने जिन किसानों के खेतों को निशाना बनाया उनमें समरत लाल सोनवाने के खेत से २०० फीट, भुवनेश्वर ठाकुर खेत से २५० फीट,गजेंद्र चौरीवार से ५० फीट,नोखराम डोहरे से १५० फीट ,राजेंद्र अमुले से २५० फीट, लक्ष्मण अमुले से ५० फीट,उमेश भगत से ३०० फीट, श्यामेंद्र भगत से १०० फीट,विनोद खरोले से २०० फीट,देवेंद्र गौतम से ४०० फीट, कमल गौतम से १०० फीट, राजेश गौतम से २००फीट,धनलाल गौतम से २५० फीट केबल चोरी हुआ है। कुल मिलाकर लगभग २५०० फीट केबल की चोरी हुई ह जिसकी कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है।

सिंचाई पर संकट फसलें बर्बादी की कगार पर

इस वारदात से किसानों की सिंचाई व्यवस्था ठप हो गई है। आने वाले दिनों में धान और दलहन की फसलें पानी के अभाव में सूख सकती हैं। किसानों ने कहा कि चोरों की वजह से उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ रही है ,एक तरफ बढ़ती महंगाई और दूसरी ओर चोरी से हुआ नुकसान।

चोरो ने की ३० दिन में तीसरी बड़ी चोरी

ग्रामीणों ने बताया कि बीते ३० दिनों में केबल चोरी की यह तीसरी घटना है। लेकिन अब तक पुलिस ने ना तो चोरों का कोई सुराग लगाया और नही ही कोई ठोस कार्रवाई की। जबकि ८ सितंबर को जब वे शिकायत दर्ज कराने थाना पहुंचे तब उन्हें सिर्फ जांच होगी का भरोसा दिया गया। मगर घटना के १० दिन बाद तक ना तो कोई पुलिस दल मौके पर पहुंचा और ना ही चोर पकड़ में आए।

पुलिस प्रशासन के खिलाफ किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीण अब सामूहिक रूप से थाना घेराव और सड़क पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि चोरों को जल्द पुलिस ने नही पकड़ा तो बड़े आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे। यह घटना सिर्फ चोरी नहीं बल्कि किसानों की आजीविका पर हमला है। पुलिस प्रशासन को चाहिए कि तुरंत एक्शन लेकर अपराधियों को गिरफ्तार करें और किसानों को राहत दिलायें अन्यथा आक्रोशित किसान आंदोलन की राह पकड़ेंगे। यह मामला ना सिर्फ चोरों की संगठित करतूत को उजागर करती है, बल्कि पुलिस प्रशासन की लापरवाही पर भी बड़ा सवाल खड़ा करती है। किसानों की मेहनत पर पानी फेरने वाली इस घटना ने क्षेत्र के किसानों हिलाकर रख दिया है।

पुलिस ने नहीं की चोरी की जांच -विनोद खरोले

किसान विनोद खरोले ने बताया कि खेत में जो चोरी हुई है ट्यूबवेल की मोटर में लगे कॉपर केबल चोरी हुए है और पाइप को भी तोड़ मोड़ करके केबल निकाले और कम से कम १३ मोटर के वायरिंग और मोटर का नुकसान हुआ। १३ किसान की मोटर निकाल कर वायरिंग ले जा लिए यह घटना ८ सितंबर की है । इसकी जानकारी हमारे द्वारा थाना में आकर दिए पर कोई कार्यवाही या इंक्वारी नहीं किये है। हम चाहते की चोरों पर उचित कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजे।

१३ किसानों के खेत से हुआ केबल चोरी-उमेश भगत

किसान उमेश भगत ने बताया कि मैं लिलामा का किसान हुं मेरे खेत में समरसील ट्यूबवेल है ३०० फिट गहराई से मोटर निकाल कर केबल काट कर चोरी हो गया है। ३०० फीट पाइप उसको भी तोड़ दिया गया है और कम से कम १३ किसानों के यहां ऐसी ही चोरी की घटना घाटी है। इसकी थाने में दिए पुलिस ने आज तक ध्यान नहीं दिए और कोई कार्रवाई नहीं की है।

इनका कहना है

मैं अभी छुट्टी पर हूं मामला संज्ञान में है कुछ स्टॉफ बाहर होने से भी विवेचना में देरी हुई है। हमने किसानों को कहा था कि खुद भी खेत जाकर थोड़ी निगरानी किया करें जिससे कि चोरो को पकड़वाने में पुलिस की मदद हो सके। हमने सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी सलाह किसानों को दी थी मामले को दिखवाते है।

रामसिंह पटेल
थाना प्रभारी खैरलांजी

राज्य कर्मचारी संघ ने मनाई भगवान विश्व कर्मा की जयंती

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। राज्य कर्मचारी संघ ने सृजन के देवता सृष्टि के प्रथम अभियंता शिल्पकार भगवान विश्व कर्मा की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। इस दौरान प्रणय श्रीवास्तव ,पंचम हनवत के द्वारा भगवान विश्वकर्मा एवं मां सरस्वती के चित्र का पंचोपचार पूजन कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया । इस दौरान दिलेशकुमार खंडेलकर,एस के चौधरी, लखपति बिसेन,अंकित शरणागत ,गौतम पुसामे , प्रशांत डिब्बे ,ममता पटले ,चंद्रपाल ठाकरे ,नीलेश नेमा ,जगदीश प्रसाद बिसेन ,डेलीराम पटले , मानसी घरडे एवं समस्त पदाधिकारी उपस्थित होकर भगवान विश्व कर्मा के चित्र का अक्षत पुष्प चंदन से पूजन किया । इसके पश्चात प्रणय श्रीवास्तव अश्क ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष भारतीय मजदूर संघ जो कि विश्व का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है। १७ सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती को समारोह पूर्वक मनाकर कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भगवान विश्वकर्मा निर्माण और सृजन के देवता कहलाते है, जिन्हें सृष्टि का प्रथम अभियंता एवं शिल्पकार भी माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सत्य युग में स्वर्गलोक ,त्रेता युग में स्वर्ण की लंका, द्वापर युग में द्वारिका नगरी एवं कलियुग के आरंभ में हस्तिनापुर एवं इंद्रप्रस्थ नगरी का निर्माण विश्वकर्मा ने ही किया था। जगन्नाथ पूरी की विशाल मूर्तियों का निर्माण ,पुष्पक विमान, विष्णु भगवान का चक्र सुदर्शन, शिव जी का त्रिशूल, ब्रह्मा जी का ब्रह्मास्त्र, यमराज का काल दंड ,पाश, इंद्र का वज्र आदि अनेकों अस्त्र शस्त्रों का निर्माण विश्वकर्मा ने ही किया है। विश्व कर्मा वस्तु देव एवं अंगी रसी के पुत्र हैं। इन्हें कुछ लोग ब्रह्मा जी का मानस पुत्र भी मानते हैं। जिनके पांच पुत्र क्रमश: मनु, मय , द्विज, शिल्पी और विश्वज्ञ है जिन्हें पांच प्रजापति माना जाता है। तीन पुत्रियों में रिद्धि, सिद्धि एवं संज्ञा हैं । रिद्धि सिद्धि का विवाह भगवान गणेश से एवं संज्ञा का विवाह भगवान सूर्य नारायण से हुआ। वास्तु कला एवं यांत्रिकी विज्ञान के आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा हैं किसी भवन के निर्माण में वास्तु शास्त्र का अत्यधिक महत्व है।

चंदोरी के ग्रामीणों ने तहसीलदार से की शिकायत

पटवारी पर लगाया जमीन के नक्शे से छेड़छाड़ करने का आरोप

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ८ चंदोरी निवासी ग्रामीणों के द्वारा १८ सितंबर को तहसील कार्यालय में तहसीलदार से शिकायत कर उनके हल्के के पटवारी पर नक्शे से छेड़छाड़ कर जमीन में धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया। मौके पर तहसीलदार के द्वारा पटवारी राजस्व निरीक्षक को बुलाकर प्रकरण की जानकारी ली गई। वहीं वार्डवासियों को सीमांकन के लिए आवेदन लगाने के लिए कहा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्डवासियों ने शिकायत में बताया कि मनोज कुमरे पिता रामप्रसाद कुमरे स्व. पिता कालीचरण कुभरे उक्त जमीन पर ३ पीढी से निवास कर रहे है। उक्त जमीन को हमारे दादाजी ने गिरमाजी राहंगडाले निवासी चंदोरी से १९८२ में पक्की रजिस्टी सहित खरीदा एवं उक्त जमीन पर रामप्रसाद कुमरे के द्वारा प्रधानमंत्री आवास का लाम ले लिया गया है। और जिसका नगर पालिका का टेक्स एवं बिजली बिल भुगतान समय पर किया जाता है। किन्तु पटवारी के द्वारा हमारे रजिस्टर जमीन के साथ नक्शे में फेरबदल कर रिकॉर्ड छेड़छाड़ किया गया एंव उचित तरीके से भूमी का सही सीमांकन नही किया गया ना मेरे रजिस्टर पक्की जमीन नही निकाला गया। पिछली बार मकान तोड़ने का आदेश न्यायालय के द्वारा जारी करने पर भी पटवारी के द्वारा जमीन नही निकाली गई और न्यायालय के द्वारा मकान तोड़ने का नोटिस भी नही जारी किया गया। जब न्यायालय के द्वारा मकान तोड़ने के आदेश पर सम्पूर्ण गाँव के लोगो ने कहा की इनकी रजिस्टर्ड जमीन निकाल दो पटवारी मौके से गॉडी उठाकर भाग गये। गाँव वाले के बोलने पर अजहर कुरैशी के द्वारा सभी को फोन करके धमकाया जाता है की तुमने न्यायालय का आदेश का विरोध किया है मैं आपको जेल भिजवा दूंगा। तो वार्डवासियों पटवारी के ऊपर धोकाधड़ी एवं सराकारी रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ करने का प्रकरण दर्ज करे उनके उपर उचित कार्यवाही करने की मांग को लेकर पहुंचे । जहां तहसीलदार के द्वारा पूरी चर्चा सुनकर दस्तावेजों की जांच की गई और तत्काल मौके पर हल्का पटवारी क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक को बुलाकर मामले में पूछताछ करने के उपरांत वार्ड वासियों को सीमांकन के लिए आवेदन लगाने के लिए कहा गया।

हमारी जमीन है ९० वर्ष हम वहां रहते हो गए है-चंद्रकला कुभरे

चंद्रकला बाई कुभरे ने बताया कि हमारा मकान तोड़ने के लिए आते हैं हम यहां कागजात और ग्रामीणों के साथ तहसील के यहा आए हुए हैं। ९० वर्ष हमें वहां रहते हो गए हैं वह हमारी जमीन है ऐसा बोलकर तोड़ने आते हैं। जबकि वह हमारी जमीन है पहले हम न्यायालय में केश जीते हैं और दूसरा केश हार गए है। हमें अपनी जमीन चाहिए इसलिए यहां पर आए हुए हैं।

आदिवासी परिवार है तीन पीढियों से रह रहा है-देवेंद्र राठौर

देवेंद्र राठौर ने बताया कि हमारे यहां एक आदिवासी परिवार है तीन पीढियों से रह रहा है। कोर्ट ने मकान तोड़ने का आदेश दिया है पटवारी ने तीन बार नाप किया परंतु वह जमीन नहीं दे रहा है। नक्शे में जमीन उनकी बता नहीं रहा है इसमें पटवारी संलिप्त है अवैध तरीके से जमीन के नक्शे में छेड़छाड़ की गई है। हमारे सामने तीन पीढ़ी से रह रहे हैं ,रजिस्ट्री की खरीदी हुई जमीन है मामला यह कोर्ट में चला यह कैसा लड़े पता नहीं कोर्ट ने आदेश दिया तोड़ने का अब जमीन पूछ रहे हैं तो बता नहीं रहे हैं। पटवारी ने तीन बार तीन स्थान बताया पहले धनु लांजेवार के सामने ,फिर डिगेन्द्र पटेल के सामने और अभी बाजू में है जबकि १५ वर्ष पहले जमीन दूसरे व्यक्ति ने खरीदी है और यह लोग ९० वर्ष से यहां रह रहे हैं।

इनका कहना है

सिविल कोर्ट में यह मामला चला जहां से आदेश हुआ है अतिक्रमण हटाने का संबंधित लोगों के द्वारा शिकायत की है। उन्हें दस्तावेज पूर्ण संलग्न करने के लिए कहा गया है साथ ही सीमांकन के लिए भी आवेदन लगाने कहा गया है ताकि उनकी भी स्थिति स्पष्ट हो सके।

वंदना कुशराम
प्रभारी तहसीलदार वारासिवनी

एकोड़ी सरपंच मोनिका मेश्राम को धारा 40 कारण बताओं नोटिस किया जारी

मामला नल जल योजना के लिए चयनित भूमि का कूटरचित पट्टा देने का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी में नल जल योजना के लिए भूमि चयनित कर पीएचई के द्वारा ट्यूबवेल कर दिया गया था। जहां सरपंच के द्वारा ग्राम सभा का प्रस्ताव बताकर ग्रामीण को पट्टा वितरण कर दिया गया। जिसको लेकर ग्राम के कुछ लोगों के द्वारा शिकायत की गई। जिस पर जांच उपरांत जिला पंचायत बालाघाट मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी की न्यायालय के द्वारा १५ सितंबर को सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम को धारा ४० के तहत कारण बताओ का नोटिस जारी किया गया है। इसमें २२ सितंबर तक न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब देने की बात कही गई है। अन्यथा एकपक्षीय कार्यवाही करने का हवाला दिया गया है।

यह हैं मामला

ग्राम पंचायत एकोड़ी में नल जल योजना के लिए भूमि का चयन किया गया था। इसके संबंध में ग्राम सभा में प्रस्ताव लेकर पीएचई विभाग को दिया गया था। जहां पीएचई विभाग के द्वारा स्वीकृति दी गई थी। उक्त स्थान पर ग्राम के लोगों के लिए नल जल योजना की पानी की टंकी तैयार होना था। जहां सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम पति राहुल मेश्राम सरपंच ग्राम पंचायत एकोड़ी जनपद पंचायत वारासिवनी के द्वारा अपने नाते रिश्तेदार जयप्रकाश गनवीर पिता हरीलाल पंच वार्ड नं.२ ग्राम पंचायत एकोड़ी को उक्त भूमि का पटटा स्वयं के द्वारा प्रस्ताव लेकर नायब तहसीलदार वारासिवनी से दिलवा दिया गया। जहां उक्त व्यक्ति के द्वारा मकान निर्माण प्रारंभ कर दिया गया था जबकि वह अपने माता पिता का इकलौता पुत्र है। यह देख ग्राम के मनोज हरिनखेडे ,संजु भुरे ,नन्हु तुरकर ,गुरूप्रसाद हरिनखेंडे ,पप्पु हरिनखेडे ,कमलेश शरणागत उपसरपंच ग्राम पंचायत एकोड़ी व अन्य ग्रामीणजन के द्वारा मामले की शिकायत जिला पंचायत बालाघाट में की गई थी। जहां पट्टे को रद्द कर दिया गया तो वहीं ग्रामीणों के द्वारा सरपंच पर भी कार्यवाही की मांग की गई। जिस पर जांच पूर्ण होने पर जिला पंचायत सीईओ के न्यायालय ने सरपंच को सूचना पत्र जारी कर जवाब मांगा है।

यह है आदेश

न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी जिला पंचायत के द्वारा म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ८९,९२ के तहत १५ सितंबर को धारा ४० के तहत कारण बताओ सूचना पत्र श्रीमती मोनिका मेश्राम सरपंच ग्राम पंचायत एकोड़ी जनपद पंचायत वारासिवनी के नाम जारी कर ग्राम पंचायत एकोड़ी की शिकायत के संबंध में जवाब प्रस्तुत करने कहा हैं। सुचना पत्र में उल्लेखित हैं की संदर्भित पत्र अनुसार जनपद पंचायत वारासिवनी अन्तर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी में सरपंच,पंच द्वारा मुख्यमंत्री आवासीय भू.अधिकार योजना के तहत जयप्रकाश गनवीर पिता हरिलाल को कूटरचित दस्तावेजो के आधार पर पद का दुरूपयोग कर पटटा आवंटन संबंधी शिकायत पत्र संबंधित दस्तावेज सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्राप्त शिकायती पत्र सह दस्तावेज। मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ४० के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। २२ सितंबर को संलग्न शिकायती पत्र सह दस्तावेज के संबंध में लिखित जवाब इस न्यायालय में पेश करंगे । अन्यथा अनुपस्थिति की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जा सकेगी।

हिंदी दिवस पर शैलेश इनायत हुये सम्मानित

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में जिला सिहोर में हुए साहित्यकार सम्मेलन में जिले के कवि और शिक्षक शैलेश इनायत मिरगपुर को साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित कर शाल श्रीफल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो की शैलेश इनायत का सामाजिक और साहित्यिक क्षेत्र में बहुत नाम है। वो जिले की पंजीबद्ध संस्था इनायत और अमाविभा वाचनालय के संस्थापक है। साथ ही उनके लिखे लोकगीतों का बालाघाट आकाशवाणी से प्रसारण भी हो चुका है। हिंदी दिवस के अवसर पर प्रदेश साहित्य साधना मंच, राष्ट्रीय कल्चुरी कवि परिषद भारत,जन परिषद सीहोर के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु मिरगपुर के हास्य व्यंग कवि शैलेश इनायत को साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हे संजय अश्क, भुवन सिंह धांसू,तन्हा नागपुरी,दिनेश देहाती, भैयालाल नागवंशी,राज राहांगडाले,दीपक देशमुख सहित अन्य ने बधाई प्रेषित की है।

नारी शक्ति नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में जांच अवश्य करवायें-प्रदीप जायसवाल

पूर्व ब्लाक मेडिकल आफिसर पर जमकर बरसे प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत १७ सितबंर से २ अक्टूबर २५ तक विशेष स्वास्थ्य शिविर का सिविल अस्पताल में आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल, जिला भाजपा उपाध्यक्ष किशोर अमूले, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, डॉ जयश्री अरोरा, जिला भाजपा मंत्री श्रीमती रेखा गोखले की मौजूदगी में शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले धार म.प्र. से प्रधानमंत्री के संदेश के लाईव प्रसारण को सुना गया। तत्पश्चात सिविल अस्पताल जाकर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार महाअभियान की शुरूवात स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से की गयी। साथ ही सिविल अस्पताल के सभी मरीजो को फल वितरण कर उनकी तकलीफो को सुनकर चिकित्सको से चर्चा की गयी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हम सब देखते है की घर में महिला ठीक रहती है तो सब ठीक रहता है। अगर एक महिला बीमार हो जाती है तो घर की सारी व्यवस्था चरमरा जाती है। इन बीमारियो को शुरूवाती दौर में ही पकडना जरूरी होता है। इसलिये इस अभियान के तहत इन बीमारियों की नि:शुल्क जांच की जायेगी। अत सभी नारी शक्ति से निवेदन है की इस स्वास्थ्य कैंप में जाकर नि:शुल्क जांच जरूर करवायें।

अस्पताल निरिक्षण के दौरान डॉ कमलेश झोड़े को जमकर लगाई फटकार

वहीं अस्पताल के निरिक्षण के दौरान ही पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पूर्व ब्लॉक मेडिकल आफिसर डॉ कमलेश झोडे को फटकार लगाई । इसी बीच सिविल अस्पताल के गत माह के वाक्यात को लेकर प्रदीप जायसवाल अचाकन सभी के सामने आक्रोश में आ गये और उन्होने डॉ कमलेश झोडे पर सवालो की बरसात सी कर दी। जिसमें अस्पताल की एंबुलेंस के सुधारने जैसे विषय शामिल रहे। आक्रोशित अवस्था में प्रदीप जायसवाल ने सभी के सामने पूर्व ब्लाक मेडिकल आफिसर से पूछ ही लिया की आखिर आपको कार्य करने से कौन रोक रहा था। पूर्व एसडीएम और समिति के हस्ताक्षर के बाद भी राशि की स्वीकृति के बाद भी आपने आखिर शासकीय एंबुलेंस को क्यों नही सुधरवाया। आज भी वाहन के खराब होने के कारण महानगरो के लिये रिफर किये गये मरीजो व उनके परिजनो को दिक्कतो का सामना करना पड रहा है। और इसी खामियाजे के कारण आपको पद से हटाया गया है। और अस्पताल की चरमराती व्यवस्था के लिये आप ही जिम्मेदार हो। आखिर में एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के हस्तक्षेप के बाद प्रदीप जायसवाल का आक्रोश किसी तरह कम होते देखा गया।

जीएसटी कम करने से आम आदमी को क्या फायदा होगा?

आज महंगाई में मिडिल क्लास का जीना हराम हो गया हैजीएसटी कम करने से आम आदमी को क्या फायदा होगा जबकी सभी चीजों की कीमत बड़ी है सैलरी लगता खुब मिलता है लेकिन खर्च भी बढ़ता जा रहा है 100 रूपये का आज क्या वैल्यू है उसपर सब्जी का फल का रेट देखिए अब वो जमाना गया कि कैसे भी एडजस्ट करते थे और पढ़ाई भी सस्ती थी सब्जियाँ फल तो घर में ही उगा लेते थे और काम भी चल जाता था अब बिगबास्केट, प्टो, ग्रोफर जैसी तमाम ग्रोसरी से लेकर फल सब्जियाँ देती है घर पर ही जो ताजी नहीं मिलती और बापस करने पर तमाम तरह के फोटो रिटर्न्स नहीं होगा और ठगा ठगा महसूस करता है बिगबास्केट तो बिल्कुल खराब समान दे रहा है कितनी बार फंगस लगा हुआ मिला और बार बार ऐसा होने पर अकाउंट ही लॉक कर दिया दरअसल मैं ऑनलाइन के चक्कर में नहीं रहता हूँ लेकिन ऐ आज फॅमिली की पसंद बन गई है पहले सब्जी खरीदने बाजार निकलते थे उससे कई गुना सस्ता समान आज भी आप सब्जियाँ बाजार से खरीद कर देंखे इससे आपके दो फायदा होगा आपका घूमना भी होगा और वहाँ भी जो अच्छा होगा आप चुन कर लेंगे और इसी बहाने फल भी खरीद लेंगे आप एक बार आजमाने की कोशिश करें हाँ किराना का सामान हो सकता है सस्ता ना मिले लेकिन घुन या फंगस लगा हुआ सामान नहीं मिलेगा क्योंकि वहाँ किराना स्टोर उसे फेंक देती है जबकी बिगबास्केट आदि यही सामान को बिल्कुल एक्सपायरी डेट के करीब का देती है जो एक तरह से रोड पर मारा मारा फिरता है और कई तो उसे एक्सपायरी डेट को ही रीप्रिंट कर देते है पहले सामान दिखा कर उसी के हिसाब से रेट मिलता था और सस्ता था उसे भी बेचना है आप दादर का भाजी मार्केट देखिए वहाँ कुछ समय सुबह तक खुब भाजी मिलता है जिसे जोमाटो और अन्य ऑनलाइन जो खाने का सामान देते है यहाँ तक की होटल भी निकला खुब लेते है सुबह में सुन्दर दीखता है और जैसे ही मुंबई महानगर के लोग सफाई के लिए आते है वो रोड पर मारा मारा फिरता है और कोई उसे भी लें जाता है शायद होटल के लिए अत: खाने पर बाहर का खाना ऑनलाइन खरीदने से बचें और जहाँ तक हो पैसे बचाने की कोशिश करें बहुत दु:ख होता है जब अंग्रेजो की लड़ाई सब मिलकर लड़े फिर भी गुलामी सा महसूस क्यों होता है अमेरिका एक बार नहीं सौ बार कहता है कि हम भारत और पाकिस्तान का सी ?फायर कराई अमीर लोग अमीर बनते जा रहे हैं और मध्यम वर्ग पीस रहा है कुछ दिन पहले किसी मरीज की हालत खराब थी एम्बुलेंस समय पर नहीं रहा और अपनी गाड़ी थोड़ी सी इधर से उधर हुई और चलाना कट गया और ऐ कोई मामूली रकम नहीं होता है जबकी रोडो का इतना गहरा गड्डा टुटा फूटा कहीं कहीं लाइट नहीं है इसका कौन जिम्मेदार है एक तरफ चलान काटा गया लेकिन रोड की हालत भी देखिए आम आदमी हर जगह मारा जा रहा है क्या खाएगा क्या कमायेगा महंगाई का मतलब है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य वृद्धि। इसे मुद्रास्फीति भी कहा जाता है। इसका मतलब है कि एक ही राशि में अब कम सामान और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं, क्योंकि कीमतें बढ़ गई हैं।अत: जी एस टी को कम भी कर दिया जाए तो भी सामान का दाम तो कम नहीं होगा यदि होता भी है तो 5-6 परसेंट का फायदा उसमें क्या मायने रखता है जरुरत है होलसेल प्राइस इंडेक्स को कम करना तभी लोगों को महंगाई से मुक्ति मिलेगी।

पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण : भारत की बौद्धिक अस्मिता का संकल्प

डिजिटलीकरण से सुरक्षित होगी धरोहर, रुकेगी बौद्धिक चोरी, और खुलेगा राष्ट्रीय पुनर्जागरण का मार्ग भारत की प्राचीन पांडुलिपियाँ केवल कागज़ पर लिखे शब्द नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की आत्मा हैं। इनमें विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन और कला का अनमोल खजाना है। उपेक्षा और उपनिवेशकाल की लूट ने इन्हें खतरे में डाल दिया। प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण बौद्धिक चोरी को रोकेगा, समयानुकूल है। डिजिटलीकरण से संरक्षण, शोध और वैश्विक स्तर पर भारत की बौद्धिक अस्मिता सुनिश्चित होगी। यह केवल सांस्कृतिक परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण का अभियान है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी पहचान उसकी सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा से होती है। यहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान की धारा निरंतर बहती रही है। वेदों और उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद, गणित, खगोल, साहित्य और संगीत तक, हमारी पांडुलिपियों ने विश्व को वह दिया है जो आज भी अद्वितीय और अनुपम है। किंतु इस धरोहर को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित करने और दुनिया तक पहुँचाने में हम बार-बार चूकते रहे। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हालिया कथन कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण बौद्धिक चोरी को रोकेगा, अत्यंत प्रासंगिक और दूरदर्शी है। यह कथन केवल तकनीकी समाधान की ओर इशारा नहीं करता, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का संकल्प भी है। भारतीय पांडुलिपियाँ केवल कागज़ या ताड़पत्र पर लिखे शब्द नहीं हैं। वे समाज की स्मृति हैं, परंपराओं की कहानी हैं और ज्ञान की धरोहर हैं। इनमें विज्ञान, चिकित्सा, खगोल, दर्शन और कला से लेकर जीवनशैली तक का संपूर्ण अनुभव सुरक्षित है। आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आज भी ऐसी औषधियों और चिकित्सा विधियों का उल्लेख मिलता है जिनकी प्रासंगिकता आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है। गणित और खगोल से संबंधित पांडुलिपियों में शून्य, दशमलव और ग्रह-नक्षत्रों की गति का इतना विस्तृत विवरण है कि पश्चिमी जगत ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने वैज्ञानिक शोध को दिशा दी। संगीत और नृत्य की पांडुलिपियाँ हमारी कलात्मक परंपरा को जीवित रखने का आधार हैं। दुर्भाग्य यह रहा कि इन पांडुलिपियों की रक्षा के मामले में हम लापरवाह साबित हुए। उपनिवेशकाल में अंग्रेज और अन्य यूरोपीय विद्वान यहाँ से अनगिनत ग्रंथ ले गए। उन्होंने उनका अध्ययन किया और कई बार उनके अनुवाद अपने नाम से प्रकाशित कर दिए। योग और ध्यान की पद्धतियाँ, जो भारत की आत्मा हैं, विदेशों में अलग रूप में प्रस्तुत की गईं और उनसे भारी व्यावसायिक लाभ उठाया गया। आयुर्वेदिक नुस्खों और औषधीय पौधों पर विदेशी पेटेंट दर्ज हुए। हल्दी और नीम जैसे सामान्य ज्ञान पर भी कंपनियों ने अपना अधिकार जताने का प्रयास किया। यह सब हमारे लिए चेतावनी है कि यदि हम अपने ज्ञान की रक्षा नहीं करेंगे, तो दुनिया उसे हड़प लेगी। यही वह संदर्भ है जिसमें डिजिटलीकरण का महत्व बढ़ जाता है। जब कोई पांडुलिपि डिजिटल रूप में दर्ज होगी तो उसका स्रोत और स्वामित्व स्थायी रूप से भारत के नाम पर रहेगा। यह बौद्धिक चोरी को रोकने का सबसे प्रभावी साधन होगा। इसके अतिरिक्त, डिजिटलीकरण से पांडुलिपियाँ सुरक्षित रहेंगी। समय, नमी, कीड़े और तापमान परिवर्तन से कागज़ व ताड़पत्र पर लिखी पांडुलिपियाँ क्षरण का शिकार होती हैं। डिजिटलीकरण उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि डिजिटलीकृत सामग्री दुनिया भर के शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी। भारत का ज्ञान केवल संग्रहालयों की अलमारियों में बंद न रहकर वैश्विक मंच पर जीवंत रूप में सामने आएगा। यह कार्य आसान नहीं है। भारत में अनुमानत: पचास लाख से अधिक पांडुलिपियाँ हैं। वे अलग-अलग भाषाओं और लिपियों में लिखी गई हैं—संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, तेलुगु, मलयालम, उर्दू, अरबी, फ़ारसी और अन्य भाषाओं में। कई लिपियाँ अब प्रचलन से बाहर हैं। उन्हें पढ़ना, समझना और डिजिटलीकरण करना विशेषज्ञता की मांग करता है। प्रामाणिकता बनाए रखना भी चुनौती है। अनुवाद या डिजिटल स्कैनिंग के दौरान यदि त्रुटियाँ रह गईं तो मूल ज्ञान विकृत हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इतने बड़े कार्य के लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित विशेषज्ञ और आधुनिक तकनीक की भी भारी आवश्यकता होगी। सरकार ने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन जैसी पहल की है, जो सराहनीय कदम है। परंतु यह कार्य केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी संगठनों और तकनीकी विशेषज्ञों को भी इसमें भागीदारी करनी होगी। आधुनिक तकनीक का पूरा उपयोग करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें न केवल डिजिटलीकरण को आसान बना सकती हैं, बल्कि डेटा की सुरक्षा और खोजने की प्रक्रिया को भी विश्वसनीय बना सकती हैं। यहाँ हमें वैश्विक अनुभव से भी सीखना चाहिए। यूरोप में Europeana परियोजना के तहत लाखों दस्तावेज और कला कृतियाँ ऑनलाइन उपलब्ध कराई गईं। अमेरिका और जापान ने भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण कर उसे वैश्विक स्तर पर साझा किया। इन प्रयासों ने उन देशों की बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत किया। भारत यदि इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाता है, तो वह न केवल अपनी धरोहर को बचा सकेगा बल्कि विश्व को यह दिखा सकेगा कि ज्ञान की वास्तविक जन्मभूमि कहाँ है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भूपेन हजारिका का भी स्मरण किया। यह स्मरण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गहरी प्रतीकात्मकता रखता है। हजारिका ने अपने गीतों और संगीत के माध्यम से असम और भारत की आत्मा को स्वर दिया। उनकी रचनाएँ केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का स्रोत थीं। वे हमें यह बताते हैं कि संस्कृति जीवित रहे तो समाज जीवित रहता है। जिस प्रकार हजारिका की रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देंगी, उसी प्रकार पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण हमारी बौद्धिक स्मृतियों को अमर बनाएगा। इस संदर्भ में यह भी समझना होगा कि डिजिटलीकरण केवल संरक्षण का कार्य नहीं है। यह राष्ट्रीय पुनर्जागरण का अभियान है। जब हम अपने ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ेंगे, तब हम आत्मनिर्भर भारत के उस स्वप्न को साकार करेंगे, जिसमें परंपरा और नवाचार दोनों साथ चलते हैं। यह न केवल हमारी पहचान को सुदृढ़ करेगा बल्कि हमें वैश्विक मंच पर ज्ञान के वास्तविक स्वामी के रूप में स्थापित करेगा। यह ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भी बड़ा कदम होगा। आज की दुनिया में प्रतिस्पर्धा केवल आर्थिक संसाधनों या सैन्य शक्ति की नहीं है। प्रतिस्पर्धा इस बात की भी है कि किसके पास अधिक मौलिक ज्ञान और बौद्धिक संपदा है। यदि भारत अपनी पांडुलिपियों को डिजिटलीकृत कर उनका पेटेंट और स्वामित्व सुरक्षित कर लेता है, तो वह बौद्धिक संपदा की इस वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बन सकता है। इसके अलावा, यह हमारी युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी साधन बनेगा। जो पीढ़ी आज इंटरनेट और मोबाइल की दुनिया में पल रही है, उसे तभी अपनी परंपरा से वास्तविक परिचय मिलेगा जब वह उसे डिजिटल रूप में देखेगी, पढ़ेगी और समझेगी। पांडुलिपियाँ केवल अतीत का बोझ नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि ज्ञान कभी स्थिर नहीं रहता। उसे समयानुकूल सुरक्षित, संरक्षित और साझा करना आवश्यक है। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारी धरोहर केवल संग्रहालयों में बंद रह जाएगी और दुनिया उससे वंचित रह जाएगी। डिजिटलीकरण उस सेतु का काम करेगा जो अतीत की गहराई को भविष्य की संभावनाओं से जोड़ता है। निस्संदेह, पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण एक लंबा और कठिन कार्य है। परंतु यह वही कार्य है जिससे हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और बौद्धिक स्वाभिमान जुड़ा हुआ है। यह केवल किताबों और कागज़ों को सुरक्षित रखने का प्रश्न नहीं है, बल्कि हमारी आत्मा और पहचान को बचाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन कि डिजिटलीकरण बौद्धिक चोरी को रोकेगा, समय की पुकार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, समाज और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर इसे राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दें। पांडुलिपियाँ हमारी स्मृति हैं। उनका डिजिटलीकरण हमें यह विश्वास दिलाता है कि भारत केवल अतीत की भूमि नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा भी है। जब हम अपने ज्ञान को संरक्षित करेंगे और उसे आधुनिक तकनीक से दुनिया तक पहुँचाएँगे, तब सचमुच भारत उस स्थान पर पहुँचेगा जहाँ वह सदियों से होना चाहिए था—ज्ञान का वैश्विक नेतृत्वकर्ता।

-डॉ सत्यवान सौरभ

नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है

भारत एक ऐसे युग से गुजर रहा है जहां विकास आधुनिकता और वैश्वीकरण की चुनौतियाँ समानांतर रूप से सामने खड़ी हैं। इनमें सबसे खतरनाक और जटिल समस्या मादक पदार्थों (ड्रग्स) की है। यह समस्या केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ के लिए एक गंभीरसंकट है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि,ड्रग्स का अवैध कारोबार और उसका सेवन समाज की जड़ों को खोखला करता है, युवाओं की ऊर्जा को नष्ट करता है और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गहरा असर डालता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत ने नशा मुक्त भारत 2047 का लक्ष्य तय किया है, जो आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने तक एक ऐसे भारत की परिकल्पना करता है जहाँ मादक पदार्थों का अवैध कारोबार और सेवन पूरी तरह समाप्त हो सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ), एनसीओआरडी (नेशनल कोऑर्डिनेशन सेंटर द्धश्रह्न नकॉर्ड मैकेनिज्म)और नार्कोटिक्स कंट्रोलब्यूरो (एनसीबी) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।ड्रग्स की समस्या केवल सामाजिक या स्वास्थ्य संबंधी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ी है। ड्रग्स का पैसा आतंकी संगठनों और संगठित अपराध के लिए फंडिंग का प्रमुख स्रोत है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए यह खतरा और भी गंभीर है क्योंकि इसके पड़ोसी देशों में ड्रग्स उत्पादन और तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है। गोल्डन ट्राएंगल और गोल्डन क्रिसेंट क्षेत्र से भारत में ड्रग्स की तस्करी लंबे समय से होती रही है।इसीलिए भारत की एंटी नार्कोटिक्स नीति में राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं,क्योंकि आगामी 16-17 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में एकऐतिहासिक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें भारत के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुख,अन्य सरकारी विभागों के हितधारक तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नशा मुक्त भारत ञ्च 2047 के विज़न को ठोस आधार प्रदान करेगा और आने वाले वर्षों के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करेगा।भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन स्थापित एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ)को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मादक पदार्थों के खिलाफ एक संयुक्त तंत्र के रूप में गठित किया गया है।यह तंत्र आपूर्ति कम करने, मांग को नियंत्रित करने और नुकसान कम करने की नीति पर एक साथ काम करता है। एएनटीएफ का उद्देश्य केवल कानून प्रवर्तन तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में जागरूकता, शिक्षा और पुनर्वास को भी समान प्राथमिकता देना है। भारत के पीएम ने कई मौकों पर कहा है कि नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है।इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री की अगुवाई में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

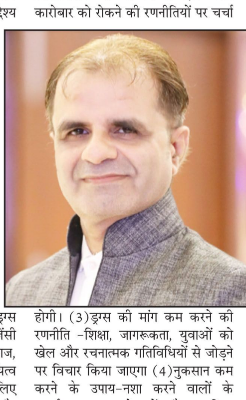

साथियों बात अगर हम सम्मेलन का विषय- संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी की करें तो इस द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी रखा गया है। यह विषय अपने आप में मादक पदार्थों की समस्या के समाधान का मूल मंत्र है। ड्रग्स की समस्या केवल एक विभाग या एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि पूरे समाज, सरकार और नागरिकों का सामूहिक दायित्व है। आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए पुलिस,सीमा सुरक्षा बल, तटरक्षक बल और कस्टम विभाग को मिलकर काम करना होगा। मांग कम करने के लिए शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठन अहम भूमिका निभाएँगे। नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्र, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक सक्रिय योगदान देंगे। इस प्रकार यह समस्या एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती है जिसे केवल साझा जिम्मेदारी के सिद्धांत से ही सफल बनाया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम,2 दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में तकनीकी सत्र-आठ विशेष विमर्श की करें तो भविष्य का रोडमैप और नीति निर्धारण- 2047 तक नशा मुक्त भारत का विज़न पूरा करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर मंथन होगा।ये आठ सत्र न केवल समस्या की गहराई को समझने का अवसर देंगे बल्कि समाधान की दिशा में ठोस कदम भी सुझाएँगे। (1)सम्मेलन के दौरान आठ तकनीकी सत्र (टेक्निकल सेशयंस)आयोजित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा और रणनीति बनाना है।(2)ड्रग्स आपूर्ति श्रृंखला की रोकथाम-इसमें अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क, सीमा पार तस्करी, डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाले कारोबार को रोकने की रणनीतियों पर चर्चा होगी। (3)ड्रग्स की मांग कम करने की रणनीति -शिक्षा, जागरूकता, युवाओं को खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विचार किया जाएगा (4)नुकसान कम करने के उपाय-नशा करने वालों के पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवाओं और मानसिक उपचार की दिशा में कदमों पर चर्चा होगी। (5) राष्ट्रीय सुरक्षा और ड्रग्स का संबंध- ड्रग्स से होने वाली आतंकी फंडिंग, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मुद्दों को संबोधित किया जाएगा। (6)कानून प्रवर्तन को सशक्त बनाना- पुलिस, एनसीबी और अन्य एजेंसियों के बीच समन्वय और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विमर्श होगा। (7) ड्रग्स और साइबर अपराध-डार्क वेब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग रोकने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों पर चर्चा होगी। (8) अंतरराष्ट्रीय सहयोग- पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग, सूचना साझा करने और संयुक्त अभियानों पर विचार होगा।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट-2024 जारी करेंगे। इस रिपोर्ट में बीते वर्ष में ड्रग्स की जब्ती, गिरफ़्तारियाँ, अवैध नेटवर्क का खुलासा और निवारक कदमों का विस्तृत विवरण होगा। साथ ही, श्री शाह ऑनलाइन ड्रग विनष्टीकरण अभियान (ड्रग डिस्पोजल कैंपेन) की शुरुआत करेंगे। यह अभियान एक अनोखी पहल होगी जिसमें जब्त किए गए मादक पदार्थों का निपटान पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित तरीके से किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम,आपूर्ति, मांग और नुकसान कम करने की रणनीति तथा होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच की करें तोमादक पदार्थों की समस्या को तीन स्तरों पर समझा जाता है-(1)आपूर्ति कम करना-यानी ड्रग्स की तस्करी, उत्पादन और वितरण पर नियंत्रण।(2)मांग कम करना-यानी समाज में नशे की लत को रोकना और जागरूकता फैलाना(3) नुकसान कम करना-यानी नशे के शिकार लोगों का इलाज और पुनर्वास।

भारत ने इन तीनों स्तरों पर रणनीतियाँ अपनाई हैं। सीमा पार निगरानी बढ़ाना, ड्रोन और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, कस्टम और पुलिस को मजबूत करना आपूर्ति रोकने की दिशा में अहम कदम हैं। मांग कम करने के लिए युवाओं में खेलकूद, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया जा रहा है। होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच-इस समस्या से निपटने के लिए केवल गृह मंत्रालय या एनसीबी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए एक होल ऑफ द गवर्नमेंट एप्रोच की आवश्यकता है। यानी केंद्र और राज्य सरकारों के सभी विभाग-शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सामाजिक न्याय, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और विदेश मंत्रालय-सभी को मिलकर काम करना होगा। इसके साथ ही गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओस) , नागरिक समाज और मीडिया की भी अहम भूमिका होगी। तभी यह लड़ाई व्यापक और सफल हो सकेगी।

साथियों बात अगर हम पहले सम्मेलन (अप्रैल 2023) और उसकी उपलब्धियों व राष्ट्रीय सुरक्षा और मादक पदार्थ को समझने की करें तो,अप्रैल 2023 में पहली बार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एएनटी एफ प्रमुखों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ था।उस सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे, जिनमें प्रमुख थे,(1) सभी राज्यों में विशेष एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स यूनिट का गठन। (2)ड्रग्स जब्ती और तस्करी से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए राष्ट्रीय डेटा बैंक की स्थापना। (3)सीमा पार से होने वाली तस्करी पर रोक के लिए सीमा सुरक्षा बलों और एनसीबी के संयुक्त अभियान। (4)युवाओं और छात्रों में जागरूकता के लिए स्कूल-विश्वविद्यालय आधारित अभियान। (5)जब्त मादक पदार्थों का समयबद्ध निपटान।इनमें से लगभग 70-75 प्रतिशत निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन राज्यों द्वारा किया गया है। उदाहरण के लिए, कई राज्यों में विशेष एएनटीएफ, इकाइयाँ बन चुकी हैं, बड़े पैमाने पर ड्रग्स की जब्ती हुई है, और राष्ट्रीय स्तर पर ड्रग्स कीसूचनाओं का आदान-प्रदान अधिक प्रभावी हुआ है। हालांकि अभी भी कुछ क्षेत्रों जैसे सीमा पार तस्करी और ऑनलाइन ड्रग्स कारोबार में चुनौतियाँ बाकी हैं, जिन्हें इस दूसरे सम्मेलन में प्राथमिकता दी जाएगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किभारत ने 2047 तक नशा मुक्त भारत का जो लक्ष्य तय किया है, वह कठिन जरूर है लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत समन्वय, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सामाजिक जागरूकता-इन सभी की समान आवश्यकता है।एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स और एनसी ओआरडी इस दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर चुके हैं। अब आवश्यकता है कि आगामी 16-17 सितंबर 2025 का सम्मेलन इस लड़ाई को नई गति और दिशा दे।यदि भारत संयुक्त संकल्प और साझा जिम्मेदारी के सिद्धांत पर आगे बढ़े, तो निश्चित ही 2047 तक एक नशा मुक्त भारत का सपना साकार हो सकता है। यह न केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा का संदेश होगा।

-किशन सनमुखदास भावनानी

नेपाल जनविद्रोह- ये तो होना ही था

बिहार में दरभंगा-जयनगर के रास्ते 5 वर्ष पूर्व नेपाल जाने का अवसर मिला था । भारत नेपाल के सीमावर्ती नेपाली शहर जनकपुर के बीचोबीच देवी सीता को समर्पित हिन्दू-राजपूत वास्तुकला का एक प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिर एवं ऐतिहासिक स्थल है जिसे राम जानकी मंदिर के नाम से जाना जाता है। मेरे नेपाल प्रवास के उस दौर में जयनगर से लेकर जनकपुर तक की पूरी सड़क पर अधिकांश क्षेत्र में सिर्फ मिटटी पड़ी हुई थी। केवल कहीं कहीं बजरी पड़ी दिखाई देती थी। डामर रोलर और काली सड़कों का तो कहीं दूर तक नामो निशान ही नहीं था। रास्ते में कहीं बस का पहिया जमीन में धंसा दिखाई दे रहा था तो कहीं थ्री व्हीलर उल्टी पड़ी थी। बसों का तो आलम यह था कि टूटे शीशे व खिड़कियां, टूटी कष्टदायक सीटें,गोया कबाड़खाने से लाकर बसें चलाई जा रही हों। जनकपुर जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थल व पर्यटन नगरी की शहर की सड़कों में गड्ढे,बदबूदार और रुकी हुई नालियां ,शहर में खाने पीने का उपयुक्त होटल नहीं। जिस होटल में ठहरना हुआ उस होटल के प्रबंधक ने दोपहर करीब 12 बजे होटल में पहुँचने पर पहले ही बता दिया कि लाइट नहीं आ रही है रात 8 बजे आयेगी,रूम बुक कराना हो तो कराइये वरना तशरीफ ले जाइये। जब होटल प्रबंधक से नेपाल की इस दुर्दशा के बारे में पूछा तो उसने एक ही बात कही। भ्रष्टाचार तो भारत में भी है परन्तु वहां 50 प्रतिशत खाकर 50 प्रतिशत तो लगा ही देते होंगे। मगर हमारे नेपाल में तो 90 प्रतिशत खा जाते हैं केवल 10 प्रतिशत ही किसी योजना में लगाते हैं। उसी दिन यह एहसास हो गया था कि एक न एक दिन पानी सिर से ऊपर होगा और आज नहीं तो कल इसी नेपाल में भ्रष्टाचार के विरुद्ध विद्रोह जरूर पनपेगा।

खैर, नेपाल में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद,आर्थिक असमानता, युवा बेरोजगारी के विरुद्ध आखिरकार जनविद्रोह फूट ही पड़ा। सोशल मीडिया पर लगाये गये प्रतिबंध यानी युवाओं की सत्ता विरोधी आवाज को दबाने का सरकारी प्रयास इस हिंसक जनविद्रोह का बहाना बना। 8 सितंबर 2025 को शुरू हुये इस जनविद्रोह में राजधानी काठमांडू सहित नेपाल के अन्य प्रमुख शहरों में हजारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलनकारियों ने सरकार की भ्रष्ट नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की, जो जल्दी ही हिंसक हो गई। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी काठमांडू स्थित संसद भवन,सरकारी प्रशासनिक मुख्यालय,सिंह दरबार,प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रालयों और संसदीय कार्यालयों के परिसर ,सुप्रीम कोर्ट भवन,राष्ट्रपति भवन,राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निवास,नेपाली कांग्रेस पार्टी मुख्यालय,कम्युनिस्ट पार्टी मुख्यालय, निवर्तमान प्रधानमंत्री ओली के पार्टी मुख्यालय,5 सितारा हिल्टन होटल,नेपाल के सबसे बड़े मीडिया समूह कांतिपुर मीडिया हाउस,स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय भवन, तथा प्रांतीय विधानसभा भवन जैसी प्रमुख इमारतों को आग के हवाले कर दिया। काठमांडू की इन इमारतों के अलावा भी देशभर में अनेक सरकारी कार्यालयों, पुलिस स्टेशनों और नेताओं के घरों को निशाना बनाया गया।

इस दौरान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद रहा, और गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को भी क्षति पहुंची । इन्हीं हिंसक वारदातों में मृतकों की संख्या 51 पार कर गई। इनमें 21 प्रदर्शनकारी, नौ कैदी , तीन पुलिस अधिकारी और 18 अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। सेना को कर्फ्यु लगाकर सड़कों पर तैनात किया गया। कई मंत्रियों व उद्योगपतियों के घर कार्यालय व संस्थान आग के हवाले कर दिये गये। नेपाल में चले इन विरोध प्रदर्शनों के बाद आंदोलनकारियों की सहमति से सुशीला कार्की को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

इस आंदोलन की आग में भी शातिर राजनीतिज्ञ अपनी अपनी रोटियां सेकने की कोशिश करते दिखाई दिये। जहाँ तक राजनैतिक विश्लेषकों का सवाल है तो कोई इसे हिन्दू राष्ट्र का पक्षधर जन विद्रोह साबित करना चाह रहा है तो कोई इसे राजशाही की वापसी का संकेत बता रहा है। कोई इसमें अमेरिकी षड्यंत्र की गंध महसूस कर रहा है तो कोई इसे चीनी साजिश महसूस कर रहा है। परन्तु हकीकत यही है कि चाहे वह नेपाल में 240 वर्षों की पुरानी शाह वंश की राजशाही परंपरा रही हो या उसके बाद 28 मई, 2008 को स्थापित हुआ 17 वर्ष पुराना गणतंत्र। किसी भी दौर में नेपाल के समग्र विकास पर कोई भी काम नहीं हुआ। हद तो यह है कि सड़क बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी नेपाल किसी जमाने में भारत पर ही पूरी तरह आश्रित रहा करता था। नेपाल का बेरोजगार आज बड़ी संख्या में भारत में काम करता व काम की तलाश में आता दिखाई देता है।

सही पूछिए तो राजधानी काठमांडू के सिवा किसी प्रान्त शहर या जिले का नाम भी भारत या अन्य देशों के आम लोग नहीं जानते। आम लोगों को यह भी नहीं पता कि नेपाल 7 अलग अलग प्रांतों में बंटा हुआ कुल 77 जिलों का देश है। इस अनभिज्ञता का कारण यही है कि राजशाही से लेकर गणतांत्रिक सरकारों तक ने केवल राजधानी काठमांडू के विकास व इसके सौंदर्यीकरण पर ही जोर दिया। प्राय: सभी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन काठमांडू में ही हुआ करते थे। वैसे भी काठमांडू की प्रसिद्धि का कारण राजधानी होने के अतिरिक्त वहां का विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर भी है। इसलिये नेपाल का कोई अन्य जिला या शहर न तो विकसित हो पाया न ही प्रसिद्धि प्राप्त कर सका। इसे पूरे नेपाल के प्रति शाह घराने से लेकर गणतांत्रिक व्यवस्था संचालित करने वाले सभी राजनैतिक दलों के राजनेताओं तक की उदासीनता नहीं तो और क्या कहें ?

श्री लंका व बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में भड़का विद्रोह दुनिया के हर उन भ्रष्ट व बेलगाम सत्ताधीशों के लिये चेतावनी है जोकि जनता के मतों के बल पर उन्हें सुनहरे सपने दिखाकर सत्ता में तो आ जाते हैं परन्तु उसके बाद जनसरोकारों की बात करने के बजाये अपने सगे सम्बन्धियों को फायदा पहुँचाने में जुट जाते हैं। जनता सब देखती व समझती है कि किस तरह सत्ता मिलते ही नंगे भूखे राजनेता करोड़पति व अरबपति बन जाते हैं। किस तरह उनका अहंकार चौथे आसमान पर पहुँच जाता है। जनता देखती है कि किसतरह जनसमस्याओं से ध्यान भटका कर व्यर्थ के भावनात्मक मुद्दे उछालकर उन्हें वरगलाया जाता है। और जब इसी जनता के सिर के ऊपर से पानी बहने लगता है फिर वही होता है जो नेपाल में हुआ। चूँकि नेपाल भी दशकों से भ्रष्टाचार,बेरोजगारी व भाईभतीजावाद का शिकार था इसलिये नेपाल में एक न एक दिन जनविद्रोह तो होना ही था।

-निर्मल रानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। सुस्त कारोबार के बीच गुरूवार को अनाज मंडी में दलहनों में बाजार बने रहे। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों मुं बाजार मजबूत रहे। तिलहनों में सोयाबीन 4400 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। किराना जिंसों में शक्कर कालीमिर्च में सुस्ती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दलहनों में गुरूवार को व्यापार कमजोर ही देखा गया। चने सहित अन्य दलहनों में बाजार मजबूत बने रहे। खाद्य तेलों में कारोबारी मजबूती रही। तिलहनों में सोयाबीन 4400 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूती पर रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व कालीमिर्च में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4260, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2750-2900, विरूद्ध नगर 2950-3150, मीडियम 2900-3150, बोल्ड 3200-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3375-3400, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 825-850, एस.एस. डब्ल्यू 800-825, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3700-3750, (160) 4300-4350, (200) 5200-5400, (250) 5800-6000

तेल- सींगदाना 1340-1350, मुम्बई 1360-1370, राजकोट तेलिया 2140-2150, सोया साल्वेंट 1180-1190, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1290, धूलिया 1285, कड़ी 1290,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320-1325, मुम्बई पाम 1275, मुम्बई सोया 1285,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5500-5600, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। गुरूवार को विदेशी बाजारों की अगुवाई में स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में कीमतें मजबूत देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 133000, चॉंदी (99) 132900, टंच 132000, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 113200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 28 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.13 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 87.93 पर खुला, और फिर गिरावट के साथ 88.01 पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 16 पैसे टूट गया। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे बढ़कर 87.85 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी बढ़कर 97.03 पर पहुंच गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप किसी नए काम की शुरुआत करने की योजना बनाएंगे। आप किसी के कहने में आकर किसी भी वजह के काम में ना पड़ें। आप अपने आवश्यक कामों को कल पर न टालें और आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाना होगा, जिससे आपके काम समय से पूरे होंगे। धन को लेकर कोई काम रुका हुआ था, तो उसके भी पूरा होने की संभावना है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। व्यापार में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। यदि आपको कोई परिवार में कोई कलह लंबे समय से पैर पसारे हुए थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपको अपनी संतान से किसी किए हुए वादे को पूरा करना होगा। आप अपने पिताजी को कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आपको किसी पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में जीत मिलेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने खर्चो को थोड़ा कंट्रोल करने की आवश्यकता है। परिवार में कोई सदस्य यदि आपसे कोई सलाह मांगे, तो आपको उनकी बातों पर ध्यान देना होगा। माताजी की सेहत में गिरावट आ सकती हैं। आपको बेवजह के भागदौड़ लगी रहेगी, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी। आप अपने घर लिए कुछ घरेलू चीजों के खरीदारी कर सकते हैं। राजनीति की ओर कदम थोड़ा सोच समझकर भी बढ़ाएं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए निवेश संबंधी मामलों में अच्छा रहने वाला है, लेकिन आपको कोई हानि होने की संभावना है, इसलिए आप अपनी योजनाओं पर पूरा ध्यान लगाएं। आपको अपने व्यवसाय पर पूरा ध्यान देना होगा। किसी के साथ पार्टनरशिप थोड़ा सोच समझकर करें, जो विद्यार्थी कहीं बाहर जाकर पढ़ाई-लिखाई करना चाहते हैं, उनकी परीक्षा पूरी हो सकती है। आप किसी नए घर और दुकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी दूसरे के मामलों में बेवजह बोलने से बचना होगा। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं और आपका धन यदि डूबा हुआ था, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आपकी किसी बात को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे। सिंगल लोग यदि किसी से प्रेम करते हैं, तो वह तुरंत का इजहार कर सकते हैं, उनमे बेहतर रिजल्ट मिलेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए खर्चो से भरा रहने वाला है। आपको कोई आंखों से संबंधित समस्या हो सकती है। आपको घर परिवार में किसी सदस्य की कोई बात बुरी लग सकती है। आपकी कोई छुपा हुआ राज परिवार के सदस्यों के सामने आ सकता है, जो आपकी टेशनों को बढ़ाएगा और लड़ाई-झगड़े भी बढ़ेंगे। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। आपके रिश्ते में एक नयापन आएगा। जीवनसाथी से आपकी खूब पटेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम के मामले में कमजोर रहेगा। उतार-चढ़ाव रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आप किसी नए घर का काम शुरू कर सकते हैं। यदि आप किसी यात्रा पर जाएंगे, तो उसमें आपकी कोई प्रिय वस्तु खोने व चोरी होने की संभावना है। वाहन की खराबी के कारण आपकी समस्याएं बढ़ेगी। आपको भाई और बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। प्रॉपर्टी को लेकर भी कोई बंटवारा हो सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों से राय लेनी होगी।

वृश्चिक- आज आपको अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देना होगा, तो आप कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले में आप अपने आंख और कान खुले रखें और किसी से बेवजह वाद विवाद में ना पड़ें। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। कार्यक्षेत्र में आप लोगों से अपने काम से काम मतलब रखें। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है।

धनु- आज का दिन आपके लिए कठिनाइयां लेकर आएगा। आपको कामों में विघ्न आते रहेंगे। आपका बॉस से भी आपकी कहासुनी हो सकती है, जिससे आपके प्रमोशन पर रोक लग सकती है। संतान अच्छा करने की पूरी कोशिश करेगी। आपको उनके मन में चल रही समस्याओं को दूर करने की आवश्यकता है। आपको अपने परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मकर- आज आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। व्यापार में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपको कोई प्रिय वस्तु उपहार स्वरूप प्राप्त हो सकती है, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आपको किसी काम को लेकर यदि समस्या आ रही है, तो वह दूर होती दिख रही है।

कुंभ- आज के दिन नौकरी में कार्यरत लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप किसी विरोधी के बातों में ना आएं। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को थोड़ा सोच समझकर निवेश करने की आवश्यकता है। पिताजी आपको कोई जिम्मेदारी देंगे, उस पर आप खरे उतरेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य मामलों में कमजोर रहने वाला है। आपके विरोधी कार्यक्षेत्र में आपको मात देने की कोशिश करेंगे, लेंकिन आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सोच समझकर करना होगा। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। व्यापार में आप अपने काम करने के तरीके में बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छा रहेगा।

शब्दजाल- 8025

म	अ	मु	श	सी	ज	ब	ज	ग	ल	ट
रा	ज	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	ड़
य	प	आ	हे	ज	दी	ना	अ	व	प	रू
इं	नौ	ब	का	ब	वा	स	त	ल	ट	प
प	ना	ह	प्या	र	तो	हो	स	ही	था	त
अ	न	क	प	र	स्व	ल	वी	ण	ई	व
द	नु	न	न	ट्रे	रू	ड्र	र	ज	व	र
क	र	कृ	प	क्श	प	का	र	चो	श	ख
र	व	त	ति	रा	हो	प	य	अ	रे	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	प	द
क	ड	क	अ	ध	न	चि	त्र	ब	त	म

शब्दजाल में 'आकृति' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

बनावट, रूप, शक्ल, स्वरूप, आकार, अनुकृति, आरेख, चित्र, तसवीर, नाकनक्श

शब्दजाल - 8024 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6969

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉंसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

फिल्म वर्ग पहेली - 6968

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8493

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी -3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8492 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.38 बजे से
चंद्र	कर्क में	तुला	07.53 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.08 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.29 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.15 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.48 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.19 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.59 बजे से
		मिथुन	22.57 बजे से
		कर्क	01.10 बजे से
		सिंह	03.26 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 262 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 23.38 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 07.06 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 20.41 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.28 बजे तदनन्तर वणिज 23.38 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 01° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872472 **जूलियन दिन** 2460937.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 26 **विशेष** त्रयोदशी श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः नागरिकों का महत्व

एक बार मगध की सेना ने कौशल राज्य पर चढ़ाई कर दी और कौशल नरेश को उनके अंगरक्षकों तथा कुछ और व्यक्तियों के साथ एक स्थान पर घेर लिया। यह देखकर कौशल नरेश ने मगध के सेनानायक से कहा कि वह उनके सामने बिना किसी प्रतिरोध के समर्पण कर देंगे यदि उनके साथ आए हुए दस व्यक्तियों को यहां से सकुशल जाने दिया जाए। सेनानायक ने यह शर्त मान ली और दस व्यक्तियों को सकुशल छोड़ दिया। फिर उसने कौशल नरेश को बंदी बनाकर मगध सम्राट के सामने प्रस्तुत किया। और उन्हें सारा विवरण भी सुनाया। यह सुनकर मगध सम्राट भी हैरान हो गए। उन्होंने कौशल नरेश से पूछा, 'जिन व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए आपने स्वयं को कैद करवा दिया, वे कौन थे?' कौशल नरेश बोले, 'राजन, वे हमारे राज्य के महत्वपूर्ण विद्वान और संत थे। मैं भले मारा जाऊं मगर उनका जीवित रहना जरूरी है। वे रहेंगे तो राज्य में आदर्श, कर्त्तव्य, दया, परोपकार, सत्यनिष्ठा आदि की परंपराएं व भावनाएं जीवित रहेंगी। ऐसा होने से कर्त्तव्यनिष्ठ नागरिकों के निर्माण का कार्य बराबर होता रहेगा तथा उपयुक्त शासक भी पुनः पैदा हो जाएंगे। राष्ट्र की सच्ची संपत्ति उसके श्रेष्ठ नागरिक ही होते है। और उन्हें बनाने वाले होते हैं ये विद्वान और संत।' मगध के राजा कौशल नरेश की ये बातें सुनकर दंग रह गए। उन्होंने कहा, 'जिस राज्य में जनकल्याण में लगे सत्पुरुषों को इतना महत्व दिया जाता है, वहां की शासन-व्यवस्था में परिवर्तन की कोई जरूरत नहीं है। उससे तो हमें भी प्रेरणा लेनी चाहिए।' यह कहकर उन्होंने कौशल नरेश को मुक्त कर दिया।

सूडोकु नवताल- 7278

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7277 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 320 अंक करीब 0.39 फीसदी बढ़कर 83,013.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.35 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी बढ़कर 25,423.60 पर बंद हुआ। फार्मा शेयरों में तेजी के साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। जिससे बाजार उछला है। आज निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.50 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी ऑटो 0.32 फीसदी, निफ्टी वित्तीया सेवा 0.51 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.38 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.32 फीसदी और निफ्टी निजी बैंक 0.44 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.18 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.07 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.35 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.05 फीसदी टूटकर बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 224.65 अंक की तेजी के साथ 59,073.20 पर था और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.75 अंक बढ़कर 18,476.95 पर था। सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, एचयूएल, पावर ग्रिड, आईटीसी, पावर ग्रिड, आईटीसी, एक्सिस बैंक के शेयर ऊपर आये जबकि टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल और एसबीआई के शेयरों में नुकसान हुआ।

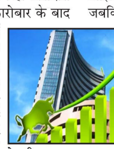

इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। सेंसेक्स 400 से ज्यादा अंक उछलकर 83,108 पर खुला। खुलते ही यह 83,141 अंक तक च? गया। सुबह खुलने के बाद यह 377.88 अंक की ब?त लेकर 83,071.59 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ 25,441 अंक पर खुला। सुबह खुलते ही यह 102.10 अंक की बढ़त के साथ 25,432 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर को घटाकर 4 प्रतिशत से 4.25 प्रतिशत के बीच कर दिया। अमेरिका बाजार में डॉव जोंस कुछ समय के लिए ऑल टाइम है पर पहुंचने के बाद भी 0.57 फीसदी की बढ़त के साथ 46,018.32 पर बंद हुआ। दूसरी तरफ, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 6,600.35 पर और नैस्डैक कंपोजिट 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 22,261.33 पर बंद हुआ।

यूरोपीय यूनियन ने कहा, व्यापार वार्ता में और प्रगति होगी

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा के एक अधिकारी आयुक्त मारोश शेफचोविच ने बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि पिछले सप्ताह नई दिल्ली की उनकी यात्रा के दौरान व्यापार वार्ता में और प्रगति होगी क्योंकि व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दिसंबर की समय सीमा बेहद करीब है। शेफचोविच ने ब्रसेल्स में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा ?कि मैं पिछले सप्ताह भारत गया था। बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रयास में यह इस साल भारत की मेरी तीसरी यात्रा थी। मैं भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री (पीयूष गोयल) के साथ लगातार संपर्क में हूं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय वार्ताकार अपने कड़े रुख के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि ईयू अपने हितों को दृढ़ता से रक्षा करेगा। भारत ने अपने दूसरे सबसे बड़े निर्यात ठिकाने यूरोपीय संघ के साथ वार्ता को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्णय किया था क्योंकि अमेरिका के साथ तनाव बढ़ गया था और निर्यातक अमेरिका के साथ व्यापार समझौता न होने की स्थिति में माल को खपाने के लिए एक बड़े बाजार की तलाश में थे। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि दोनों पक्ष साल के अंत तक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि अब साझा हितों पर आधारित साझेदारियों पर दोगुना प्रयास करने का समय आ गया है। अपनी नई यूरोपीय संघ-भारत रणनीति के साथ हम अपने संबंधों को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच वाहन, कृषि, शराब, सेवाओं और गैर-शुल्क उपायों पर अब भी मतभेद बने हुए हैं क्योंकि भारत इन्हें संवेदनशील मानता है और अब भी इन पर बातचीत चल रही है।

पेंशन स्कीम का नया नियम 1 अक्टूबर से

नई दिल्ली। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में 1 अक्टूबर से बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने नए नियमों की घोषणा की है। इस नए नियम को मल्टीपल स्कीम फ्रेमवर्क (एमएसएफ) कहा जा रहा है, जो एनपीएस को ज्यादा सरल और हर किसी की जरूरत के हिसाब से बनाएगा। यह बदलाव खासतौर पर कॉर्पोरेट कर्मचारियों, गिग वर्कर्स और प्रोफेशनल्स के लिए फायदेमंद होगा। पहले एनपीएस में एक पैन नंबर पर सिर्फ एक स्कीम में निवेश की अनुमति थी लेकिन अब नए नियम के तहत आप एक ही अकाउंट से कई स्कीम्स में पैसा लगा सकेंगे। यानी कि आप अपनी जरूरत और जोखिम लेने की क्षमता के हिसाब से अलग-अलग स्कीम चुन सकते हैं। अगर आप ज्यादा रिटर्न चाहते हैं और जोखिम ले सकते हैं, तो हाई रिस्क स्कीम चुन सकते हैं, जिसमें 100 फीसदी तक इक्विटी में निवेश हो सकता है। अगर आप कम जोखिम चाहते हैं, तो मीडियम रिस्क स्कीम भी होगी. हर स्कीम में कम से कम दो ऑप्शन होंगे, ताकि आपको अपनी पसंद के हिसाब से निवेश करने की आजादी मिले। इस नई व्यवस्था में पेंशन फंड्स को कॉर्पोरेट कर्मचारियों, गिग वर्कर्स और प्रोफेशनल्स जैसे अलग-अलग ग्रुप के लिए खास स्कीम्स लाने की छूट होगी। इससे हर तरह के निवेशक को अपनी जरूरत के हिसाब से स्कीम मिलेगी। हालांकि एनपीएस से पैसे निकालने के नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आपको पहले की तरह रिटायरमेंट के बाद एन्युइटी खरीदनी होगी. अगर आप एक स्कीम से दूसरी स्कीम में स्विच करना चाहते हैं, तो यह 15 साल पूरे होने पर या सामान्य एग्जिट के समय ही कर सकते हैं। यह नया स्ट्रचर आपके लिए ज्यादा ऑप्शंस, ज्यादा कंट्रोल और अपनी जरूरत के हिसाब से निवेश का मौका देगा। पेंशन फंड्स के लिए भी यह इनोवेशन और कॉम्पिटिशन बढ़ाने का मौका है।

बस स्टैण्ड सराय कॉम्प्लेक्स स्थित पानी टंकी हुई जीर्ण शिर्ण

जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने डिस्मेंटल के लिए नगर परिषद को लिखा पत्र

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में विगत समय से पानी टंकी को लेकर मुद्दे गरमाये हुये है। थानेगांव हादसे के बाद से क्षेत्रीय विधायक के द्वारा पीएचई विभाग को सभी पानी टंकीयो के जांच के आदेश दिये गये है। इसी संबध में लांजी जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष अजय अवसरे के द्वारा भी लांजी नगर के बस स्टैण्ड सराय कॉम्प्लेक्स स्थित पानी की टंकी जो कि जीर्ण शिर्ण अवस्था में है इस टंकी के डिस्मेंटल को लेकर पत्र लिखकर टंकी ध्वस्त करने की मांग अजय अवसरे के द्वारा नगर परिषद लांजी से की गई है। अजय अवसरे ने बताया कि सराय कॉम्प्लेक्स में 30-35 वर्ष पुरानी जीर्ण-शीर्ण पानी टंकी को तत्काल ध्वस्त किया जाये। उन्होंने जनपद पंचायत की सामान्य प्रशासन बैठक में लिए गए निर्णय का हवाला देते हुए नगर परिषद लांजी और लोक स्वस्थ यांत्रिकी विभाग को पत्र लिखा है। इस कदम का उद्देश्य निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में किसी भी प्रकार की जनहानि को रोकना है। अवसरे ने बताया कि सराय कॉम्प्लेक्स में स्थित यह पुरानी पानी की टंकी लंबे समय से खस्ता हाल में है, जो कभी भी गिर सकती है। 卐जनपद पंचायत की हालिया बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई और ध्वस्त करने का स्पष्ट निर्णय लिया गया। हमने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि बिना देरी के कार्रवाई करें, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना न हो, उन्होंने कहा। लांजी के निवासियों, व्यापरियो ने भी इस मांग का समर्थन किया है। उनका ने भी कहा, यह टंकी सराय परिसर, निवास क्षेत्र मे जहाँ भारी भीड़ रहती है । अगर समय रहते ध्वस्त नहीं की गई तो बड़ा हादसा हो सकता है। अजय अवसरे के द्वारा दोनो ही विभाग नगर परिषद लांजी एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से मांग की गई है जल्द से जल्द उक्त संबध में जनहित में निर्णय लेकर पानी टंकी का डिस्मेंटल किया जाये ताकि अग्रिम समय में किसी भी प्रकार की दुर्घटना घटित ना हो सके।

नगर परिषद ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कोटेश्वर मंदिर परिसर में चलाया सफाई अभियान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी के द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर में स्वच्छता सफाई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है जिसका शुभारंभ 17 सितंबर को विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा बस स्टैण्ड परिसर में सफाई कर किया गया। इसी कड़ी में 18 सितंबर को सुप्रसिद्ध कोटेश्वर धाम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के तहत प्लास्टिक पर भी प्रतिबंद्ध लगाया गया है। मयूर वाहने मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद् लांजी के मार्गदर्शन में निकाय क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्र. 01 स्थित कोटेश्वर मंदिर परिसर में निकाय के परिषद पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों तथा स्वच्छता ब्रांड एम्बेसिडर सहित सफाई मित्रो के साथ मिलकर श्रमदान किया गया तथा मंदिर परिसर के आस-पास फैले कचरे को झाडू लगाकर जमा कर कचरे का निपटान किया गया तथा मंदिर में आने वाले श्रृध्दालुओ को प्लास्टिक पन्नी तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में समझाते हुए फुल मालाये तथा प्रसादी हेतु कपड़े के थैले का उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। इस स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद् अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर, पार्षद विजय गोस्वामी, संजय सैयाम तथा पूर्व पार्षदों में संजु खोब्राड़े लिलाधर डोलस एवं जनप्रतिनियों में आलोक चौरसिया भाजपा मंडल अध्यक्ष तथा नगर परिषद् लांजी के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसिडर संतोष मोरघड़े एवं महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष मंजु भालाधरे, मनीषा दुग्गड़ एवं समस्त कर्मचारी एवं सफाई मित्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय में स्वच्छता ही सेवा अभियान का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत 18 सितंबर को शासकीय महाविद्यालय, लांजी में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का संचालन प्राचार्य प्रो. आर. आर. सोनवाने के मार्गदर्शन में और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम अधिकारी नितेश मेश्राम के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसएस के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अभियान को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. डालेश कुमार विजयवार (हिन्दी विभाग), महेश कुमार दमाहे (गणित विभाग), वरिष्ठ छात्र सफीक खान, महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, और छात्र-छात्राओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह अभियान स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और परिसर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो. सोनवाने ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया।

विश्वकर्मा लोहार समाज ने मनाया विश्वकर्मा पूजन दिवस

विद्यार्थियों का किया सम्मान, नई कार्यकारिणी का किया गठन, राजकुमार सोनवाने अध्यक्ष व पुष्पा विश्वकर्मा महिला अध्यक्ष निर्वाचित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। 17 सितम्बर को मां काली मंदिर परिसर लांजी में श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन लांजी के तत्वावधान में प्रांतीय अध्यक्ष डॉ संतोष विश्वकर्मा के मुख्यातिथि में और रविन्द्र विश्वकर्मा जिला सह सचिव के विशिष्ट आतिथ्य में भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। पूजन आरती के पश्चात् कार्यक्रम में पधारे अतिथियों द्वारा देव शिल्पी विश्वकर्मा जी के बारे में बताया गया साथ ही समाज को विकास की मुख्य धारा से कैसे जोड़ा जाए इस पर वक्ताओं ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम की अगली कड़ी में मेधावी विद्यार्थियों का शिल्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिसमें कक्षा 5 से वंश पन्द्राम, निखिल बावने कक्षा 8 से रिध्दी साउसकार, इलेश ओंकार कक्षा 10 से पूनम मेश्राम, व कविता मेश्राम को सम्मानित किया गया। अंत में श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन लांजी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सामाजिक बंधुओं ने एक बार फिर से राजकुमार सोनवाने पर अपना विश्वास कायम रखते हुए पुन: अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया। कार्यकारी अध्यक्ष हेतु सुरेन्द्र सोनवाने, चन्द्रभान उके को उपाध्यक्ष, डॉ कमल सोनटक्के को सचिव, बंशोरीलाल पन्द्राम को सह सचिव, रमेश पन्द्राम को कोषाध्यक्ष, मूलचन्द बागड़े को सह कोषाध्यक्ष, सोनिया प्रसाद मेश्राम मीडीया प्रभारी, हीरालाल सोनटक्के संगठन मंत्री, भोजराम शेन्डे संयोजक, ईश्वर सोनवाने मंच संचालक एवं सदस्यों में फिरोज बागड़े, चूड़ामन उके, विनोद कोसरे, हुलासराम ओंकार, कमल उके, भागचंद बागड़े, देवराम बागड़े को उपस्थित समाज जनों ने निर्वाचित किया। उसी प्रकार महिला संगठन से श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा को अध्यक्ष, पूरनाबाई उके को उपाध्यक्ष, मनिषा बागड़े सचिव, प्रीति सोनवाने सह सचिव, उमा पन्द्राम कोषाध्यक्ष, सपना ओंकार संगठन मंत्री, दुर्गा मेश्राम मीडीया प्रभारी, प्रमिला उके, अनिता सोनवाने, सुमित्रा सोनवाने, राखी बागड़े को सदस्य निर्वाचित किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रांतीय अध्यक्ष डॉ संतोष विश्वकर्मा के द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी वितरण किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में धनलाल उके, मंगलू विश्वकर्मा, धनीराम साउसकार, आदि अन्य सामाजिक जन उपस्थित रहें।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत बिसोनी में ब्लॉक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिसोनी में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत आयुष विभाग लांजी द्वारा 18 सितंबर को ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना और लोगों को आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक उपचार उपलब्ध कराना था। शिविर में ग्राम पंचायत के प्रमुख प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति ने इसे और प्रभावी बनाया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती वर्षा विजय वारे, पूर्व सरपंच विजय वारे, उपसरपंच पवन कश्यप, और सचिव नीलेश्वर मोरघड़े मौजूद रहे। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. प्रितेश मते (नोडल अधिकारी), डॉ. प्रशांत पाटिल, डॉ. ओ. पी. नेवारे, डॉ. मानसी राहंगडाले, और डॉ. विशाल कुर्मेती ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इसके अतिरिक्त, शासकीय होम्योपैथिक औषधालय लांजी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर देवलगांव, नंदौरा, पालडोंगरी, और कारंजा के पैरामेडिकल स्टाफ ने भी सक्रिय सहयोग दिया। शिविर में कुल 225 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, जिसमें 68 लोगों का होम्योपैथिक पद्धति और 157 लोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार किया गया। इसके साथ ही, रोगियों की रक्तचाप (बीपी), मधुमेह (शुगर), और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जांच भी की गई। शिविर में उपस्थित मरीजों को विभिन्न रोगों के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। यह आयोजन न केवल ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सफल रहा, बल्कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में ऐसे और शिविरों के आयोजन की मांग की।

निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण एसआईआर के संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धुर्वे ने राजनितिक दलों के साथ की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस धुर्वे द्वारा 17 सितंबर को निर्वाचक नामावली के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के लिए राजनितिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक ली गई। बैठक में राजनितिक दलों के प्रतिनिधियों में भारतीय जनता पार्टी से संजय अग्निहोत्री, शहर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष श्याम पंजवानी एवं बहुजन समाजवादी पार्टी से दुर्गेश बिसेन उपस्थित थे। बैठक में उप जिला निर्वाचन श्री धुर्वे ने जिले की विधानसभा क्षेत्रों में फोटो निर्वाचक नामावली 2025 के अंतिम प्रकाशन के विवरणों को गहन पुनरीक्षण 2003 के मतदाताओं की सूची में अंकित विवरणों से मिलान करके मतदाताओं की संख्या ज्ञात किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों की सूची मिलान किए जाने के लिए अनुलग्नक-1, अनुलग्नक 2 एवं अनुलग्नक 3 में जानकारी चाही गई है, जो समस्त विधानसभा के बीएलओ द्वारा भरकर आयोग को प्रेषित किया जाना हैं। जिसके संबंध में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा भी राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धुर्वे ने निर्वाचक नामावली का गहन पुनरीक्षण 2003 के डाटा एवं 2025 की निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं के विवरण की मैपिंग अर्थात एसआईआर के संबंध में अन्य सुझाव एवं जानकारी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ

हट्टा मे आयोजित हुआ स्वास्थ शिविर

हट्टा(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा प्रदेश मे 17 सितंबर 2025 से 02 अकटूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जा रहा है इस अभियान के अंतर्गत दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाने हेतु जिला मेडिकल बोर्ड के चिकित्सक एवं डी डी आर सी के कर्मचारीयों की सेवाये लगाई जाती है इसी के तहत आज दिनाक 18/09/2025 को ग्राम हट्टा मे स्वास्थ शिविर का आयोजन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक किया गया जिसमे जिला मेडिकल बोर्ड से डॉ एन आर रंगारे (अस्थि रोग विशेषज्ञ) डॉ उन्नति पिछोड़े (नेत्र रोग विशेषज्ञ) डॉ प्रशांत जैन (मनोरोग विशेषज्ञ) डॉ विशेष नाग (ई एन टी विशेषज्ञ) विरेन्द्र कुमार डाहाटे (सीनियर फिजियोथेरिपिस्ट) महेंद्र सिंह पवार (मोबिलिटी इंस्ट्रक्टर) हेमंत कुमार लखेरा (जूनियर स्पीच थेरेपिस्ट) सुश्री रश्मि सिन्हा (सीनियर स्पीच थेरेपिस्ट आडिऑलोजिस्ट) ने अपनी सेवाये दी । इस शिविर मे कुल 60 दिव्यागों का पंजीयन हुआ और 55 लोगों की, द्ब बेस्ड एण्ड ओल्ड डिजिटल एक्सरे मशीन द्वारा टी बी रोग व खखार की जांच अंकुश माहुले रेडियोग्राफर जिला चिकित्सालय बालाघाट व आकांक्षा रंगारे लेब टेक्नीशियन पी एस सी हट्टा के द्वारा की गई। उक्त कार्यक्रम मे जनपद सदस्य रंजना वैध , सामाजिक सुरक्षा अधिकारी स्वेता वैध , पंचायत समन्वयक अधिकारी सुरेश श्रीवास्त्री, सरपंच उमेश सोनेकर, उपसरपंच वीरेंद्र बिसेन, सचिव राजेन्द्र पिछोड़े, सहायक सचिव मंगलेश पटले व पंचायत के पंचगण , ग्राम खोड़सिवनी सचिव लालजी दमाहे , ग्राम परसवाड़ा सचिव सेवकराम पाँचे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहें।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सरकार नए नियम से ही देगी पदोन्नति!

सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन में आरक्षण का मामला

भोपाल। मप्र में पदोन्नति हासिल करना सरकारी कर्मचारियों के लिए दूर की कौड़ी बनता जा रहा है। हर बार जब उम्मीद की एक नई किरण दिखती है, कोई न कोई रुकावट आ जाती है। फिलहाल जो हालात हैं उसे देखकर लगता है कि पदोन्नति के नए या पुराने नियम से ज्यादा कर्मचारी संगठनों की आपसी राजनीति इस प्रक्रिया पर भारी पड़ रही है। जिसकी वजह से पदोन्नति के लिए बने नए नियम भी कानूनी दांव पेंच में उलझते नजर आ रहे हैं। उधर, सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोर्ट का आदेश जो कुछ भी लेकिन अब पदोन्नति नए नियम से ही होगी। इन्हें सुप्रीम कोर्ट के पदोन्नति में आरक्षण संबंधी विभिन्न दिशा-निर्देशों की रोशनी में सभी पक्षों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

गौरतलब है कि प्रदेश में 9 साल बाद पदोन्नति की आस लगाए बैठे कर्मचारियों की उम्मीदों को नई जान मिली थी। जब मोहन यादव की सरकार ने पदोन्नति के नए नियम फाइनल कर दिए थे। सरकार की इस तैयारी से ये लगने लगा था कि बस अब प्रमोशन मिलकर ही रहेगा। लेकिन, अरमान जिस तेजी से सजे थे उतनी ही तेजी से ढह भी गए। नए नियमों के खिलाफ सपाक्स ने याचिका दायर कर दी जिसके चलते जबलपुर हाईकोर्ट नए नियमों के तहत भी प्रमोशन मिलने पर रोक लगा थी। वहीं प्रदेश में नौ वर्ष से बंद पदोन्नति को फिर प्रारंभ करने के लिए हाई कोर्ट जबलपुर में सुनवाई हुई

तो 2002 के नियम की बात उठी। पूछा गया कि यदि सुप्रीम कोर्ट से 2002 के नियम को हरी झंडी मिल गई तो क्या उसे ही मानेंगे या फिर नए नियम से पदोन्नति की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अब पदोन्नति नए नियम से ही होगी। इन्हें सुप्रीम कोर्ट के पदोन्नति में आरक्षण संबंधी विभिन्न दिशा-निर्देशों की रोशनी में सभी पक्षों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

नियमों की फांस में सरकार

दरअसल, सरकार 2002 के पदोन्नति नियम से पदोन्नत हुए अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों को पदावनत नहीं करना चाहती है इसलिए सुप्रीम कोर्ट में पुराने नियम की लड़ाई लड़ रही है। वहीं, सामान्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (सपाक्स) का मानना है कि सरकार असमंजस में है इसलिए न्यायालय के समक्ष पुराने और नए नियम की बात कर रही है। सरकार का तर्क है कि 2002 के नियम स्थगित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। जबकि, हाई कोर्ट जबलपुर में 2016 में नियम निरस्त कर चुका है। इसी निर्णय को तो सुप्रीम कोर्ट में सरकार द्वारा चुनौती दी गई है। सपाक्स के संस्थापक अध्यक्ष केपीएस तोमर का कहना है कि सरकार के स्तर पर असमंजस की स्थिति है। एक ओर पुराने नियम को लेकर हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई तो दूसरी ओर नए नियम बना दिए। अब कहा जा रहा है कि पदोन्नति नए नियम से देंगे तो फिर पुराने को लेकर लड़ाई क्यों लड़ी जा रही है। यही स्थिति यथास्थिति पदावनति को लेकर भी है। दरअसल, सरकार को यह डर था कि यदि पुराने नियम से पदोन्नत हुए अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों को पदावनत किया जाता तो इसका सियासी नुकसान हो सकता है। यही कारण है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका लगाई। अब जो स्थिति बन रही है, उसमें यदि पुराने नियम को हरी झंडी मिल जाती है तो दो नियम रहेंगे।

सरकार तय नहीं कर पा रही है कि करना क्या है

प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति का मामला फिलहाल पूरी तरह उलझा हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहल की पर अधिकारी रास्ता निकालने में विफल रहे।मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि जिस विवादित विषय को कोई हाथ नहीं लगा रहा था, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए पहल की। उनकी मंशा भी यही थी कि रास्ता निकलना चाहिए पर अधिकारी इसमें विफल रहे। सुनवाई में जो तर्क सामने आ रहे हैं, उससे साफ है कि सरकार तय नहीं कर पा रही है कि आखिर करना क्या है। जब नए नियम बना लिए तो पुराने को लेकर दायर याचिका वापस ली जानी चाहिए थी। यथास्थिति की भी नई परिभाषा निकाली गई है कि हाई कोर्ट द्वारा निरस्त नियम स्थगित हैं। जब नए नियम लाए ही हैं तो फिर याचिका वापस लेकर उस पर अडिग रहना चाहिए। लेकिन ऐसा न करके असमंजस की स्थिति बनाई जा रही है। इससे तो ऐसा लगता है कि अधिकारी मामले को लंबा खींचना चाहते हैं ताकि न पदोन्नति देनी पड़े और न किसी को पदावनत करना पड़े।

नई पॉलिसी क्यों लाई गई...

गत दिनों हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई करते हुए राज्य शासन पर एक के बाद एक सवाल दागे। हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा कि जब पुरानी पॉलिसी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है और मामला विचाराधीन है तो नई पालिसी क्यों लाई गई। कोर्ट ने यह भी पूछा कि सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने कहा है तो यहां नए नियम के तहत क्यों दिए जा रहे प्रमोशन। सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन याचिकाएं यदि स्वीकार की जाती हैं तो नए के तहत किए जाने वाले पदोन्नति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि याचिकाएं निरस्त होती हैं तो नए नियम के तहत किए जाने वाली पदोन्नति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 16 सितंबर को सुनवाई के दौरान मप्र शासन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन व महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने अवगत कराया कि सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से परिपत्र जारी कर वर्तमान स्थिति पर स्पष्टीकरण जारी करेंगे। कोर्ट ने कहा अब स्पष्टीकरण आने के बाद सुनवाई करेंगे। अगली सुनवाई 25 सितंबर को निर्धारित की गई है। महाधिवक्ता द्वारा पूर्व में दी गई मौखिक अंडरटेकिंग के चलते फिलहाल नई पॉलिसी से प्रमोशन रुके हुए हैं।

रेप मामले में सलाखो के पीछे पहुचें वकील यावर खॉन पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

भोपाल। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद वकील यावर खान सहित पॉच लोगो के खिलाफ कमला नगर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोप है कि यावर खान और उसके करीबीयों ने एक मेडिकल संचालक के मकान को बेचने की नियत से अखबार में फर्जी विज्ञापन छपवाया था, जैसे ही संचालक ने अखबार ने विज्ञापन पढ़ा तो उन्होंने तुरंत पुलिस से शिकायत कर दी। पुलिस ने जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, सुरेश अग्रवाल (56), एमएलए क्वार्टर न्यू मार्केट में रहते है, उनका न्यू मार्केट में मेडिकल स्टोर है। उनका कमला नगर इलाके में स्थित वैशाली नगर में एक 3900 वर्ग फीट के मकान है। सुरेश का आरोप है, कि आरोपी प्रॉपर्टी ब्रोकर बनकर उनसे मिले थे। मकान की जानकारी लेने के बाद फर्जी दस्तावेज तैयार कर अखबार में मकान

बेचने का फर्जी विज्ञापन छपवाया गया था। यावर ने 18 अगस्त 2025 को समाचार पत्र में जाहिर सूचना प्रकाशित कराई कि मकान नंबर 19 वैशाली नगर की खरीद-फरोख्त हो रही है। सुरेश अग्रवाल ने यह ?सूचना देखी तो वह हैरान रह गये और 23 अगस्त को अग्रवाल ने खंडन प्रकाशित कराया। बाद में थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करा दी। जो लोग ब्रोकर बनकर सुरेश मिले थे, पुलिस ने उनको थाने बुलाकर बयान लिए थे, जिसमें सामने आया कि आरोपी उनके मकान को बेचने की नियत से फर्जी दस्तावेज के आधार पर फर्जी विज्ञापन दिया था, अगर कोई लेनदार पार्टी मिल जाती तो वह मकान का सौदा कर रकम हड़प लेते। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी यावर खान, केके तिवारी, विनय सिंह मेवाड़ा, सोहेल खान और कृष्ण कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है, कि मामले में जल्द ही आरेपियों की गिरफ्तार की जाएगी। इधर, शाहजहांनाबाद थाने में यावर के पड़ोस में रहने वाली महिला ने पहले छेड़छाड़ की शिकायत दी थी। पुलिस अब इस आवेदन पर शिकायत दर्ज कर सकती है।

मछली परिवार के ड्रग्स, लव जिहाद मामले में वायरल वीडियो पर सांसद शर्मा का कड़ा रुख

कहा- आरोपियों के साथ बनाई जा रही फोटो, धड़ किसी का सिर किसी का

- पुलिस उन्हें पकड़े, वरना पुलिस कमिश्नर कार्यालय में बैठ जाउंगा

भोपाल। लव जिहाद और ड्रग्स मामले में फंसे मछली परिवार के साथ इन दिनो कई नेताओ की नजदीकियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। अब इन वीडियो को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है की कुछ लोग सुनियोजित तरीके से एआई फोटो वीडियो के माध्यम से उनके राजनैतिक केरियर के साथ ही उनकी छवि ख़राब करने की कोशिश कर रहे है। सांसद ने कहा कि सत्य प्रताड़ित हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। मेरा एक वीडियो वायरल किया, उसमें प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और हितानंद जी थे। मैंने सौ लीडर के नाम बताए कि इस प्रकार से भाजपा जीरो से लेकर आज यहां तक पहुंची है। सारे नाम डिलीट कर दिए। एक ही नाम को फोकस किया। सिर किसी का, धड़ किसी का। अब किसी जनप्रतिनिधि की छवि खराब नहीं कर सकते। उन्होनें यह भी कहा की ऐसे लोगो द्वारा राज्य मंत्री कृष्णा गौर और विधायक रामेश्वर शर्मा की भी छवि ख़राब करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की शिकायत जनप्रतिनिधियों ने साइबर पुलिस से की है। सांसद ने कहा की आरोपियों के साथ बनाई जा रही फोटो में धड़ किसी का और सिर किसी का है। आलोक शर्मा ने कहा की उनको पता है, वो लोग कौन है जो ऐसा कर रहे है, लेकिन पुलिस अपना काम कर उन्हें पकड़े, कार्रवाई नहीं होने पर उन्होनें चेतावनी देते हुए कहा की नहीं तो वह खुद जाकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में बैठ जायेगें। मछली हो या मगरमच्छ किसी को नहीं छोड़ा जाएगा और जो ऐसे लोगो को संरक्षण दे रहे है, वो भी नहीं बचेंगे।

प्रदेश में लगेगी राहुल और खडगे की क्लास

भोपाल। मिशन 2028 को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। संगठन मजबूत करने की कवायद के चलते राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे नए जिलाध्यक्षों की क्लास लेने जा रहे हैं। यह क्लास 25 सितंबर को पचमढ़ी पर्यटन स्थल पर लगने वाली है। हाल ही में प्रदेश में 71 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई है। एक तरह से संगठन को मजबूत करने की कवायद की जा रही है। राहुल गांधी के सृजन अभियान के तहत हुई जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कई जगह विरोध के स्वर उठने लगे हैं, लेकिन राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा, क्योंकि अब उनके लिए संगठन ही सर्वोपरि है।

एमपी पुलिस ने शुरु किया खुद का साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर

भोपाल। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) की तरह ही पहली बार मध्य प्रदेश पुलिस ने खुद का साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर शुरू किया है। खास बात यह है की इस सेंटर में केवल एमपी के सायबर ठगी के शिकार पीड़ितो की मदद करते हुए उनी होल्ड की गई बैंक खातों की रकम रिलीज करवाने की प्रक्रिया पर काम होगा। जानकारी के मुताबिक ठगी के दो घंटे के भीतर नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाने वाले एमपी के पीड़ितो से इस सेंटर की टीम खुद संपर्क करते हुए एक फॉर्म देगी जिसे लोकल थाने में जमा करना होगा। फरियादी को उसकी ठगी गई रकम वापस दिलवाने के लिये आगे की प्रक्रिया संबधित थाने के स्टाफ से पूरी करवाई जायेगी। करीब एक महीने पहले शुरू हुए इस सेंटर की मदद से अब तक करीब 70 करोड़ रुपए साइबर ठगों के पास से जाने से बचाए जा चुके हैं। एसपी स्टेट साइबर अफसरो ने बताया की डिपो चौराहा स्थित साइबर मुख्यालय शुरु किये गये इस मिटिगेशन सेंटर में नियुक्त करने के लिये सब-इंस्पेक्टर स्तर के 4 ऐसे पुलिसकर्मियों का इंटरव्यू के आधार पर चयन कर नियुक्त किया गया है, जो हिंदी-अंग्रेजी भाषा अच्छे से जानते हों। मप्र में एनसीआरपी या 1930 हेल्पलाइन नंबर के जरिए रोजाना करीब 1100-1200 शिकायतें दर्ज होती हैं। साइबर फ्रॉड की शिकायत होने पर उसकी जानकारी संबंधित प्रदेश की साइबर पुलिस को नजर आने लगती है। अब - मप्र के किसी जिले से कोई शिकायत करता है तो उसकी जानकारी मप्र साइबर पुलिस को दिखने लगती है।

झिन्ना और हर्रई की भूमि पर वन विभाग का कब्जा

आखिरकार मुख्यमंत्री ने पूर्व वन मंत्री की नोटशीट निरस्त कर दी

भोपाल। पिछले 25 साल से कटनी जिले के झिन्ना और हर्रई की भूमि को लेकर विवाद है कि ये वन भूमि है या राजस्व। इस दौरान 5 सरकारें बदल गईं। सिविल से लेकर हाईकोर्ट पांच बार फैसला सुना चुका है कि यह राजस्व की जमीन है। पिछले 8 साल से मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अब इस मामले में नया मोड़ आया है और वन विभाग का दावा छोडने् के निर्देश वाली तत्कालीन वन मंत्री नागर सिंह चौहान की नोटशीट को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निरस्त कर दिया है। जानकारों का कहना है कि इसी नोटशीट की वजह नागर सिंह चौहान से वन विभाग वापस लिया गया था।

मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व वन मंत्री चौहान की नोटशीट को निरस्त करने के बाद वन विभाग ने इस नोटशीट के आधार पर तत्कालीन एसीएस जेएन कंसोटिया द्वारा 16 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट में लंबित सरकार की एसएलपी को वापस लेने वाले निर्देशों को निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया। पड़ताल के दौरान ये भी सामने आया कि नागर सिंह से पहले पिछली सरकार के वन मंत्री विजय शाह ने भी याचिका वापस लेने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे।

1994 में आवंटित किए गए थे दो खनिज पट्टे

जानकारी के अनुसार हर्रई और झिन्ना दोनों गांवों से सटी पहाड़ी वन भूमि को राजस्व भूमि मानकर वर्ष 1994 में दो खनिज पट्टे आवंटित कर दिए गए थे। दावा है कि इस क्षेत्र में लौह और एल्युमिनियम अयस्क, लैटेराइट फायर क्ले का प्रदेश का सबसे बड़ा भंडार है। तत्कालीन कलेक्टर द्वारा जारी इस खनिज पट्टे के खिलाफ वन विभाग 32 साल से कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। जिला कोर्ट और हाईकोर्ट ने इसे एमपीएलआरसी के तहत राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होने के आधार पर राजस्व भूमि माना है। वहीं, वन विभाग ने फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट के तहत 1990 के पहले से ही इस भूमि के फॉरेस्ट वर्किंग प्लान में शामिल होने के आधार पर हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

M.P. FOREST DEPARTMENT 150 years

मामला सुप्रीम कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट के स्टे के कारण यहां खनिज पट्टा जारी होने के बावजूद खदान शुरू नहीं हो पा रही है। इन वन भूमि पर 1994 में जारी खनिज पट्टा वर्तमान में सुखदेव प्रसाद गोयनका, प्रोपराइटर आनंद गोयनका के पास है, जो उन्हें 13 जनवरी 1999 को ट्रांसफर हुआ था। कटनी डीएफओ की आपत्ति पर कलेक्टर द्वारा वर्ष 2000 से इस खनन पट्टे पर रोक लगी है। लोकसभा चुनावों के बीच तत्कालीन वन मंत्री नागर सिंह चौहान की लिखी एक नोटशीट पर तत्कालीन एसीएस वन जेएन कंसोटिया ने सुप्रीम कोर्ट से इस एसएलपी को वापस लेने के निर्देश दिए थे। इसके कुछ दिनों बाद ही एसीएस वन जेएन कंसोटिया को वन विभाग से हटा दिया गया था। वहीं, चौहान से भी वन विभाग छीन लिया गया था। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक 25 जुलाई को अपर मुख्य सचिव वर्णवाल ने मंत्री नागर सिंह के फैसले वाली टीप पर लिख दिया है कि एसएलपी वापस न ली जाए। यानी जिस फाइल पर लिखा था कि एसएलपी वापस ली जाए, उस पर आगे की कार्रवाई रोक दी गई है।

वन विभाग के दावे का आधार

जानकारों के मुताबिक, 1950 में जमींदारी प्रथा खत्म होने के पहले और बाद में जमीनों के स्वरूप को रिकॉर्ड में घास, छोटे व बड़े झाड़ का जंगल, पहाड़-चट्टान, आबादी, शमशान, कब्रिस्तान, गौठान, पड़ाव, बाजार और खलियान दर्ज किया गया था। इसी रिकार्ड में छोटे-बड़े झाड़ का जंगल को जंगल के रूप में दर्ज किया गया। इसके बाद 10 जुलाई 1958 को जारी की गई अधिसूचना में स्पष्ट किया गया कि सिर्फ छोटे व बड़े झाड़ का जंगल को वन संरक्षित घोषित किया जाए। वहीं जिस जमीन पर वन विभाग दावा कर रहा है, वह जमीन रिकार्ड में पहाड़-चट्टान के रूप में दर्ज है। यानी यह जमीन वन भूमि की श्रेणी में नहीं आती है। क्योंकि इस जमीन के मिसल बंदोबस्त में मालिक के रूप में जमींदार नहीं लिखा गया है।

राहुल गांधी से मीटिंग के बाद बदली चाल, कांग्रेस पहुंची आदिवासी के द्वार

भोपाल । 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस ने अभी से अपना पूरा फोकस विधानसभा चुनाव 2028 पर केंद्रीत कर दिया है। मप्र कांग्रेस का फोकस आदिवासियों पर ज्यादा हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आदिवासी बाहुल्य सीटों पर लगातार दौरे कर रहे हैं। आदिवासी और दलित इलाकों में जाकर जमीनी हकीकत और जनता की समस्याओं को जानने का काम कर रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में उनके इस दौरे को कांग्रेस की आगामी चुनावी रणनीति से जोडक़र देखा जा रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी अब सीधे आदिवासी और दलित वोट बैंक को साधने की रणनीति पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत बड़े स्तर पर यात्राएं और सभाएं की जा रही हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पिछले छह महीने में सबसे ज्यादा आदिवासी बाहुल्य जिलों के दौरे पर रहे। वे सिंगरौली, सीधी, डिंडोरी, अनूपपुर, मंडला, आलीराजपुर, धार, उमरिया, बैतूल के दौरे पर रहे। इन्हीं इलाकों में सबसे ज्यादा फोकस रहा।

30 सीटों पर निर्णायक भूमिका

आपको बता दें कि एमपी में 47 सीट आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित है। बाकी 30 सीटों पर आदिवसी वर्ग निर्णायक भूमिका में है। मध्यप्रदेश में फिलहाल 47 आदिवासी रिजर्व सीटों में से 22 सीट कांग्रेस के पास है। 2018 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 30 आदिवासी सीट मिली थी।

वहीं कांग्रेस आलाकमान का भी आदिवासी नेतृत्व पर ज्यादा भरोसा है। मध्यप्रदेश कांग्रेस के आदिवासी नेता कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर काबिज है। राष्ट्रीय आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष मध्य प्रदेश से विक्रांत भूरिया बनाए गए हैं। स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य डिंडोरी से कांग्रेस के विधायक ओमकार सिंह मरकाम है और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी आदिवासी वर्ग से आते हैं।

राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारी बनेंगे आईपीएस

भोपाल । राज्य पुलिस सेवा के पांच अधिकारी इस वर्ष आईपीएस संवर्ग में पदोन्नत हो जाएंगे। अगले वर्ष एक जनवरी 2025 की स्थिति में सात को पदोन्नति मिलनी है। यह सभी 1998 बैच के होंगे। यानी, अभी 27 वर्ष की सेवा के बाद भी वह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ही हैं।

बड़े-बड़े बैच, हर पांच वर्ष में काडर रिव्यू नहीं होने सहित कई कारणों से मप्र के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी आईपीएस संवर्ग में पदोन्नति में अन्य राज्यों से काफी पीछे हैं। वर्ष 2025 में सात पदों के लिए डीपीसी की तैयारी शासन अक्टूबर-नवंबर से प्रारंभ कर सकता है। इनकी डीपीसी लगभग एक वर्ष पीछे चल रही है। बता दें कि कर्नाटक में 2012, तेलंगाना, गुजरात और आंध्र प्रदेश में 2010 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी पदोन्नत होकर आइपीएस बन चुके हैं, पर प्रदेश में अभी वर्ष 1998 का ही पूरा बैच पदोन्नत नहीं हो पाया है। उधर, प्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2006 के अधिकारी आईएएस में पदोन्नत हो चुके हैं। राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी लंबे समय से शासन से मांग कर रहे हैं कि छोटे जिलों में पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी उन्हें दी जाए, पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है, जबकि यह व्यवस्था मध्य प्रदेश में पहले लागू रही है। शशिकांत शुक्ला, रमन सिंह सहित कई अधिकारी दो जिलों में एसपी रहने के बाद आइपीएस बने। अब कई वर्षों से इसे बंद कर दिया गया है।

भोपाल गैस त्रासदी को लेकर हाईकोर्ट हुआ सख्त, मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी से जुड़े लंबित मामलों को जल्द निपटाने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगल पीठ ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि 40 साल पुराने मामलों को और लंबित नहीं रखा जा सकता है। मप्र हाईकोर्ट ने भोपाल स्थित ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि गैस त्रासदी से जुड़े सभी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट को हर माह की प्रगति रिपोर्ट हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को सौंपने के आदेश भी दिए हैं। प्रगति रिपोर्ट को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यहां बताते चलें कि कोर्ट ने ये निर्देश भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष सहयोग समिति द्वारा जुलाई 2025 में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए हैं। समिति की ओर से अधिवक्ता राजेश चंद ने अदालत को बताया कि भोपाल के सीजेएम कोर्ट ने सात जून 2010 को आरोपितों को सजा सुनाई थी, लेकिन सभी ने सेशन कोर्ट में अपील दायर कर दी, जो 15 वर्षों से लंबित है। सुनवाई में हाईकोर्ट को बताया गया कि मामले की सुनवाई फिलहाल पांच अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि मामले की जांच सीबीआई कर रही है और एक आपराधिक अपील अब भी विचाराधीन है। वहीं याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि आरोपित अक्टूबर 2023 से अदालत में पेश हो रहा है, बावजूद इसके कोई ठोस आदेश पारित नहीं हुआ है। फिलहाल हाईकोर्ट द्वारा जारी किए गए निर्देश से गैस पीड़ितों को न्याय की लंबी लड़ाई में उम्मीद की एक नई किरण नजर आ रही है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि इतने लंबे समय तक पीड़ितों को न्याय से वंचित नहीं रखा जा सकता और अब न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना अनिवार्य है।

एप्रोच सड़क की दुर्गति के कारण जानबूझकर कटंगी नहीं आए महाप्रबंधक?

विधायक, सांसद के बाद अब अधिकारियों ने भी जनता को ठगना शुरू किया, कांग्रेस ने दी जनआंदोलन की चेतावनी

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। जिले में स्वीकृत रेलवे की नई परियोजनाओं में शुरू से ही हाशिए पर खड़े कटंगी क्षेत्र को सत्तारूढ़ जनप्रतिनिधियों के बाद अब रेलवे के आला अधिकारियों ने भी ठगना शुरू कर दिया है। दरअसल, करीबन पांच वर्ष से दुर्गति का शिकार छतेरा-सेलवा एप्रोच सड़क के निर्माण की कच्छप गति, स्टेशन में व्याप्त असुविधाओं और महानगरों से सीधे कनेक्टिविटी जैसी मांगों पर मौन रेलवे के अधिकारी जिले में प्रवास के दौरान कटंगी आने में कतराने लगे हैं। अधिकारी भी जानते हैं कि उनके पूर्व दौरों में सामने आई शिकायतों पर अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए हैं ऐसे में इस क्षेत्र की जनता के सामने किस मुंह से आएंगे। दो दिन पूर्व ऐसा ही हुआ। अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यों की प्रगति जानने के लिए, सोमवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश ने बालाघाट स्टेशन का दौरा किया। महाप्रबंधक नैनपुर, मंडला फोर्ट और गोंदिया रेल खंड को दौरा करते हुए बालाघाट पहुंचे थे। महाप्रबंधक बालाघाट से ही रेल सुविधाओं को लेकर कई दावे करके चले गए। लेकिन बालाघाट से महज 50 कि.मी. की हकीकत जानने की कोशिश नहीं की। डीआरएम के इस रवैये से कटंगी क्षेत्र की जनता में खासी नाराजगी है। जनता की नाराजगी सत्तारूढ़ जनप्रतिनिधियों को लेकर भी कम नहीं है। जिले की सांसद भारती पारधी जब भी रेलवे के मुद्दों को लेकर दिल्ली जाती है तो सिर्फ बालाघाट मुख्यालय और आस-पास के क्षेत्रों के लिए सुविधाएं लेकर आती है। उन्हें कटंगी से कोई सरोकार नहीं है। क्षेत्रीय विधायक के नाते गौरव सिंह पारधी ने भी कटंगी रेलवे स्टेशन से जुड़ी मांगों पर रेलवे और केन्द्र से कोई पत्राचार नहीं किया है। जिससे यह माना जा रहा है कि सांसद, विधायक और अधिकारियों की उपेक्षापूर्ण नीति कटंगी क्षेत्र के लिए अभिशाप बन गई है।

क्षेत्र को महानगरों से सीधे कनेक्टिविटी मिलना तो दूर यात्रियों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं की हालत खराब है। इन समस्याओं से त्रस्त जनता पर न तो सरकार को दया आ रही है और न ही जनप्रतिनिधियों को तरस। यही हाल रहा तो भविष्य में भी कटंगी क्षेत्र लोकल टपञेओं के भरोसे ही आगे बढ़ेगा। रेल समस्याओं को लेकर उठ रहे विरोध के बीच कांग्रेस ने सरकार और रेलवे की भूमिका पर सवाल उठाए एवं आंदोलन की चेतावनी दी।

क्षेत्र की दुर्दशा के लिए भाजपा के नेता जिम्मेदार- हीरावत

कांग्रेस जिलामंत्री नीरज हीरावत ने रेल सुविधाओं में पिछड़ते हुए क्षेत्र की मौजूदा स्थिति के लिए जिले की सांसद और विधायक को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधि राज्य एवं केन्द्र में सरकार होने के बावजूद जनता की समस्याओं पर हाथ खींचकर बैठे हुए हैं। श्री हीरावत ने कहा कि छतेरा-सेलवा एप्रोच सड़क के नवीनीकरण का कार्य यदि शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो कांग्रेस सरकार और रेलवे के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन करेगी।

नेता जी ने सुधार के निर्देश दिए, उपयंत्री ने मिट्टी डलवाकर बढ़ा दी समस्या

रेलवे स्टेशन से सटी हुई छतेरा-सेलवा एप्रोच सड़क करीबन पांच वर्षों से बदहाल है। रेलवे द्वारा शुरू किए गए इस सड़क के अधूरे निर्माण ने राहगीरों के साथ-साथ दर्जनों गांवों के विद्यार्थियों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क पर पैदल चलना दूभर हो गया है। बताया जाता है कि इस सड़क पर एक निजी मैंगनीज खदान के मालवाहक के पलटने के बाद खदान कर्मचारियों द्वारा सड़क पर मलबा डालने के बाद स्थिति ज्यादा खराब हो गई। जन शिकायत पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने रविवार 14 सितम्बर को नगर परिषद् के उपयंत्री के साथ सड़क का निरीक्षण कर सड़क के वैकल्पिक सुधार के निर्देश दिए। तो उपयंत्री ने भी नेता जी के निर्देश पर सुधार के नाम पर गड्ढों और मलबे पर मिट्टी डलवा दी। सोमवार की शाम हुई बारिश के बाद सड़क पर डाली गई मिट्टी पूरी तरह दलदल में तब्दील हो गई। इसका खामियाजा सड़क पर रात्रि में आवागमन करने वाले राहगीरों को भुगतना पड़ा। उस रात कई यात्री कीचड़नुमा सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। मंगलवार की सुबह इस सड़क से स्कूल के लिए, निकले विद्यार्थियों के कपड़े कीचड़ से रंग गए। भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क की स्थिति और ज्यादा खराब हो गई। ग्रामीणों में आईनेश बढ़ता देखकर नगर परिषद् का अमला हरकत में आया और सुधार के नाम पर डाली गई मिट्टी हटवाकर अधिकारियों ने अपनी लापरवाही पर पर्दा डालने का काम किया।

सिविल लाइन दुर्गा उत्सव समिति खैरलांजी की तैयारी जोरो पर

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी स्थित सिविल लाइन में सिविल लाइन दुर्गा उत्सव समिति की तैयारी नवरात्र और दशहरा पर्व को लेकर की जा रही है। यह बैठक अध्यक्ष हितेश उर्फ बिट्टू दमाहे सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें भव्य और विशाल नवरात्र पर्व प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मनाया जाने को लेकर चर्चा की गई। जिसमें उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों के द्वारा अपने अपने सुझाव दिए गए। जिसमें विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य पंडाल के साथ मां भगवती की स्थापना की जाएगी। वहीं २४ सितंबर को राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा । वहीं २८ सितंबर को कवि सम्मेलन होगा और सिविल लाइन में दशहरा पर्व दुगने उत्साह के साथ इस वर्ष भी मनाया जाएगा। साथ ही सिविल लाइन दुर्गा उत्सव समिति में गरबा रास भी करवाई जाएगी इसके साथ ही बैठक के अन्य सुझाव पर भी विचार किया जा रहा है। समिति अध्यक्ष हितेश दमाहे ने बताया कि खैरलांजी सिविल लाइन दुर्गा उत्सव समिति आसपास ही नहीं पूरे क्षेत्र जिले में ख्याति प्राप्त है। लंबे समय से मां भगवती की प्रतिमा बैठाल कर आराधना की जाती रही है । हर वर्ष समिति के द्वारा दुर्गा उत्सव को भव्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस वर्ष भी इसी सोच के साथ यह उत्सव मनाने का निर्णय बैठक के माध्यम से सभी ने लिया है। कार्यक्रम की श्रृंखला भी रखी गई है खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का भी कार्य दुर्गा उत्सव समिति के माध्यम से किया जा रहा है । इस वर्ष राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता रखी गई है और कवि सम्मेलन रखा गया है । दशहरा पर्व को भव्य रूप में मनाया जायेगा। साथ ही अन्य कार्यक्रम भी करने विचार चल रहा है। इस अवसर पर सिविल लाइन दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी सदस्य सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बालाघाट की सड़कों पर गूंजे स्वच्छ भारत के नारे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट 18 सितंबर को सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना बालक एवं बालिका इकाई द्वारा स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. उषा सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में स्वयंसेवकों ने हाथों में तख्तियाँ एवं बैनर थामकर प्रभावशाली नारों का उद्घोष किया। हम सबने यह ठाना है, भारत स्वच्छ बनाना है, वृक्ष धरा के भूषण हैं, करते दूर प्रदूषण हैं जैसे गगनभेदी नारों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। रैली अंबेडकर चौक से प्रारंभ होकर नगर का भ्रमण करते हुए काली पुतली चौक में सम्पन्न की गई। इस रैली में नगरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। छात्र छात्राओं ने इस रैली में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए साफ सुथरे घर, गली और समाज के निर्माण का आह्वान किया। रैली के पश्चात महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मराठे ने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है और स्वच्छता से ही उसकी असली पहचान होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना केवल सेवा ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता का ऐसा मंच है, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस अवसर पर डॉ. उषा सिंह, डॉ. भूपेंद्र कुमार ब्रम्हे, प्रो. आनंद सिंह पारधी एवं डॉ. ताराचंद बड़घैया ने स्वच्छता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुखचंद्र ऐड़े, बालक इकाई एवं डॉ. रचना कोरी बालिका इकाई ने सेवा पखवाड़े की आगामी गतिविधियों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। सभी स्वयंसेवकों एवं उपस्थितजनों ने स्वच्छता को जीवन में आत्मसात कर निरंतर पालन करने का संकल्प लिया।

लोहार समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाई विश्वकर्मा जयंती

उकवा(पद्मेश न्यूज)। ग्राम सोनपुरी में विश्वकर्मा आदर्श लोहार समाज संगठन के द्वारा 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम विश्वकर्मा भगवान की स्थापना की गई तत्पश्चात हवन पूजन किया गया एवं भंडारा वितरण किया गया विश्वकर्मा जयंती के इस आयोजन में ग्राम सोनपुरी सरपंच सुनील उइके, समाजसेवी संदीप गजभिये, समाज सेवी अमन गौतम, राजेश तेकाम एवं विश्वकर्मा आदर्श लोहार समाज के सदस्य शालिक राम बावने,राजू पंन्द्राम धूप सिंह सोनवाने, दिरपाल, नरेश पथिए, दीपक सांसवार, पीरथ लाल राजेंद्र एवं समस्त विश्वकर्मा परिवार उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय कला उत्सव मे सांदीपनि विद्यालय ने लहराया परचम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। समग्र शिक्षा अभियान मध्यप्रदेश शासन अंतर्गत संभाग स्तरीय कला उत्सव 2025 मे आयोजित प्रतियोगिता मे बालाघाट सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान लाकर बालाघाट जिले का परचम लहराया है। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता मे जबलपुर, बालाघाट, मंडला, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा व कटनी से अपनी अपनी प्रस्तुति लेकर विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

इस प्रतियोगिता सांदीपनि विद्यालय की अंशिका पिपलेवार ने शास्त्रीय गायन एवं समूह गायन मे भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही वर्षा पंडेल, आस्था माहुले, अंकिता पिपलेवार, लक्ष्य हरिन्द्वार ने गायन मे व ढोलक पर श्रेयश फूंडे व हारमोनियम पर संगीत शिक्षक अभिजीत सिंह ठाकुर ने संगत कर प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रौशन किया है। इसी क्रम मे बालाघाट सांदीपनि ने एकल वादन, समूह वादन व पेंट आर्ट मे द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। इस कार्यक्रम मे मार्गदर्शी शिक्षक अभिजीत सिंह ठाकुर संगीत शिक्षक व मयंक बसोने व सुश्री करिश्मा मेश्राम का सहयोग रहा।

समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार विकास मंच कटंगी के द्वारा भगवान विश्वकर्मा की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई. इस अवसर पर ग्राम अर्जुनी में विकासखंड स्तरीय विश्वकर्मा पूजन दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ. जहां समाज के हितों, परम्पराओं और मौजूदा परिस्थितियों को लेकर समाज के प्रबुद्धजनों ने मंच से अपने विचार रखें. कार्यक्रम के जरिए समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया गया. बता दें कि भगवान विश्वकर्मा को शिल्पकार, वास्तुकार और इंजीनियर माना जाता है. लोहार समाज जो लोहे से जुड़ा कामकाज करता है वह भगवान विश्वकर्मा को अपना आराध्य मानकर उनकी पूजा करता है ताकि उनके काम में समृद्धि, सुरक्षा और सफलता बनी रहे. विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम की शुरूआत भी भगवान विश्वकर्मा के पूजन के साथ हुई. कटंगी शहर के सतारा रोड़ स्थित भगवान विश्वकर्मा के मंदिर में पूजा करने के बाद यहां से बाइक रैली निकाली गई. रैली ने विभिन्न गांवों को गश्त करते हुए ग्राम अर्जुनी कार्यक्रम स्थल में विराम लिया।

अर्जुनी में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कोमल प्रसाद विश्वकर्मा जिला संयोजक ब्लॉक अध्यक्ष कटंगी ने की. कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रविकांता महेश बोरकर, जनपद उपाध्यक्ष भानुसिंह पटले, जनपद सदस्य श्रीमती राजेश्वरी शारदा डहरवाल विशेष अतिथि और महानंद विश्वकर्मा (ब्लॉक संरक्षक), जयप्रकाश कोसरे (ब्लॉक उपाध्यक्ष), बलीराम जी कोसरे (ब्लॉक सचिव), मुकेश बागड़े (ब्लॉक प्रवक्ता एवं जिला सदस्य), राजेन्द्र सोनवाने (ब्लॉक सह-संगठन मंत्री एवं जिला सदस्य) भी प्रमुख अतिथि के तौर पर शामिल हुए. कार्यक्रम में मंच का सफल संचालन नितेश विश्वकर्मा (जिला मीडिया प्रभारी), पवन सोनवाने (ब्लॉक मीडिया प्रभारी) मनोज बावने (सेक्टर प्रवक्ता महेकपार) ने संयुक्त रूप से किया।

लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 22 से 24 सितंबर तक शिविर का आयोजन
जिला पेंशन कार्यालय में आयोजित होगा शिविर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 22 से 24 सितंबर तक जिला स्तर पर विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में जिले के लंबित पेंशन प्रकरणों के हितग्राही आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर पेंशन प्रकरणों का निराकरण करा सकेंगे। जिला पेंशन अधिकारी अमित कुमार मेरावी ने बताया कि बालाघाट जिला अंतर्गत लंबित पेंशन प्रकरणों के पेंशन हितग्राहियों के लिए 3 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 22 सितंबर से प्रारम्भ किया जा रहा है। जिला पेंशन कार्यालय बालाघाट के कक्ष क्रमांक 237 में आयोजित इस शिविर में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए संबंधित शाखा प्रभारी, लिपिक, लेखापाल को उपस्थित रहकर प्रकरणों के निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही जिले के समस्त पेंशनधारियों से अपील की गई है कि जिन पेंशनधारियों के पेंशन प्रकरण लंबित है वे शिविर में उपस्थित होकर प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करायें।

हिंदी दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लामता(पद्मेश न्यूज)। शासकीय महाविद्यालय लामता में दिनांक 15/09/2025 को दिन सोमवार को भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अर्न्तगत हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुदंर लाल बिसेन के निर्देशन में किया गया जिसका शुभारंभ मां सरस्वती की छायाप्रति के समक्ष माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया उसके पश्चात् मंचासिन अतिथियों, प्राध्यापकों का स्वागत सत्कार किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सुन्दर लाल बिसेन ने की तथा मंच संचालन का कार्य भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती चित्रमाला भिमटे ने किया 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य की भूमिका है विषय रहा जिसमें प्रथम स्थान बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र मिथिलेश बघेले का रहा द्वितीय स्थान बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कु. वर्णिका गोखले का रहा तथा तृतीय स्थान कु. मनोरमा ठाकरे का रहा। इसके साथ महाविद्यालय में ✠ राजभाषा हिन्दी की दशा एवं दिशा विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष अतिथि के रूप में राजनीति विज्ञान की प्राध्यापक डॉ. दुलेश्वरी टेम्भरे ने हिन्दी भाषा को राजभाषा का दर्जा कैसे मिला तथा हिन्दी भाषा के विकास पर संवैधानिक अधिनियम पर चर्चा की इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. चंद्रशेखर कटरे ने हिन्दी भाषा को बनाये रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुंदरलाल बिसेन ने अपने वक्तव्य के माध्यम से हिन्दी साहित्य के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि हिन्दी भाषा के माध्यम से व्यक्त किए जाते हैं। इसके पश्चात कार्यक्रम के अंत में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती चित्रमाला भिमटे ने सभी अतिथि, सहायक प्राध्यापक एवं छात्र/छात्राओं का कार्यक्रम को सफल बनाने में आभार व्यक्त किया कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी अतिथि विद्वान एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव 2025 को लेकर आयोजित की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सांसद खेल महोत्सव के आयोजन को लेकर 18 सितम्बर को सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना, एसडीएम गोपाल सोनी, मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल, खेल संगठनों के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध कराना है ताकि वे अपने कौशल का प्रदर्शन कर उच्च स्तर तक पहुँच सकें। इसके लिए उन्होंने सभी खेल पदाधिकारियों को खेलो में इच्छुक बालक बालिकाओं को ज्यादा से ज्यादा पंजीयन कराने के निर्देश दिए। अब तक 2 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन किये जा चुके है। उन्होंने सभी खेल पदाधिकारियों से कहा कि वे विधानसभा स्तर पर सेक्टर वाइस टीम बनाना सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायत लेवल तक के खिलाड़ियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहन मिलना चाहिए इससे ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में कहा कि सांसद खेल महोत्सव के लिए अधिक से अधिक खिलाड़ियों एवं टीमों का पंजीयन कराया जाए। उन्होंने बताया कि विधानसभा स्तर पर टीम चयनित करने के लिए तकनीकी टीम गठित की गई है। ये टीम संबंधित विधानसभा के एसडीएम की अध्यक्षता में खेल पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए आवश्यक मापदंड तय कर ले। बैठक में तय किया गया कि सांसद खेल महोत्सव का प्रथम चरण संसदीय क्षेत्र की सभी 08 विधानसभा स्तर पर कबड्डी खेल से प्रारंभ होगा। इसके साथ ही अन्य 9 खेल, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कुश्ती, दौड़, बैडमिंटन, कराते, शतरंज एवं रस्साकशी के विधानसभा स्तर पर चयन ट्रायल आयोजित कर चयनित टीमों को जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में शामिल किया जाएगा। इस खेल महोत्सव में एक खिलाड़ी एक ही खेल में भाग ले पायेगा। बैठक में बताया गया कि इस खेल महोत्सव में पहले विधानसभा स्तर पर ट्रायल्स होंगे इसके बाद खिलाड़ी चयनित होकर जिला स्तर पर खेल प्रदर्शन करेंगे। संबंधित विधानसभा का खिलाड़ी उसी विधानसभा से भाग ले पायेगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि महाविद्यालय स्तर, विद्यालय स्तर एवं ग्रामीण स्तर पर अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए पंजीयन की जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालयों एवं विद्यालयों को सौंपी गई है। खेल महोत्सव में शामिल होने वाले प्रतिभागियों की आयु 15 से 35 वर्ष के मध्य होगी। कुश्ती का जिला स्तरीय आयोजन सिवनी जिले के बरघाट में होगा तथा बालीबाल का जिला स्तरीय आयोजन बालाघाट जिले के किरनापुर में होगा। इनके अलावा सभी खेलों का जिला स्तरीय आयोजन बालाघाट मुख्यालय पर किया जाएगा। बैठक में प्रभारी जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी, जिला खेल संघ के पदाधिकारी तपेश असाटी, विजय वर्मा, नरेश धुवारे, सीमू राव, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संलग्न फोटो क्रमांक — 34 से 42

आदिवासी सम्राट शंकर शाह, रघुनाथ शाह का 168वॉं बलिदान दिवस हर्षउल्लास के साथ मनाया

लामता(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के लामता तहसील अंतर्गत ग्राम सलंगटोला मे सम्राट शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह के स्मारक स्थल मे आदिवासी समुदाय द्वारा बलिदान दिवस के अवसर मे विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 18 सितंबर को प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्राम सलंगटोला मे राजा शंकरशाह राजा रघुनाथ शाह के 168वा बलिदान दिवस धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम का शुभारम्भ गोंडी संस्कृति अनुसार पूजन पाठ करते हुये राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वालित कर प्रतिमा मे पुष्पमाला चढ़ाया गया। दूर दूर से पहुंचे सगा समाज के लोगो द्वारा बलिदान दिवस के नारे लगाते हुये वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दिया गया, कार्यक्रम के आयोजको द्वारा समस्त सगाजनों द्वारा विशाल रैली निकाल कर वीर राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह अमर रहे के नारों से सलंगटोला, भोंड्वा चमनटोला गुंजायमान रहा। लोकमन इनवाती, वीरसिंह कुर्वेती की अध्यक्षता सभा का आयोजन किया गया, जिसके मुख्यातिथि पूर्व विधायक दरबू सिंह उइके, विशिष्ट अतिथि स्मिता तेकाम व ज्ञानसिंह सैयाम एवं सभी सगा समाज के वरिष्ठ मंचाशीन रहे। इस बलिदान दिवस के अंतर्गत सभी वक्ताओ द्वारा अपने अपने उद्बोधन मे राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह के जीवनी के बारे मे उद्बोधन देकर सभी सगा समाज को जागृत करने का कार्य किया गया, पूर्व विधायक दरबू सिंह अपने उद्बोधन मे सगा समाज के रीती रिवाज, गोंडी भाषा एवं अपने अधिकार और हक के लिए लड़ने को लेकर विस्तार से बलिदान दिवस पर सगा समाज को जागृत करने का प्रयास किया। कार्यक्रम का समापन समस्त आदिवासी सगा समाज, अतिथि एवं कार्यक्रम के आयोजको के उपस्थिति मे शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ।

नगर के मुख्य मार्गो को एलईडी लाइट से कर रहे रौशन, वार्ड में पसरे अंधेरे पर नही है ध्यान

सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्षी पार्षदों ने भी जताई नाराजगी, सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। नगर की सुंदरता को बढ़ाने और रात के समय नगर को मोती की माफिक चमकाने के लिए नगर पालिका द्वारा नगर के सभी चौक चौराहो व मुख्य मार्ग को एलईडी लाइट के माध्यम से रौशन करने का काम किया गया है।लेकिन नगर पालिका का वार्डो के भीतर पसरे अंधेरे पर कोई ध्यान नहीं है। जहां नगर के वार्डों की गलियों में रात के समय अंधेरा पसरा रहता है।जिसके चलते विषैले जीव जंतु का खतरा बना हुआ है, तो वहीं लोगों को आवागमन करने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां पर एलईडी बल्ब लगाने की जहमत भी नगरपालिका द्वारा नहीं उठाई जा रही है। वही पार्षदों के आवेदन निवेदन पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।ऐसा आरोप विधायक प्रतिनिधि के साथ-साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने लगाते हुए नगर के प्रमुख मार्गों के साथ-साथ वार्डों के भीतर भी विद्युत व्यवस्था को बहाल कर, वार्डो को भी रात के समय रौशन किए जाने की मांग की है। जहां अपनी इस मांग को लेकर उन्होंने नपा विद्युत शाखा प्रभारी व नपा प्रबंधन के नाम पुनः स्मरण पत्र सौपते हुए विद्युत शाखा द्वारा अब तक की गई एलईडी लाइट, बल्ब, होल्डर सहित अन्य विद्युत उपकरणों की जानकारी देने, विद्युत उपकरण सामग्री के क्रय, उसकी वेलिडिटी सहित पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किए जाने की मांग की है।तो वहीं उन्होंने नवरात्र पर्व के पूर्व नगर के सभी वार्डों की बिगड़ी विद्युत व्यवस्था को बहाल कर वार्डो को रौशनी से जगमगाने की मांग करते हुए, मांग पूरी न होने पर नपा प्रांगण में

नवरात्र के पहले दिन ही धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है।

बिना आईएसआई हॉलमार्क वाले विद्युत उपकरणों की हो रही खरीदी

पार्षदों का आरोप है कि नपा प्रबंधन और विद्युत शाखा द्वारा विद्युत उपकरणों की खरीदी में भारी अनिमियता बरती जा रही है।नगर के सभी 33 वार्डो सहित अन्य जगहों पर लगाए जाने वाले विद्युत बल्ब घटिया क्वालिटी के खरीदे जा रहे हैं।नामी कंपनी के नाम से बल्ब की खरीदी के नाम पर भारी भरकम रकम खर्च की जा रही है,जबकि विद्युत खम्बो में लगने वाले बल्ब में आईएसआई हॉलमार्क तक नहीं है।जिसकी उन्होंने जांच कर खरीदी गई सभी विद्युत सामग्रियों, उनकी लागत का संपूर्ण ब्यौरा दिए जाने की मांग की है।

खम्बो में एक माह भी नहीं टिक रहे विद्युत बल्ब

पार्षदों का आरोप है कि नपा द्वारा उच्च क्वालिटी के नाम पर घटिया क्वालिटी के बल्ब की खरीदी की जा रही है। जो एक माह भी खंबे पर नहीं टिक रहे हैं। वही गारंटी वाले बल्ब होने के बावजूद भी बल्ब को वापस कर उसके बदले में दूसरा बल्ब नहीं मंगाया जा रहा है। बल्कि अतिरिक्त राशि खर्च कर फिर से निम्न गुणवत्ता वाले बल्ब की खरीदी की जा रही है। इसका एक वीडियो भी पार्षदों ने साझा किया है जिसमें एक बल्ब 23-6- 2025 का खरीदना बताया गया है जिसमें खरीदी तारीख का उल्लेख भी है, जो महज एक माह में ही खराब हो गया है। इसके अलावा 13- 6 -2025 को खरीदा गया बल्ब 17 -7- 2025 को खराब होने की जानकारी भी दी है। पार्षदों का आरोप है कि घटिया क्वालिटी के बल्ब की खरीदी की जा रही है जो एक माह भी खम्बो पर नहीं टिक रहे हैं इसीलिए विद्युत के सभी उपकरणों की खरीदी और उनकी राशि का हिसाब लेकर मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की गई है।

जांच करेंगे तो सब समाने आ जाएगा- सफ्फत खान

विधायक प्रतिनिधि सफ्फत खान ने बताया कि शहर में साढ़े 11 हजार इलेक्ट्रिक पोल है, जिसपर प्रकाश की व्यवस्था की जिम्मेदारी नगर पालिका संभालती है।नपा में जो बजट बनाया जाता है उसमें विद्युत व्यवस्था के लिए लाखों रुपए का बजट पास किया जाता है, परिषद सहमति भी देती है। इसके अनुसार शहर में उजाला रहना चाहिए। लेकिन विद्युत शाखा में जितनी भी सामग्री क्रय की गई है इसका हिसाब नहीं मिलता, फाइल बनती है, चलती है, सामान कितना आ रहा है, कितना जा रहा है, इसकी जानकारी पार्षद, सीएमओ यहां तक की अध्यक्ष को भी नहीं है। नियम के हिसाब से यहां पर रजिस्टर मेंटेनेंस होना चाहिए। लेकिन वह भी नहीं हो रहा है। लाखों की सामग्री खरीदी जा रही है उसका कोई हिसाब किताब नहीं मिलता, सूचना का अधिकार लगाने पर भी जवाब नहीं मिलता, इन सब मामले की जांच होनी चाहिए क्योंकि अब तक जितने बल्ब खरीदे गए हैं उतमे में तो पूरा शहर चकाचक हो जाता। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है इसकी जांच कराई जानी चाहिए। जांच कराएंगे तो सब कुछ सामने आ जाएगा।

तो एक तरफ नवरात्र चलेगी, दूसरे तरफ हमारा प्रदर्शन- कारो लिल्हारे

नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे ने बताया कि आज पूरे कांग्रेसी पार्षद और एक दो बीजेपी के पार्षदों ने मिलकर अंतिम अल्टीमेटम नगर पालिका को दिया है। सभी वार्ड के पार्षद विद्युत व्यवस्था से परेशान हैं। लगभग 5-6 महीनो से अध्यक्ष और सीएमओ को पत्र लिखकर हमारे वार्डों की विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन अध्यक्ष और सीएमओ दोनों ध्यान नहीं दे रहे हैं। वही शाखा प्रभारी तीन खम्भो की लाइट सुधारते हैं और रिपोर्टिंग 25 खभों की करते हैं। वार्ड नंबर1, 2, ,13, 32 ,16 सहित अन्य वार्डों में विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है।वार्ड नंबर 23 में 96 लाइट बंद है हमने खंबा नंबर सहित बंद बल्बों की जानकारी दी है। दर्जनों बार पत्र लिखे हैं लेकिन सुधार कार्य नहीं हुआ। कई बार शिकायत करने पर एक बार सुधार कार्य करते हैं,लेकिन दूसरे दिन फिर लाइट बंद हो जाती है। जहां 15 बल्ब होल्डर की आवश्यकता होती है वहां शाखा प्रभारी 03 लाइट फोल्डर लेकर भेज देते हैं। हमारी मांग है कि नवरात्रि के पूर्व सभी 33 वार्डो की लाइट दुरुस्त की जाए। यदि ऐसा नहीं होता तो नवरात्र का पर्व एक तरफ चलेगा और दूसरे तरफ हमारा धरना प्रदर्शन होगा।

जनपद सदस्य ने विधायक को सौंपा शिकायती ज्ञापन, विधायक ने डीएफओ से की चर्चा

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के विकासखंड कटंगी के पठार अंचल की ग्राम पंचायत महकेपार में तेंदूपत्ता अधोसंरचना विकास मद से स्वीकृत करीब 20 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का करीब डेढ़ वर्षों से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है. जिन मजदूरों ने इन निर्माण कार्यों में मजदूरी का कार्य किया उन्हें भी आज तक भुगतान नहीं मिल पाया. निर्माण के लिए जो सामग्री ईट, गिट्टी, सीमेंट, रेत, लोहा लाकर रखा गया था. समय के साथ सब कुछ नष्ट हो गया. रेत पानी में बह गई, लोहे को जंग लगने लगा और सीमेंट की बोरियां पत्थर में तब्दील हो गई. ऐसी शिकायत जनपद पंचायत सदस्य विनोद पंचभाई ने विधायक गौरव सिंह पारधी से की है. गुरूवार की शाम साढ़े 04 बजे जनपद सदस्य ने कटंगी स्थित विधायक निवास पर विधायक से मुलाकात करते हुए शिकायती ज्ञापन सौंपा. जनपद सदस्य ने विधायक को बताया कि कई बार वन परिक्षेत्र अधिकारी से निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए कहा गया. बावजूद इसके आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया. विधायक ने तत्काल इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर डीएफओ से चर्चा करते हुए निर्माण कार्य को अविलंब शुरू करवाने के लिए कहा है।

ग्राम पंचायत महकेपार के बिरसा मुंडा चौक में 15 लाख 95 हजार रुपए की लागत से बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन और अंबेडकर चौक में अंबेडकर सभा मंच के लिए करीब 4 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई है. वन विभाग ने सभा मंच का निर्माण कार्य शुरू किया 85 फीसदी कार्य पूर्ण भी हो चुका है लेकिन इसमें कार्य करने वाले मजदूरों को मजदूरी भी नहीं दी गई और कार्य करीब 01 वर्ष से बंद पड़ा है. बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य आज तक शुरू नहीं हो पाया. इस भवन के निर्माण के लिए बकायदा निर्माण सामग्री लाकर रखी गई. समय पर सीमेंट का उपयोग नहीं होने के कारण सीमेंट पत्थर में तब्दील हो गई. जनपद सदस्य का आरोप है कि वन विभाग के जिम्मेदारों की घोर लापरवाही की वजह से यह स्थिति निर्मित हुई है. जिस निर्माण कार्यों का एक साल पूर्व ही निर्माण पूर्ण हो जाना था उनमें से एक कार्य की आज तक नींव भी नहीं रखी गई. गौरतलब हो कि बिरसा मुंडा चौक में सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से आदिवासी समुदाय में आक्रोश पनप रहा है और यह आक्रोश किसी भी दिन आंदोलन का रूपड्ढ धारण कर सकता है. पठार अंचल के आदिवासी समुदाय में इस निर्माण को लेकर अब चर्चाएं तेज हो गई है काफी समय से निर्माण शुरू नहीं होने पर अब समाज के लोग कभी भी स ?क पर उतर सकते है।

24 सितंबर को कटंगी आएंगे सीएम डॉ मोहन यादव

कलेक्टर ने विधायक के साथ कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव आगामी 24 सितंबर को कटंगी आ रहे है. वह कटंगी में होने वाले राज्य स्तरीय धान बोनस वितरण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे. इसके अलावा विधायक गौरव सिंह पारधी के प्रयासों से राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 185 करोड़ रुपए के कार्यों का भी भूमिपूजन करेगें. मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल में व्यवस्थाओं, रूट प्लानिंग का जायजा लेने के लिए बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा गुरुवार को कटंगी पहुंचे. उन्होंने कार्यक्रम प्रस्तावित स्थल कृषि उपज मंडी और शासकीय कॉलेज मैदान के हेलीपैड का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यक्रम की रूपरेखा, बालाघाट जिले की उपलब्धियों की प्रदर्शनी, यातायात, रूट प्लान, बस पार्किंग, बैठक व्यवस्था, कानून व्यवस्था, स्टेज निर्माण, फायर ब्रिगेड और बैरिकेडिंग आदि की तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेकर अधिकारियों को निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये है. कलेक्टर ने खासतौर पर लोक निर्माण विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूरा करने के लिए कहा है. कटंगी में होने वाले इस कार्यक्रम में जबलपुर संभाग के जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी जिले के करीब 25 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान है।

विधायक गौरव सिंह पारधी ने कॉलेज में बने हेलीपैड में बाधा रहित होने का अनुमान लगाते हुए नट्टी टोला के मिनी स्टेडियम में अतिरिक्त हेलीपेड बनवाने का सुझाव कलेक्टर

को दिया. जिसके बाद कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी से हेलीपैड के मानक के बारे में पूछा तो अधिकारी ने बताया कि हेलीकॉप्टर को इसी हेलीपेड में लैंडिंग और टेक ऑफ किया जाता रहा है यह हेलीपैड के तय मानकों पर पूरी तरह से खरा नहीं उतरता है. जिसके बाद कलेक्टर ने मिनी स्टेडियम में भी अतिरिक्त हेलीपेड बनाने की तैयारी करने के निर्देश दिए है. कलेक्टर के साथ जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम के.सी. ठाकुर, उप संचालक कृषि फूल सिंह मालवीय, लोक निर्माण विभाग यंत्री बी.एस. अड़मे, जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल, जिला आपूर्ति अधिकारी आर.एस. ठाकुर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे. कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड का निरीक्षण करने के बाद कलेक्टर और विधायक ने विश्राम गृह में सीएम के कार्यक्रम की पृथक से चर्चा की।

मुख्यमंत्री के हाथों बनेरा से कोड़मी, नंदोरा से टेकाड़ी, टेकाड़ी से खैरलांजी, महकेपार से बाजार चौक, महदुली से पौनिया, सादाबोड़ी से बोनकट्टा, चौखण्डी से धनकोषा, वरूड़ से सिरपुर, वरूड़ से टेकाड़ी, मोहगांव से सुकड़ीघाट, आंजनबिहरी-रामजीटोला-जामुनटोला- चाकाहेटी-जामरापानी, चोरपिण्डकेपार से टूईयापार, बोपली से कोसमी, मंगलेगांव से टटेकसा, बिछुआ-हिरापुर से चांदाडोह, परसवाड़ाघाट-सावरगांव-हथोड़ा मार्ग के निर्माण कार्य का भूमिपूजन होगा. इसके अलावा उमरी-सावंगी-अर्जुनी बाहकल मार्ग (मजबूतीकरण), कटंगी से लालबर्रा मार्ग और सिवनहेटी पहुंच पुलिस का भी भूमिपूजन सीएम के हस्ते होगा।

केश शिल्पी सेन (नाई) समाज महिला मंडल का हुआ विस्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला केश शिल्पी सेन नाई समाज द्वारा गुरुवार को काली पुतली चौक स्थित एक सलून में सामाजिक महिलाओं की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सामाजिक कार्य एवं गतिविधियों पर विभिन्न चर्चा की।इस दौरान बालाघाट में केश शिल्पी सेन नाई समाज द्वारा सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने एवं जिले में विभिन्न कार्यक्रम को लेकर नगर मुख्यालय की सेन (नाई) समाज की महिलाये एकजुट हुई। जहां सामाजिक संगठन को मजबूत बनाए रखने की बात पर जोर दिया गया तो वहीं सेन(नाई)समाज की महिलाओं की समिति का विस्तार करने मे देरी न करते हुए महिलाओं ने अपने टिम पदाधिकारियों में चिट चुनाव कर दामिनी गोंडाने को महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष, एवं तीन उपाध्यक्ष, डॉक्टर रश्मि श्रीवास, शिखा श्रीवास, सरस्वती जुझार,को चुना गया तो वही सचिव पद पर पूजा नागपुरकर, कोषाध्यक्ष, सोनाली कूकड़कर, प्रियंका नागपुरकर,,मीडिया प्रभारी खुशी कूकड़कर, के नाम की घोषणा की गई।वही बैठक में उपस्थित सभी महिलाओ ने बारी बारी से अपने अपने विचार रखे जिसमे फैसला लिया गया कि आगामी समय में सेन नाई समाज का जो भी कार्यक्रम किया जाएगा उसमे सभी महिलाएं बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगी। साथ ही अपने हुनर को सभी के सामने रखकर महिला शक्ति की ताकत को सामाजिक कार्य करने में कोई कमी नहीं आने देंने की बात कही गई।इसके अलावा समाज में बेहतर कार्य करने में आगे रहेंने का संकल्प महिलाओ द्वारा लिया गया। अंत मे आभार व्यक्त कर बैठक का समापन किया गया।

धूमधाम से मनाया गया शंकर शाह एवं पुत्र रघुनाथ शाह मंडावी का 168 वा बलिदान दिवस

उकवा(पद्मेश न्यूज)। स्वतंत्रता संग्राम के महान बलिदानी महाराज शंकर शाह मंडावी एवं पुत्र रघुनाथ शाह मंडावी का 168 वा बलिदान दिवस उकवा में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ ग्राम जगनटोला दोनों बलिदानियों की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात जगन टोला से रेंज ऑफिस तक वाहन रैली का आयोजन किया गया। रेंज ऑफिस में बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई तथा रेंज ऑफिस से कार्यक्रम स्थल तक विशाल रैली एवं झांकियां के साथ आदिवासी अस्त्र-शास्त्र के साथ भ्रमण करते हुए सभा स्थल तक पहुंची सभा स्थल पर उपस्थित अतिथिगण एवं समस्त समूह समक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ जितेंद्र मीणा द्वारा आदिवासी जीवन पर लिखी किताब राष्ट्र निर्माण में आदिवासी का विमोचन किया गया कार्यक्रम में डॉक्टर जितेंद्र मीणा ,प्रीतम उईके, महेंद्र लोधी, मधु भगत कांग्रेस विधायक परसवाड़ा, संजय उयके कांग्रेस विधायक बैहर एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालाघाट नैनसिंग मंसाराम मंडावी जिला पंचायत सदस्य बालाघाट,, भजन वलके, दिनेश धुर्वे आदिवासी समाज जिला अध्यक्ष बालाघाट संमल सिंह धुर्वे अध्यक्ष जनपद पंचायत परसवाड़ा, सुशीला सरोते पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत परसवाड़ा आदि द्वारा संबोधित किया गया कार्यक्रम में समस्त अतिथियों का गोंडवाना परंपरा के अनुसार पीला चावल पीला गमछा देकर स्वागत किया गया मंचिय कार्यक्रम में रुपझर,समनापुर, दलदला, जगनटोला, कन्या आश्रम उकवा, कन्या छात्रावास उकवा सहित लूद,कोगेवानी,बिठली,सोनगुड्डा सहित कहीं ग्रामों की छात्रोंओ द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। उपस्थित जन समूह हेतु भोजन व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में सफल मंच संचालन सुनील उईके सरपंच सोनपुरी एवं श्रीमती कामिनी कोकोड़े शिक्षिका के द्वारा किया गया।

चंदन नदी से रेत का अवैध उत्खनन, रेत का परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्राली जप्त

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाली चंदन नदी से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन के चलते यहां की पुलिस ने अवैध रूप परिवहन कर रहे रेत से भरे एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किये तथा रेत के अवैध परिवहन में ट्रैक्टर चालक कृष्ण पिता कालूलाल माहुले 46 वर्ष वार्ड नंबर 18 खैरलांजी निवासी को गिरफ्तार कर लिये। खैरलांजी पुलिस के मुताबिक 18 सितंबर को सूचना प्राप्त हुई कि चंदन नदी के चुटिया गुनई घाट से रेत का अवैध रूप से उत्खनन कर ट्रैक्टर ट्रॉली के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना पर खैरलांजी पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम घुबड़गोंदी रोड से जा रहे रेत से भरे एक ट्रैक्टर ट्रॉली को रोके और ट्रैक्टर चालक का नाम पूछने पर उसने अपना नाम कृष्ण माहुले है ग्राम खैरलांजी निवासी बताया। जिसके पास इस रेत के परिवहन से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं पाए गए। कृष्ण माहुले द्वारा चंदन नदी से रेत का अवैध रूप से उत्खनन कर स्वराज कंपनी के ट्रैक्टर ट्रॉली से रेत का परिवहन किया जा रहा था। रेत से भरे इस ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त किया गया और इस मामले में कृष्ण माहुले के विरुद्ध अपराध क्रमांक 281 / 2025 में धारा 303(2) 317(5) भारतीय न्याय संहिता और धारा 4 / 21 खान एवं खनिज अधिनियम तथा धारा 53(1) मध्य प्रदेश गौण खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे इस अपराध में गिरफ्तार कर लिये।

सेवा पखवाड़े पर किया गया पौधारोपण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 18 सितंबर को दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट द्वारा गर्रा स्थित वनस्पति उद्यान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद श्रीमती भारती पारधी, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, रामेश्वर बिसेन अध्यक्ष जिला लघु वनोपज संघ, सीसीएफ गौरव चौधरी, डीएफओ अधर गुप्ता, श्रीमति नेहा श्रीवास्तव, डीएफओ अरिहंत कोचर, उपाध्यक्ष महेश मोहारे सहित छात्र,छात्राए, विभागीय स्टॉफ,सहित जनमानस की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से लेकर पूरे देश में 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा के कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रकृति प्रेमी है, उन्होंने हम सबको प्रकृति से जोड़ने का कार्य किया है। पौधारोपण का नाम, एक पेड़ मां के नाम अभियान दिया है। हम अपनी मां से जितना प्यार करते हैं वैसे ही हम पौधे से करें,उसका संरक्षण करें। स्वच्छता अभियान के माध्यम से हम स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं हमें अपने आसपास साफ-सुथरा रखने का रखने का संकल्प लेना होगा स्वच्छता अभियान में लोग जुड़े। स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। इस दौरान सांसद श्रीमती पारधी ने सांसद खेल महोत्सव में युवाओं को शामिल होने की अपील की।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारतीय ठाकुर ने कहा कि 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। उन्होंने इस आयोजन के लिए वन विभाग को बधाई दी और कहा कि इस पखवाड़े में विभिन्न कार्यक्रम रक्तदान शिविर, हितग्राही मूलक योजनाओं का क्रियान्वयन , सहित सेवा के कार्य किया जा रहे हैं बालाघाट में नगर वन की शुरुआत की गई, यह एक अच्छी पहल है, जिससे हमारा शहर लाभान्वित हो रहा है। हम पौधा लगाकर उसका संरक्षण अवश्य करें। पौधारोपण एक जीवनदान के समान है। कोरोनाकाल में हमने इसके महत्व को महसूस किया है। गांव में रहकर, हरियाली पेड़ पौधों के बीच में हम रहना चाहते थे। ऑक्सीजन की कमी को हमने पूरा किया है। अपने एक जीवन का लक्ष्य बनाएं कि हम पौधा किसी को उपहार में देकर उसके संरक्षण का संकल्प ले।

इस अवसर पर डीएफओ अधर गुप्ता ने कहा कि पेड़ हमे छाया ही नहीं देते बल्कि यह हमारी जलवायु के भी रक्षक है। उन्होंने कहा कि वृक्षो से हमें शुद्ध वायु तो मिलती है किंतु यह मनुष्य और प्रकृति के बीच के संतुलन को भी प्रदर्शित करता है। इसी प्रयास के साथ सेवा पखवाड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।

कार्यक्रम के पश्चात स्कूली छात्राएं व जनमानस के साथ अतिथियों द्वारा स्थानीय वनस्पति उद्यान में पौधारोपण करके सुरक्षा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर एसडीओ विनीता फुलवेल, रेंजर हिमांशु राय, छत्रपाल सिंह जादौन वारासिवनी, शिक्षिका पूनम मिश्रा सहित विभागीय स्टॉफ,उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के शिक्षक, छात्र ,छात्राएं उपस्थित थे।

अस्थाई आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं व मांगों को लेकर की गई बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत कर्मचारी भृत्य, चौकीदार, नल चालक संघ अस्थाई आउटसोर्स कर्मचारियों की बैठक गुरूवार को शहर मुख्यालय स्थित बस स्टैण्ड के धर्मशाला में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा की प्रमुख उपस्थित में बैठक आयोजित हुई। जिसमें ग्राम पंचायतों के अस्थाई व आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं व मांगों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि अधिकांश सरकारी विभागों में अस्थाई व आउटसोर्स कर्मचारी ही पदस्थ है। जिनके भरोसे विभागों का काम-काज चल रहा है। लेकिन उन्हें काफी कम मानदेय दिया जा रहा है। वहीं सरकारी विभागों का 70 प्रतिशत ठेकाकरण हो गया है जो बहुत ही चिंतनीय व खतरनाक बात है। पंचायतों में अस्थाई कर्मचारियों को ढाई तीन हजार रूपये मानदेय व स्कूल एवं छात्रावास में कार्यरत अस्थाई कर्मचारियों को 4-5 हजार रूपये मानदेय दिया जा रहा है। जिससे इस महंगाई के दौरान में उनका जीवनयापन करना भी दूभर है। उन्होंने कहा कि 12 अक्टूबर को अस्थाई व आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं व मांगों को लेकर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएंगा।

बालाघाट कलेक्टर के नाम से बनाई गई फेक आईडी

5 रूपये भेज कर बचाये 75000 रूपये, कलेक्टर के नाम की आईडी से उज्जैन के अकाउंट ऑफिसर को बनाया जा रहा था ठगी का शिकार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों साइबर ठग द्वारा नए-नए तरीकों से साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है एवं बड़े अधिकारियों के नाम की फेक फेसबुक आईडी बनाकर उनके संबंधित अधिकारी व रिश्तेदारों से पैसे मांग कर ठगी की घटनाएं की जा रही है। ऐसा ही एक ताजा मामला बालाघाट कलेक्टर की फेक आईडी बनाए जाने का सामने आया है। यहां साइबर ठग ने बालाघाट कलेक्टर के नाम की फेक आईडी बनाई और उज्जैन में पदस्थ एक जनपद पंचायत के अकाउंट ऑफिसर का समान खरीदनें के नाम पर 75000 रूपये की ठगी की जा रही थी, किंतु अकाउंट ऑफिसर की सूझबूझ से ठगी की घटना होने से टल गई, तो वहीं इस पूरे मामले में बालाघाट कलेक्टर और उज्जैन के अकाउंट ऑफिसर ने इसकी शिकायत सायबर सेल में कर दी है।

आपको बता दे कि बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा आईएएस के नाम से फेक आईडी बनाकर, इससे जुड़े लोगों से रूपए मांगे जाने का मामला सामने आया है। कलेक्टर मृणाल मीणा के साथ काम कर चुके, वर्तमान में उज्जैन के जिला पंचायत में एकाउंट ऑफिसर

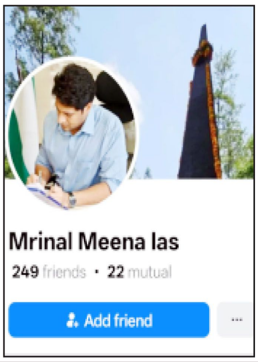

यशवंत गोठवाल से 75 हजार रूपए आईडी ठगी किए जाने के प्रयास के बाद यह मामला सामने आया। हालांकि कलेक्टर मृणाल मीणा ने बताया कि विगत दो-चार दिनों से लोगों से मुझे ऐसी जानकारी आ रही थी, लेकिन गत दिवस, जब साथ काम कर चुके उज्जैन जिला पंचायत के एकाउंटेंट से जानकारी मिली तो मैंने इसकी शिकायत सायबर सेल में की है। बताया जाता है कि कलेक्टर मृणाल मीणा, आईएएस के नाम से फेसबुक एकाउंट की फेक आई.डी. तैयार की गई है, जिसके माध्यम से राजस्थान का कोई ठग, उनसे जुड़े लोगों से संपर्क कर रूपए मांगकर ठगने का प्रयास कर रहा है। जिसके बाद फेक आईडी के यूआरएल नंबर के साथ ना केवल कलेक्टर मृणाल मीणा ने फेसबुक में इसकी शिकायत की है बल्कि सायबर सेल को भी शिकायती आवेदन दिया है। इस मामले में कोतवाली थाना प्रभारी विजयसिंह राजपूत ने बताया कि शिकायती आवेदन पर जांच की जा रही है। कलेक्टर मृणाल मीणा ने लोगों से अपील की है कि उनकी फर्जी आईडी से यदि कोई पैसे भेजने की बात करता है तो वह उसे पैसा ना भेजे और यदि, उस आईडी से कोई जुड़ा है तो उसे अनफ्रेंड कर दे।

इस प्रकार से दिया जा रहा था झासा

तत्कालीन समय में कलेक्टर मृणाल मीणा के साथ काम कर चुके उज्जैन जिला पंचायत अकाउंट ऑफिसर यशवंत गोठवाल को फर्जी आईडी यूजर, ने मैसेज में स्वयं को कलेक्टर मृणाल मीणा से अच्छे दोस्ताना संबंध का हवाला देकर, स्वयं को सीआरपीएफ में ऑफिसर होने की बात कही और ट्रांसफर होने पर घरेलु सामान को 85 हजार रूपए में बेचने की बात कही। जिसका सौंदा 75 हजार रूपए में यशवंत गोठवाल तय कर चुके थे। जिसके बाद यशवंत गोठवाल ने दिए गए एकाउंट में पांच रूपए डाले। जिसके बाद ठग, मैसेज में बदत्तमिजी से पेश आने लगा। जिसके बाद जब यशवंतराव गोठवाल ने कलेक्टर मृणाल मीणा से चर्चा करके, मैसेज की बात की तो कलेक्टर मृणाल मीणा ने तत्काल ही उन्हें पेमेंट से मना करते हुए उसे ठग होना बताया। कलेक्टर मृणाल मीणा की फेंक आईडी का मामला सामने आने के बाद, पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुये ,जाँच में जुट गई है और मिले नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

तेज रफ्तार पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में लिया- एक महिला उसके दो बच्चे और भाई घायल

रेंगाटोला गोंदिया फोरलेन पुल के नीचे हुआ सड़क हादसा

गंभीर रूप से घायल महिला हायर सेंटर रेफर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत गर्रा से दीनी रोड पर स्थित ग्राम रेंगाटोला के पास स्थित गोंदिया फोरलेन पुल के नीचे तेजरफ्तार पिकअप ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। इस सड़क दुर्घटना में पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक महिला और उसके दो बच्चे घायल तथा इस महिला का भाई घायल हो गये।

जिसे मामूली चोंटे आई है। चारो घायल जिनमे लक्ष्मी पति सुरेंद्र उपवंशी 32 वर्ष ग्राम लड़सड़ा रामपायली निवासी और उसके दो बच्चे विद्या उपवंशी 10 वर्ष और आदर्श उपवंशी 9 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया। महिला का भाई विकास पिता टीकाराम डहारे 20 वर्ष ग्राम कनकी थाना लालबर्रा निवासी को मामूली चोंटे आई है। इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल महिला लक्ष्मी बाई उपवंशीको हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मी बाई उपवंशी अपने पति सुरेंद्र उपवंशी के साथ खेती किसानी करती है। जिनका मायका ग्राम कनकी का है। 17 सितंबर को लक्ष्मी बाई उपवंशी अपने दोनों बच्चे विद्या और आदर्श के साथ अपने मायके ग्राम कनकी किसी काम से आई थी आई थी। 18 सितंबर विकास डहारे अपनी बहन लक्ष्मी बाई उपवंशी भांजी विद्या उपवंशी और भांजा आदर्श उपवंशी को मोटरसाइकिल में उनके गांव लड़सड़ा छोड़ने के लिए जा रहा था। 2:30 बजे करीब गर्रा से दीनी रोड पर स्थित ग्राम रेंगाटोला समीप गोंदिया फोरलेन पुल के नीचे से जाते समय गोंदिया की ओर से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप में मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। पिकअप की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार लक्ष्मीबाई उपवंशी उनके दोनों बच्चे विद्या उपवंशी और आदर्श उपवंशी और विकास डहारे घायल हो गए हालांकि इस दुर्घटना में विकाश डहारे को पैर में मामूली आई। खबर मिलती ही मौके पहुंची डायल 112 से तीनों घायल को जिला अस्पताल लाया गया जिनमे अधिक चोट लगने घायल लक्ष्मी बाई उपवंशी और उनके दोनों बच्चे विद्या उपवंशी और आदर्श उपवंशी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है और विकास डहारे का प्राथमिक उपचार किया गया और छुट्टी दे दी गई इस दुर्घटना में लक्ष्मी बाई उपवंशी के घुटने के नीचे से दोनों पैर फैक्चर होने से उन्हें बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने लक्ष्मी बाई उपवंशी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है।

एच सी एल मलाजखंड के पहाड़ी जंगल में एक महिला ने फांसी लगाकर किया

मलाजखंड थाना क्षेत्र की घटना, जिद्दी और गुस्सेले स्वभाव की थी मानकुंवर मेरावी

मलाजखंड(पद्मेश न्यूज)। थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम छिंदी टोला निवासी एक महिला मानकूवर बाई पति श्यामलाल मेरावी 50 वर्ष ने अपने ग्राम समीप एच सी एल मलाजखंड की पहाड़ी जंगल में पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।इस महिला ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की स्पष्ट नहीं हो पाया है। मलाजखंड पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मानकुँवर मेरावी के परिवार में पति श्यामलाल मेरावी के अलावा पांच बेटे हैं और सभी की शादी हो चुकी है और सभी संयुक्त परिवार में रहकर खेती किसानी करते हैं। श्यामलाल मेरावी एच सी एल मलाजखंड की कैंटीन में खाना बनाने का काम करता है। 16 सितंबर को 2:00 बजे श्यामलाल मेरावी एच सी एल मलाजखंड की कैंटीन में काम करने चला गया था। रात 10:00 बजे श्यामलाल। मेरावी घर वापस आया तो उस समय उसकी पत्नी मांनकुंवर मेरावी घर में नहीं थी। श्यामलाल मेरावी ने सोचा की पत्नी मानकुँवर परिवार में चली गई होगी। यह सोचकर उसने खाना खाकर और सो गया था। 17 सितंबर को सुबह 9:00 बजे श्यामलाल को गांव के ही गेंदल धुर्वे ने बताया कि मैं भैंस चराने के लिए एच सी एल के जंगल पहाड़ी तरफ गया था। जंगल में कलमी के पेड़ में मानकुवर मेरावी रस्सी से फांसी का फंदा बनाकर लटकी हुई । यह सुनकर श्यामलाल मेरावी अपने बेटे जितेंद्र मरावी के साथ एच सी एल मलाजखंड के जंगली पहाड़ी में जाकर देखें।जंगल में कलमी के पेड़ में मानकुंवर मेरावी फांसी पर लटकी हुई थी और उसकी मृत्यु हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट श्यामलाल मेरावी ने मलाजखंड पुलिस थाने में की जहा से प्रधान आरक्षक जीत सिंह ठाकुर अपने स्टाफ के साथ एच सी एल मलाजखंड जंगल पहाड़ी पहुंचे और कलमी के पेड़ में फांसी पर लटकी मांनकुंवर मेरावी का शव पेड़ से नीचे उतरवाये। पंचनामा कार्यवाही पश्चात मानकुंवर मेरावी का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। बताया गया है कि मानकुंवर मेरावी जिद्दी और गुस्सेले स्वभाव की थी। संभावना व्यक्त की गई है की मांनकुंवर मेरावी ने घर मे किसी के कहने पर गुस्से में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रधान आरक्षक जीत सिंह ठाकुर द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

एक व्यक्ति ने पत्नी से की मारपीट तो चलाई चाकू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली सिवनी कैंप में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को हाथ बुक्के से मारपीट कर उसके कलाई में चाकू से वार कर दिया। मारपीट और चाकू के वार से घायल महिला कंचन पति रवि कठौते 37 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंचन मजदूरी करती है। जिसके परिवार में पति और 14 एवं 16 वर्ष की दो बेटी है। मंगलवार की। शाम कंचन सामान लेने के लिए दुकान गई थी। उसी समय उसका पति रवि घर आया। उस समय घर का दरवाजा था। तभी कंचन घर आई। जिसे उसके पति रवि ने पूछा कि दरवाजा बंद करके कहां गई थी। कंचन ने उसे बताई की घर में कोई नहीं होने के कारण वह दुकान गई थी। तभी रवि ने कंचन को गालियां देते हुए उसे हाथ बुक्के से मारपीट कर दिया। कंचन ने गुस्से में आकर चाकू निकाली तभी रवि ने उसके हाथ से चाकू छुड़ाया और कंचन के बाएं हाथ की कलाई में वार कर दिया। रवि द्वारा मारपीट करने से कंचन घायल हो गई थी जिसे 112 डायल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने कंचन का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

एक व्यक्ति ने अपने वृद्ध पिता से की मारपीट और दी जान से मारने की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम एकोड़ी के उमरटोला में एक व्यक्ति ने अपने वृद्ध पिता को हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी है। मारपीट में घायल वृद्ध मंगलदास पिता उमेंद मेश्राम 72 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलदास खेती किसानी करता है मंगलवार की शाम 6:00 बजे मंगलदास गांव के चौक से अपने घर गया था उसी समय उसके छोटे बेटे विनोद मेश्राम ने उसके कमरे की लाइट का कनेक्शन बंद कर दिया था तब मंगलदास ने अपने पड़ोसी हंसलाल को बुलाया और लाइट सुधरवाया। तभी मंगलदास का बेटा विनोद हंस लाल को गालियां देने लगा हंसलाल ने बेटे विनोद मेश्राम को बोला कि हंस लाल की क्या गलती है उसे मैंने बुलाया था तभी विनोद मेश्राम जो इस समय शराब के नशे में था जिसने अपने पिता मंगल दास अश्लील गालियां देते हुए उसे हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मार डालने की धमकी दे दी। बेटे विनोद मेश्राम द्वारा की गई मारपीट में मंगलदास घायल हो गया था जिसने घटना के संबंध में अपनी बहन अनुसुइया वैध को बताया। मंगलदास को उसके भांजे आशीष वैध ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जिला अस्पताल पुलिस ने मंगलदास मेश्राम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर वारासिवनी भिजवा दी है।

आवश्यकता है
डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट